हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

- मां-बाप और बच्चों के साथ विवाह के बाद बहू बनकर दूसरे गांव से आने वाली महिलाएं भी श्रवण बाधित
- मेडिकल बोर्ड ने सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया, 147 लोग इसी आधार पर सालों से नौकरी भी कर रहे हैं

अलग खबर

जांच के लिए नहीं आया पत्र

इस बारे में दिव्यांग संघ की ओर से शिकायत जरूर की गई थी लेकिन शासन की ओर से किसी भी प्रकार की जांच के लिए पत्र नहीं आया है। वैसे भी मामला सीधा समाज कल्याण विभाग से जुड़ा है। फिर भी फर्जीवाड़े की बात सामने आई है तो जनपद की ओर से जानकारी ले ली जाएगी।
- टीएल घृतलहरे, सीईओ, जनपद पंचायत, लोरमी

करीब 147 लोग कर रहे दिव्यांग प्रमाण पत्र के माध्यम से नौकरी

लोरमी के 7 ऐसे गांव, जहां 300 से अधिक बहरे दूसरे गांव से आई बहुओं के कान भी हुए 'सुन्न'

विकास चौबे/बिलासपुर। मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के 6 से 7 गांव ऐसे हैं, जहां पिछले 10 सालों में 300 से अधिक लोग बहरे हो गए हैं। इनमें से 147 लोग श्रवण बाधित कान के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने के बाद सरकारी नौकरी भी कर रहे हैं। हालांकि इसमें अधिकांश के फर्जी होने के आरोप भी लग रहे हैं। यही नहीं इन गांवों में पता नहीं ऐसी कौन सी महामारी है कि मां-बाप और बच्चों के साथ विवाह के बाद दूसरे गांव या जिलों से बहू बनकर आने वाली महिलाएं भी श्रवण बाधित हो जाती हैं। खास बात यह भी है कि इनमें से अधिकतर का सरनेम राजपूत, राठौर शेष पेज 4 पर

2 से तीन लाख में बन रहे प्रमाण पत्र

दरअसल प्रदेश में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिए बहुत सारे गैंग सक्रिय हैं। दो से तीन लाख रुपए लेकर फर्जी प्रमाण पत्र बनवाए जा रहे हैं। कुछ मामले तो डॉक्टरों या स्टाफ की जानकारी में होते हैं, लेकिन ज्यादातर मामले में प्रमाण-पत्र बनवाते समय अन्य वास्तविक दिव्यांग को पैसा देकर खुद की जगह पेश कर दिया जाता है। जिसके चलते डॉक्टर प्रमाण पत्र जारी देते हैं। इसके शेष पेज 4 पर

परिवार में सभी के पास फर्जी प्रमाण पत्र

इस बारे में जानकारी ली गई तो मालूम पड़ा कि यह लोग स्कूल-कालेज में पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार से दिव्यांग नहीं थे। जैसे ही निःशक्त जनों के लिए विशेष भर्ती निकली, सभी फर्जी दिव्यांग बन गए। इसमें बिलासपुर और रायपुर में संस्थान चला रहे एक संचालक का नाम सामने आ रहा है। उसके चचेरे, ममेरे, फूफेरे भाई, पत्नी, साला सभी लोग दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार शेष पेज 4 पर

इन विभागों में सालों से कर रहे नौकरी

दिव्यांग संघ के प्रदेश अध्यक्ष बोहित राम चन्द्राकर ने बताया कि वर्तमान में पीएससी से सलेक्ट होकर 7 डिप्टी कलेक्टर, 3 नायब तहसीलदार, 3 लेखा अधिकारी, 3 पशु चिकित्सक, 2 सहकारिता निरीक्षक सहित 21 लोग दिव्यांग प्रमाण-पत्र लगाकर सरकारी नौकरी कर रहे हैं। इनमें से कितने प्रमाण पत्र सही या फर्जी हैं यह साबित होना बाकी है।

खबर संक्षेप

जश्न-ए-आजादी में विशेष मेहमान होंगे मनु, नीरज

नई दिल्ली। अगले सप्ताह के मध्य में 15 अगस्त को लालकिले पर मनाई जाने वाली देश की आजादी की 78वीं वर्षगांठ के मौके पर मनु भाकर, सरबजोत सिंह, नीरज चोपड़ा, स्वप्निल कुसाले और अमन सहरावत जैसे पेरिस ओलंपिक के पदक विजेता खिलाड़ी 'विशेष अतिथि' के रूप में शिरकत करेंगे। इनके बैठने के लिए रैम पेट पर व्यवस्था की गई है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि 15 अगस्त 2024 की थीम 'विकसित भारत @2047' रखी गई है।

सुप्रीम कोर्ट में घुसे प्रदर्शनकारी, चीफ जस्टिस का इस्तीफा, हिंदुस्तान बार्डर पर सैकड़ों हिंदू

बांग्लादेश में अराजकता का माहौल है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ओबैदुल हसन ने शेख हसीना सरकार के पतन के पांच दिन बाद छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इधर, हिंदुस्तान की सीमा पर सैकड़ों हिंदू भारत में प्रवेश के लिए गुहार लगा रहे हैं।

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ओबैदुल हसन (65) ने अपना निर्णय दोपहर करीब एक बजे उस समय घोषित किया, जब भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के प्रदर्शनकारी अदालत परिसर में एकत्र हुए। प्रदर्शनकारी छात्रों ने हसन और अपीलीय डिवीजन के न्यायाधीशों को दोपहर एक बजे तक इस्तीफा देने का समय दिया था। नवगठित अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार प्रोफेसर आसिफ नजरुल ने एक वीडियो संदेश में कहा, मुझे लगता है कि आपको एक खास खबर बताना जरूरी है। शेष पेज 4 पर

बीएसएफ जवानों ने सभी लोगों को सीमा से थोड़ी दूर रोक रखा है

सीमा पर नजर रखने की खातिर एक समिति का गठन किया

सीमा पर बीएसएफ अलर्ट

बांग्लादेश में हिंदू एकजुट हुए हैं। कूचबिहार के काशियार बरुनी इलाके के पठानटुली गांव में सीमा पार करने की कोशिश कर रहे लोगों में इतनी हताशा थी कि वे बाड़ के पार जलाशय में घंटों इंतजार करते रहे। बीएसएफ कर्मियों ने सीमा के जीरो पॉइंट (नो मैन्स लैंड) से 150 गज की दूरी पर बाड़ पार करने से रोक दिया।

सुरक्षा के लिए समिति का गठन

बता दें कि सीमा पर नजर रखने की खातिर सरकार ने एक समिति का गठन किया है। सीमा सुरक्षा बल के पूर्वी कमान के एडीजी को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल ने सतर्कता बढ़ा दी है।

शेख हसीना के करीबी माने जाते हैं हसन

उबैदुल हसन बीते साल सितंबर में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे। बांग्लादेश के 24वें मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हसन को शेख हसीना के वफादार के रूप में देखा जाता था। उबैदुल हसन के पिता डॉक्टर अखलाकुल हुसैन अहमद बांग्लादेश की मुक्ति संग्राम में शामिल थे और संविधान सभा के सदस्य के रूप में बांग्लादेश के संविधान के निर्माण में भी उनका योगदान था। उबैदुल हसन भी बांग्लादेश की न्यायपालिका के जानेमाने चेहरे रहे हैं।

गाइडलाइन से कम दर पर रजिस्ट्री, 3 रजिस्ट्रार पर गिरी गाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पंजीयन शुल्क में गाइड लाइन का पालन नहीं करने और गलत मूल्यांकन के कारण तीन रजिस्ट्रार पर निलंबन की गाज गिरी है। विभाग द्वारा बनाए गए विजिलेंस सेल ने रायपुर सहित पांच जिलों की जांच में यह गड़बड़ी पकड़ी थी। बताया गया है कि भूमि के पंजीयन के समय गलत मूल्यांकन के कारण शासन को 21 लाख 14 हजार रुपए के राजस्व की क्षति हुई थी। उन दस्तावेजों के पंजीयन के लिए दोषी वरिष्ठ 3 उप पंजीयकों को निलंबित किया गया है। इनमें रायपुर की उप पंजीयक मंजूषा मिश्रा, धमतरी के तत्कालीन उप पंजीयक सुशील देहारी, पाटन के तत्कालीन उप पंजीयक शशिकांता पात्रे को निलंबित किया गया है। विभागीय मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

मंत्री ने कहा भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी रहेगी कार्रवाई

अफसरों पर ये आरोप

इन अधिकारियों पर आरोप है कि तय गाइडलाइन से कम दर पर रजिस्ट्री की थी। जांच में सरकारी खजाने को नुकसान की पुष्टि हुई है, जिसके बाद ही यह कार्रवाई की गई है।

काबुल से कोलंबो तक, देश छोड़कर नेताओं के भागने का है पुराना इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश के वर्तमान के हालात पूरी दुनिया के सामने हैं। वहां छात्रों व नागरिकों के चल रहे हिंसक आंदोलन के कारण बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को परिवार सहित देश छोड़कर भागना पड़ा। वर्तमान में वे भारत में हैं। ऐसा नहीं है कि शेख हसीना पहली नेता हों जो देश छोड़कर भागी हों। इसके पूर्व भी विश्व इतिहास में ऐसी कई राजनीतिक उथल-पुथल की घटनाएं हुई हैं, जिसमें कई वैश्विक नेताओं को अपना देश छोड़ने के लिए मजबूर होकर भागना पड़ा।

बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मुद्दे पर लाखों छात्रों ने महीनों तक हिंसक विरोध-प्रदर्शन किया। छात्र आंदोलन को और भी ज्यादा उग्र होते देख अंत में शेख हसीना को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा और भारत में शरण ली। हालांकि, भारत हसीना का आखिरी पड़ाव नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शेख हसीना लंदन जा सकती हैं। उन्होंने ब्रिटेन से राजनीतिक शरण मांगी है। इसके अलावा वह फिनलैंड भी जा सकती हैं।

परवेज मुशर्रफ (पाकिस्तान)

जनरल परवेज मुशर्रफ 2001 से 2008 तक पाकिस्तान के सैन्य तानाशाह और राष्ट्रपति रहे थे। मुशर्रफ का नाम उन नेताओं में शामिल है जिन्हें देश में उछल-पुथल के बीच अपना देश छोड़कर भागना पड़ा। मुशर्रफ 1999 में सैन्य तख्तापलट के जरिए तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को हटाकर सत्ता में आए थे। महाभियोग की कार्यवाही से बचने के लिए मुशर्रफ ने 2008 में राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया और पाकिस्तान छोड़कर भाग गए।

गोटाबाया राजपक्षे (श्रीलंका)

पड़ोसी देश श्रीलंका में साल 2019 में आर्थिक तंगी आई, जिससे वहां के लोग झेल गए। श्रीलंका में आई इस आर्थिक तंगी को लेकर देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन होने लगे। विरोध-प्रदर्शनों के उग्र होता देख गोटबाया राजपक्षे ने अपना आधिकारिक आवास छोड़ दिया। बाद में उन्होंने राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देकर मालदीव और सिंगापुर की शरण ली। हालांकि, राजपक्षे श्रीलंका लौट चुके हैं।

अशरफ गनी (अफगानिस्तान)

अशरफ गनी सितंबर 2014 से अगस्त 2021 तक अफगानिस्तान के राष्ट्रपति रहे। मगर, साल 2021 में चरमपंथी तालिबान के भारी दबाव में उन्होंने अपनी जान बचाते हुए पद से इस्तीफा दे दिया। अशरफ गनी अफगानिस्तान छोड़ने के बाद पहले ताजिकिस्तान भागे और फिर संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी चले गए। बाद में यूएई ने उन्हें शरण दी।

एरिस्टाइड (हैती)

कैरेबियन देश हैती के राष्ट्रपति जीन-बर्ट्रेंड एरिस्टाइड को भी देश में मचे उथल-पुथल भरे माहौल के बीच निर्वासन का सामना करना पड़ा। साल 1991 में एरिस्टाइड पहली बार राष्ट्रपति बने थे, लेकिन बाद में उन्हें सैन्य तख्तापलट में उखाड़ फेंका गया और वे अमेरिका भाग गए। हालांकि, 1994 में अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद उन्हें सत्ता में वापस लाया गया।

खबर संक्षेप

स्वतंत्रता दिवस से पहले कश्मीर में निकाली गई तिरंगा रैली

श्रीनगर। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले शनिवार को कश्मीर घाटी के कई जिलों में तिरंगा रैली निकाली गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत घाटी के कई जिलों में तिरंगा रैलियां निकाली गईं। उन्होंने कहा कि रैलियों ने देशभक्ति की भावना प्रज्वलित की। अधिकारियों ने बताया कि घाटी के शोपियां, पुलवामा, बांदीपुरा, बारामूला और कुपवाड़ा जिले में रैली निकाली गईं।

अग्निवीर योजना राष्ट्रसेवा का स्वर्णिम अवसर: नौसेना प्रमुख

भुवनेश्वर। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा है कि

अग्निवीर योजना युवाओं के लिए राष्ट्र सेवा का एक स्वर्णिम अवसर है। उन्होंने कहा कि 16 सप्ताह के प्रशिक्षण के बाद शुक्रवार को 214 महिलाओं समेत कुल 1,389 अग्निवीर सेवा में शामिल हुए। उन्होंने कहा, ''अग्निवीर में शामिल होना भारतीय युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। इससे भारतीय नौसेना, सेना और वायु सेना में शामिल होकर देश की सेवा करने के लिए कम से कम चार साल का समय मिलता है।

शरद, उद्धव चुनाव से पहले दंगा कराना चाहते हैं : राज ठाकरे

संभाजीनगर। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने

शनिवार को आरोप लगाया कि शरद पवार और उद्धव ठाकरे विधानसभा चुनाव से पहले, खासकर मराठवाड़ा क्षेत्र में दंगे भड़काने के लिए मराठा आरक्षण आंदोलन का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। राज ठाकरे ने यहां संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि उद्धव और पवार मनोज जरांगे के नेतृत्व वाले आरक्षण आंदोलन को जातिगत राजनीति के लिए ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

बंगाल में महिला डॉक्टर के दुष्कर्म-हत्या मामले में खुलासा

बेरहमी का ये भयानक मंजर आया सामने, जांच में देरी पर उठे सवाल

'गुप्तांग-आंखों और मुंह से बह रहा था खून, गर्दन की हड्डी भी टूटी थी

बंगाल में राज्य सरकार द्वारा संचालित आर जी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल का मामला

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

प्रशिक्षु डॉक्टर थी वह

पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार द्वारा संचालित आर जी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में महिला डॉक्टर का अर्धनग्न शव मिलने से हड़कंप मच गया। अस्पताल के सेमिनार हॉल में महिला डॉक्टर का शव मिला था। इससे राज्य में राजनीतिक पारा भी गरम हो गया है। भाजपा का कहना है कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की गई। पुलिस ने इस मामले में आत्महत्या की संभावना से इनकार किया है।

पुलिस ने कहा कि यह निश्चित रूप से आत्महत्या का मामला नहीं है। उन्होंने बताया महिला डॉक्टर की यौन उत्पीड़न के बाद हत्या की गई। पीड़िता के गुप्तांग से खून बह रहा था और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के निशान थे। पीड़िता की दोनों आंखों और मुंह से खून बह रहा था। चेहरे और नाखून पर चोट के निशान थे। पीड़िता के गुप्तांग से भी खून बह रहा था। उसके पेट, बाएं पैर, गर्दन, दाएं हाथ, अनामिका और होंठों पर भी चोट के निशान थे। अपराध तड़के 3-6 बजे के बीच हुआ।

महिला का गला घोंटा गया

पुलिस अधिकारी ने बताया कि ऐसा लगता है कि पहले महिला का गला घोंटा गया। इस मामले में जांच के लिए कोलकाता पुलिस ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। बताया गया है कि प्रशिक्षु डॉक्टर छाती रोग चिकित्सा विभाग की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी और गुरुवार की रात ड्यूटी पर तैनात थी। प्रशिक्षु चिकित्सक के शव पर चोट के निशान मिले हैं। निशानों से पता चलता है कि वहां संघर्ष हुआ था।

पीड़िता के पिता ने लगाए गंभीर आरोप

महिला डॉक्टर के पिता ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि अस्पताल के अंदर उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया गया और इसके बाद हत्या कर दी गई। अब सच्चाई को छिपाने की कोशिश की जा रही है। उसके शरीर पर चोट का निशान इसका सबूत है। वह अर्धनग्न अवस्था में मिली है। सच को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि अस्पताल के अधिकारी जांच में देरी क्यों कर रहे हैं?

हत्या के मामले में एक गिरफ्तार

इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि व्यक्ति एक बाहर वाला था, जिसके पास अस्पताल के विभिन्न विभागों में मुफ्त पहुंच थी।

छात्र संगठनों का सड़क जाम कर प्रदर्शन

एक तरफ वामपंथी छात्र संगठन विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। वामपंथी छात्र संगठन ने कहा कि वे इस हत्या के विरोध में शनिवार और रविवार को पूरे पश्चिम बंगाल में सड़क जाम करेंगे। छात्र संगठन के इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ता भी शामिल होने पहुंचे। एक कांग्रेसी कार्यकर्ता ने कहा कि हम चाहते हैं कि मामले की जांच के लिए जो समिति बनाई गई है, उसमें निष्पक्ष जांच के लिए कांग्रेस का भी प्रतिनिधित्व हो। मृतक के परिवार को न्याय दिलाने के लिए नर्सों ने भी रैली निकाली।

सुवेंदु अधिकारी ने की सीबीआई जांच की मांग

बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने छात्र संगठनों से राज्य सरकार की असुविधाजनक प्रतिक्रिया के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की भी अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि मृतक के शरीर में चोट के निशान थे। छात्रा का शव इमरजेंसी बिल्डिंग के तीसरी मंजिल में संदिग्ध हालत में मिला। उन्होंने कुछ रिपोर्ट्स का जिक्र किया, जिसमें पीड़िता का गला घोंटने और दुष्कर्म का दावा किया गया था। भाजपा नेता ने मामले की जांच के लिए 11 सदस्यीय समिति का गठन करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। दरअसल, इस जांच समिति में प्रशिक्षु भी शामिल हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर इस मामले को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया है।

वायनाड पीड़ितों से बोले पीएम मोदी- मुश्किल वक्त में आप अकेले नहीं

एजेंसी ▶▶ वायनाड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार सुबह केरल पहुंचे। प्रधानमंत्री वायनाड में भूस्खलन प्रभावित इलाकों का दौरा किया। पीएम मोदी ने पीड़ितों से भी मुलाकात की। मोदी राहत शिविर भी पहुंचे जहां वर्तमान में पीड़ित रह रहे हैं।

■ वायनाड लैंडस्लाइड

पीएम मोदी ने पीड़ितों से मिलकर कहा कि मुश्किल वक्त में आप अकेले नहीं हैं, पूरा देश आपके साथ है। पीएम ने अस्पताल का भी दौरा किया जहां पीड़ितों का इलाज चल रहा है। उन्होंने पुंचिरिमट्टम, मुंडक्कई और चूरलमाला के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया। उनके साथ केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी भी थे।

हर संभव सहायता का दिया आश्वासन

केंद्र राहत प्रयासों में सहायता के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन हमने दिया है। मैं भूस्खलन से बचे लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे इस मुश्किल समय में अकेले नहीं हैं। हमारी केंद्रीय टीमों ने भी स्थिति का आकलन किया है। भारत सरकार सभी समस्याओं को हल करने के लिए राज्य सरकार के साथ खड़ी रहेगी। सीएम पिनाराई विजयन ने कहा है कि वे केंद्र से आवश्यक सहायता के बारे में विस्तृत ज्ञापन भेजेंगे।

हिंसक घटनाएं रोकें नहीं तो हाईवे प्रोजेक्ट्स होंगे रद्द

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब में हो रही हिंसक घटनाओं का असर हाईवे के प्रोजेक्ट्स पर भी पड़ रहा है। इसको लेकर केंद्रीय राजमार्ग और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पंजाब के सीएम भगवंत मान को चेतावनी भी दी है।

■ केंद्रीय मंत्री गडकरी की सीएम मान को सख्त चेतावनी

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी ने भगवंत मान को पत्र लिखा है और कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर यह नहीं सुधरता है तो भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण 8 हाईवे प्रोजेक्ट्स रद्द कर देगा।

पंजाब में चल रहे 8 प्रोजेक्ट

दिल्ली अमृतसर-कटरा-एक्सप्रेसवे पर काफी हिंसक घटनाएं सामने आई हैं। भूमि अधिग्रहण के मुद्दे लंबित होने के कारण कई जगहों पर ठेकेदारों को निशाना बनाया गया था। गडकरी ने भगवंत मान को पत्र लिखा है। यहां 8 प्रोजेक्ट चल रहे हैं। जिसकी कुल लागत 14288 करोड़ है। दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान कई जगहों पर काम रोकने के लिए हिंसक घटनाएं देखने को मिली।

योगी आदित्यनाथ ने सीएम साय को उपहार में भेजा आमों का टोकरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उपहार में काकोरी आमों की टोकरी पाकर उन्हें पत्र लिखकर हृदय से धन्यवाद प्रेषित करते हुए कहा है कि यह उपहार पाकर मैं अत्यंत भावुक और अभिभूत हूं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कहा है कि आपके मधुर संदेश के साथ मुझे प्राप्त हुए काकोरी आमों का स्वाद अत्यंत ही मधुर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पहचान आमों से भी है और महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से भी। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश के

■ मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा- इन आमों में बसी हैं भगवान श्री राम की यादें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन दोनों पहचानों को एकाकार करते हुए जो अद्भुत पहल की है, वह प्रेरक है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मान देने का यह श्रेष्ठ तरीका है। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करते हुए उस महान संग्राम की यादों को अपने सबसे प्रिय क्षणों में शामिल कर सकेंगे।

धनखड़ को हटाने लामबंद हुए 87 विपक्षी संसद सदस्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस की अगुवाई वाले इंडिया ब्लॉक ने राज्यसभा अध्यक्ष उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विपक्षी सांसदों ने जगदीप धनखड़ को पद से हटाने का प्रस्ताव पेश करने का मन बनाया है। विपक्ष ने राज्यसभा में अध्यक्ष के रूप में उनके पक्षपाती व्यवहार के कारण यह कदम उठाने का फैसला किया है। धनखड़ देश के दूसरे सबसे बड़े संवैधानिक पद पर यानी उप राष्ट्रपति हैं। इसके साथ ही धनखड़ राज्यसभा के अध्यक्ष भी हैं।

■ इंडिया ब्लॉक का बड़ा कदम

विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर के साथ पेश होगा प्रस्ताव

कांग्रेस की अगुवाई वाले इंडिया ब्लॉक ने कहा है कि धनखड़ का बर्ताव राज्यसभा में लगातार पक्षपातपूर्ण रहा है। विपक्ष का कहना है कि धनखड़ ने अपने पद का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश की है। इस बीच, विपक्ष ने 87 सदस्यों के हस्ताक्षर के साथ प्रस्ताव पेश करने की तैयारी की है।

नहीं रुक रहा जंगली हाथियों का तांडव, आए दिन हो रही घटनाएं

हाथी के हमले से चार लोगों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जशपुरनगर

नगर पंचायत बगीचा के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 9 गम्हरिया में हाथी ने पूरी रात तबाही मचाई। हाथी के हमले में दो भाई व बड़े भाई की पुत्री सहित पड़ोस में रहने वाले युवक समेत चार लोगों की जान चली गई है। प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया है।

बगीचा के डीएवी स्कूल जाने वाले मार्ग पर सड़क के किनारे बने एक घर पर दल से बिछड़े अकेले हाथी ने हमला किया जहां 6 लोग गहरी नींद में सो रहे थे। हमले में घर की दीवार पूरी तरह ढह कर गिर गई जिसमें दो बच्चे भी दब गए थे। ग्रामीणों ने देर रात मेहनत करके दोनों बच्चों को बाहर निकाला जिसमें एक की मौत हो गई है। विशेष बात यह कि बरसात में मौसम खराब होने के कारण विद्युत व्यवस्था लगातार बाधित थी। घटना के

■ हाथियों के हमले से हो रही लगातार मौत
■ प्रशासन और विभाग लाचार व बेबस
■ मृतकों में एक ही परिवार के तीन लोग

समय लाइट न होने के कारण ग्रामीणों को कुछ समझ में नहीं आ रहा था और हाथी लगातार हमला करता गया। हाथी के हमले से अफरातफरी मच गई थी। जिस घर पर हाथी ने हमला किया था। उसी घर में सो रहे पिता पुत्री और चाचा को हाथी ने पटक पटक कर मार डाला। हो हल्ला सुनकर पड़ोस का एक युवक बाहर निकला उसपर भी हाथी ने हमला कर मौत के घाट उतार दिया। मृतकों में पिता रामकेश्वर सोनी उम्र 35 वर्ष, पुत्री रवीता सोनी उम्र 09 वर्ष, चाचा अजय सोनी उम्र 25 वर्ष, पड़ोसी अश्विन कुजूर उम्र 28 वर्ष हैं। जिन्हें हाथी ने हमला कर मौत के घाट उतारा है। उक्त घटना में चार लोगों की मौत की खबर से पूरे गांव में मातम पसर गया है। लोगों की भीड़ लगी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि रात में हाथी मित्रदल की गाड़ी भी आई थी। कुछ समझ पाते इससे पहले हाथी ने हमला कर दिया। रात में लाइट नहीं थी लगातार लाईट की आवाजाही बनी हुई थी। घटना देर रात 12 बजे की बताई जा रही है। रात में हीं चारों शवों को बगीचा अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है जहां पीएम की तैयारी की जा रही है।

विभाग और शासन के सभी प्रयास हो रहे विफल

वन विभाग द्वारा लगभग 15 दिनों पहले जंगल के आसपास बसे बस्तियों में ऊंचे 30 स्थानों और सरकारी भवनों पर सायरन लगाया गया था ताकि हाथी के जंगल से निकलते ही सायरन बजाने लगे और गांव वालों को सतर्क किया जा सके। ठीक उसी तरह छत्तीसगढ़ शासन और वन विभाग के संयुक्त प्रयास से सजग ऐप के माध्यम से हाथी प्रभावित गांवों के 10 हजार लोगों को हाथियों की उपस्थिति का वॉइस और टेक्स्ट मेसेज दिया जा सके। लेकिन ये सभी प्रयास धरे के धरे रह गए और जंगली हाथी लगातार जान माल की हानि करते आ रहे हैं।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बस्तर के कोंटा के कई गांवों में बनाए गए हैं शहीद स्मारक

प्रतिमाएं खंडहर और बदरंग हो रही हैं, साफ सफाई तक नहीं

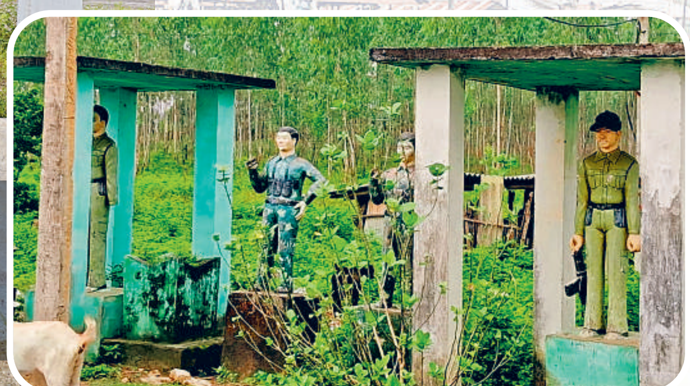

शहीद परिवार ने ही बनाया स्मारक

माओवादियों से लड़ते हुए अपने क्षेत्र को नक्सल दंश से बाहर निकाले के लिए शहीद हुए इन जवानों के परिजनों द्वारा ही जैसे तैसे इन स्मारकों का निर्माण अपने पैसों से करवाया गया है। लेकिन इन वर्दीधारी शहीद स्मारक के रंग रोगन तक की व्यवस्था किसी ने दो दशक के बाद से अब तक नही किया है। शुरूवात में जैसी स्थिति में प्रतिमा स्थापित की गई थी उसके बाद से रंगरोगन नहीं किया गया है।

साहब... यह शहीदों की प्रतिमाएं हैं, हमें देशप्रेम की प्रेरणा देती हैं, स्वतंत्रता दिवस से पहले रंग रोगन ही करा दीजिए

रफीक खान ▶▶| कोंटा

अलग खबर

नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान में बस्तर के सैकड़ों जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। ये वो जवान थे जिन्होंने अपनी जिंदगी ठीक से जी ही नहीं। जिन्होंने अपने सपने पूरे नहीं किए, जो देश की खातिर शहीद हो गए। उनकी याद में गांव-गांव में स्मारक बनाए गए। प्रतिमाएं लगाई गईं। ताकि वे हमें प्रेरणा देते रहें। देशप्रेम की भावना जगाते रहें। लेकिन हो क्या रहा है, उनकी कद्र नहीं हो रही। प्रतिमाएं टूट रही हैं। बदरंग हो रही हैं। किसी के हाथ टूटे हैं तो किसी के ▶▶|शेष पेज 4 पर

उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता

मेरे आने के बाद से किसी तरह का जीर्णोद्वार का प्रस्ताव शासन को नहीं भेजा गया है। वहीं इसके लिए किसी तरह का मद होने के विषय में पता करना पड़ेगा। शहीद जवानों ने हिंसा और अन्याय के खिलाफ प्राणों की आहुति दी है- उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। - **किरण चव्हाण, एसपी सुकमा**

एक्शन

आरोपियों ने एक करोड़ रुपए से ज्यादा लेव्ही वसूली कर नक्सलियों को पहुंचाया

नक्सली नेता पहुंचे बीहड़ से दिल्ली, तब लेव्ही वसूलने के राज का हुआ पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मोहला

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की पुलिस ने नक्सलियों के लिए लेवी वसूलने में संलिप्त पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के एक करोड़ रुपए से ज्यादा की लेव्ही वसूली कर नक्सलियों को पहुंचाने का मामला सामने आया है। लेव्ही की राशि तेंदूपत्ते के ठेकेदारों से वसूली गई थी। नक्सली नेता सुरजू टेकाम के बीहड़ से निकलकर हवाई मार्ग से रायपुर टू दिल्ली पहुंचने के पड़ताल में यह खुलासा हुआ है।

वर्तमान में यूएपीए के अपराध के तहत जेल में बंद मानपुर इलाक़े के तथाकथित विवादित भड़काऊ भाषण देने वाले नक्सली नेता सुरजू टेकाम के मार्च माह में बीहड़ से निकलकर हवाई मार्ग से रायपुर टू दिल्ली पहुंचने के पड़ताल में मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले की पुलिस को बस्तर से लेकर मोहला मानपुर जिले के शहरी नेटवर्क को ध्वस्त करने में कामयाबी हासिल हुई है। छत्तीसगढ़ के अब तक के नक्सल विरोधी अभियान में यह सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। इसमें नक्सलियों के लिए लेव्ही की करोड़ों रुपए तेंदूपत्ता के ठेकेदार एवं अन्य ठेकेदारों ने माओवादियों के शहरी नेटवर्क के खातों में सीधे ट्रांजक्शन के साथ नगद रकम जुटाने का भंडाफोड़ हुआ है। पकड़े गए 5 नक्सली समर्थकों में चार बीजापुर तथा ▶▶|शेष पेज 4 पर

ये आरोपी धरे गए

- सोनाराम फरसा पिता स्व. पांडूराम उम्र 28 वर्ष पता पंचायत बिरियाभूमि आदवाड़ा थाना जांगला जिला बीजापुर
- विजयजुर्री पिता स्व. संतूराम जुर्री उम्र 32 वर्ष साकिन मरकापाल, ग्राम पंचायत-बांगोली थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर
- रामलाल करमा पिता तुपाराम करमा उम्र 35 वर्ष ग्राम बांगोली थाना बांगापाल जिला बीजापुर
- राजेंद्र कड़ती पिता स्व. बुगुर कड़ती उम्र 30 वर्ष ग्राम डेगमेटा ग्रा.पं. फुलगट्टा थाना मिरतुर जिला बीजापुर
- विवेक सिंह पिता राम सुशील सिंह उम्र 35 वर्ष ग्राम मानपुर, वर्तमान पता-अर्जुन वेली, सड्डू, थाना विधानसभा, रायपुर

छत्तीसगढ़ पुलिस ने नक्सल फंडिंग का किया खुलासा

एनआईए कोर्ट बिलासपुर में पेशः पुलिस ने आरोपियों को एनआईए कोर्ट बिलासपुर में पेश किया। पुलिस अब वित्तीय ट्रेल और इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों का विश्लेषण कर रही है ताकि नक्सलियों के नेटवर्क और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की ▶▶|शेष पेज 4 पर

सांसद संतोष ने कहा- नंदकुमार बघेल के नक्सलियों से थे संबंध, भूपेश बोले सब जानते हैं, किससे हैं संबंध

राजनांदगांव। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में 4 नक्सलियों और उनके एक सहयोगी विवेक सिंह की गिरफ्तारी पर सियासत भी शुरू हो गई है। राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे ने कहा कि मृत व्यक्ति के विषय में नहीं कहना चाहिए, लेकिन कहना पड़ रहा है। श्री बघेल के पिता नंदकुमार बघेल राजनांदगांव जिले के मोहला-मानपुर जंगल क्षेत्र में बैठक करने आते थे और लोगों को बरगलाने का ▶▶|शेष पेज 4 पर

मूर्खता की हद हो गईः भूपेश

भारतीय जनता पार्टी हमेशा दिवंगत से सवाल करती है। गांधी जी से, नेहरू जी से, इंदिरा जी से सवाल करते है। आज मेरे पिताजी से सवाल कर रहे है, मूर्खता की हद हो गई। मेरे पिताजी से राजनीतिक विरोधाभास थे। उनकी लाइन अलग थी, मेरे लाइन अलग थी। वो कहां ▶▶|शेष पेज 4 पर

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर का एक और खुलासा

हिंडनबर्ग ने सेबी प्रमुख और उनके पति पर लगाए गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

HINDENBURG RESEARCH

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच के खिलाफ एक नया हमला किया। हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया कि सेबी की अध्यक्ष बुच और उनके पति के पास कथित अदाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने अदाणी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18 महीने बाद एक ब्लॉगपोस्ट में आरोप लगाया, सेबी ने अदाणी के मॉरीशस और ऑफशोर शेल संस्थाओं के कथित अघोषित जाल में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है। शॉर्ट-सेलर ने (मामले से पर्दा उठाने वाले) व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा, सेबी की वर्तमान प्रमुख माधवी बुच और उनके पति के पास अदाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए दोनों अस्पष्ट ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी। कथित तौर पर समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के बड़े भाई विनोद अदाणी अस्पष्ट ऑफशोर बरमूडा और मॉरीशस फंडों को नियंत्रित करते थे। हिंडनबर्ग का आरोप है कि इन फंडों का इस्तेमाल धन की हेराफेरी करने और समूह के शेयरों की कीमत बढ़ाने के लिए ▶▶|शेष पेज 4 पर

ऑफशोर फंड पर कही गई यह बात

हिंडनबर्ग ने कहा, अगर सेबी वास्तव में ऑफशोर फंड धारकों को ढूंढना चाहता था, तो शायद सेबी चेयरपर्सन आईने में देखकर शुरुआत कर सकती थीं। इसमें आगे कहा गया, हमें यह आश्चर्यजनक नहीं लगता कि सेबी उस निशान का पीछा नहीं करना चाहता था, जो उसके अपने प्रमुख तक जाता था। पूरे मामले पर सेबी की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं मिल सकी है।

बुच ने छिपाई हिस्सेदारी

हिंडनबर्ग ने कहा, मौजूदा सेबी चेयरपर्सन और उनके पति धवल बुच ने उसी अस्पष्ट अपतटीय बरमूडा और मॉरीशस फंड में अपनी हिस्सेदारी छिपाई, जो विनोद अदाणी द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक ही जटिल ढांचे में पाए गए थे। एक 'व्हिसलब्लोअर' से प्राप्त दस्तावेजों से पता चलता है कि 22 मार्च, 2017 को माधवी बुच को सेबी चेयरपर्सन नियुक्त किए जाने से कुछ ही हफ्ते पहले धवल बुच ने मॉरीशस फंड प्रशासक ट्राइडेंट ट्रस्ट को ईमेल लिखा था। यह ईमेल ग्लोबल डायनेमिक ऑपर्च्युनिटीज फंड (जीडीओएफ) में उनके और उनकी पत्नी के निवेश के बारे में था।

बांग्लादेश में उग्र व हिंसक छात्र आंदोलन के हसीना गो बैक अभियान ने शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद त्यागने और देश छोड़ने को मजबूर किया। पिछले 15 वर्ष से हसीना बांग्लादेश में शासन की बागडोर संभाल रही थी। कुछ ही महीने पहले हुए आम चुनाव में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने बहुमत हासिल किया था और हसीना ने पीएम पद की शपथ ली थी। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में स्वतंत्रता सेनानी समूह को अधिक आरक्षण के विरोध में इस्लामिक कट्टरपंथ तंजीम जमात-ए-इस्लामी की छात्र इकाई द्वारा शुरू किया गया आंदोलन पहले हसीना सरकार के लिए मुसीबत बना। बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने कोटा को न्यूनतम कर केवल 7 फीसदी रहने दिया, 93 फीसदी नौकरियां आरक्षणमुक्त हो गईं। इसके बाद आंदोलन खत्म हो जाना चाहिए था, क्योंकि छात्र की यही मांग थी। ऐसा नहीं हुआ, जमात-ए-इस्लामी के आंदोलन का रुख शेख हसीना को हटाने की ओर मुड़ गया। पाक, चीन जैसी विदेश ताकतें भी सक्रिय हो गईं। आंदोलन और उग्र व हिंसक होता गया, पीएम आवास पर धावा बोल दिया गया। सेना में सत्ता की ललक भी जाग गई, हसीना का साथ देने के बजाय उन्हें बांग्लादेश छोड़ने को मजबूर किया। हिंदुओं पर हमले तेज हो गए। अभी मो. यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी है। आजकल में पेश है एक आंकलन...

अनिश्चितता के भंवर में बांग्लादेश

कूटनीति
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

बांग्लादेश में सेना की कयादत में नई हुकूमत का सृजन हो चुका है। ग्रामीण बैंक के अधिष्ठाता और नोबेल प्राइज विजेता मोहम्मद यूनुस हुकूमत में मुख्य भूमिका में आ गए हैं। खालिदा जिया को जेल से रिहा कर दिया गया है। खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के संगीन इल्जाम के तहत 2017 में आजीवन कारावास की सजा अदालत द्वारा सुनाई गई थी। बांग्लादेश में हुकूमत की वास्तविक बागडोर तो सेना के हाथ में है। बांग्लादेश में कब नए चुनाव आयोजित कराए जाएंगे, यह कहना अभी बहुत मुश्किल है। भारत केवल यही उम्मीद कर सकता है कि बांग्लादेश में अंततः धर्मनिरपेक्ष शक्तियों को विजय हासिल होगी और कट्टरपंथी ताकतें परास्त हो जाएंगी।

ऐसा प्रतीत होता है कि बांग्लादेश में इतिहास को फिर से दोहरा दिया गया है। छात्र आंदोलन से उठे तूफानी सैलाब की लहरों में शेख हसीना बांग्लादेश की राजसत्ता से बेदखल कर दी गई। याद कीजिए, 1968 में द्वितीय विश्व युद्ध के हीरो व फ्रांस के राष्ट्रपति जनरल दगाल को छात्र आंदोलन के तेज तूफान ने सत्ताच्युत कर दिया गया था। भारत में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में छात्र आंदोलन का दमन करने के लिए इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 में आपातकाल आयद किया था और आपातकाल के परिणाम स्वरूप इंदिरा गांधी को 1977 के चुनाव में अपनी सत्ता गंवानी पड़ गई थी। 1971 के बांग्लादेश के स्वातंत्र्य मुक्ति संग्राम में शिरक़त करने वाले सेनानियों के उत्तराधिकारियों को सरकारी सेवाओं में प्रदान किए जा रहे आरक्षण के विरोध में छात्र आंदोलन आरंभ हुआ।

छात्र आंदोलन की मुख्य मांग को शेख हसीना की हुकूमत द्वारा बाकायदा स्वीकार कर लिया गया था। प्रदत आरक्षण को तीस फीसदी से घटाकर पांच फीसदी कर दिया गया था। प्रारम्भ में शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन से निपटने के लिए शेख हसीना हुकूमत द्वारा जो सख्त तौर-तरीके अपनाए गए, उसने छात्र आंदोलन को अंततः अत्यंत व्यापक और अत्याधिक उग्र बना दिया। आरक्षण पर बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के कोटा को केवल सात फीसदी तक सीमित कर देने के फैसले के बाद छात्र आंदोलन के शीर्ष नेता नाहिद इस्लाम ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के त्यागपत्र की मांग को लेकर विराट छात्र आंदोलन शुरू किया। बांग्लादेश के छात्र आंदोलन में कट्टरपंथी तंजीम जमात-ए-इस्लामी के छात्र संगठन ने अत्यंत निर्णायक और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अहिंसक छात्र आंदोलन को हिंसक परिणीति प्रदान करने में जमाते इस्लामी का बड़ा ताकतवर किरदार रहा। यहां तक कि प्रधानमंत्री के आवास को भी आखिकार लूट लिया गया। जमात-ए-इस्लामी ऐसा अंतरराष्ट्रीय कट्टरपंथी संगठन है, जोकि वैश्विक जिहाद को उत्पन्न करने और उसका परिपोषण करने में बहुत बड़ा किरदार निभाता रहा है। छात्र आंदोलन का मुकाबला करने के दौरान शेख हसीना ने छात्र आंदोलनकारियों को 'आतंकवादी' 'रजाकार' कहकर संबोधित कर दिया था, जो उग्र आंदोलन को और भड़काने में घी का काम कर दिया।

छात्र आंदोलन में कूदा

दरअसल, छात्र आंदोलन को जमात-ए-इस्लामी द्वारा हाईजैक कर लिया गया था। बांग्लादेश की पुलिस फोर्स वस्तुतः छात्र आंदोलन से निपटने में एकदम नाकाम सिद्ध हुई। 4 अगस्त को राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक में सुरक्षा सलाहकार, थल सेना, वायु सेना और नेवी के कमांडर इन चीफ, सभी मंत्रालयों के मिनिस्टर, कैबिनेट सचिव और पीएमओ के चीफ सेक्रेटरी शामिल हुए थे। बांग्लादेश के छात्र आंदोलन का अत्यंत सख्ती

के साथ मुकाबला करने के लिए बांग्लादेश के शीर्ष सैन्य कमांडरों ने शेख हसीना के हुक्म को मानने से इनकार कर दिया। सेना के कमांडर इन चीफ वकार उज़ ज़मान ने शेख हसीना को त्यागपत्र देने के लिए मजबूर कर दिया। अंततः 5 अगस्त को हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भारत में आना पड़ा।

क्यों छोड़ना पड़ा मुल्क

गंभीर और गहन विवेचना का विषय है कि बांग्लादेश में 15 वर्षों तक निरंतर प्रधानमंत्री रही शेख हसीना आखिरकार एकदम इतनी मजबूर क्यों हो गई ? यहां तक कि उनको अपना मुल्क ही छोड़ना पड़ गया। बांग्लादेश के इस्लामिक कट्टरपंथियों से कड़ा मुकाबला करके शेख हसीना पहली दफा 1996 में प्रधानमंत्री पद पर विराजमान हुई थी। इसके बाद 2001 से लेकर 2009 तक संसद में प्रतिपक्ष की नेता रहीं। सन् 2009 में शेख हसीना फिर से सत्ता-नशीं हो गई और निरंतर 15 वर्षों तक बांग्लादेश की राजसत्ता को बखूबी संभालती रही। एशिया में बेहद गरीब मुल्कों में शामिल रहे बांग्लादेश को आर्थिक तरक्की के मार्ग पर अग्रसर कराने में शेख हसीना का बड़ा शानदार किरदार रहा। शेख हसीना की क़यादत में एशिया के पटल पर बांग्लादेश सबसे अधिक आर्थिक कामयाबी हासिल करने वाले मुल्कों में से एक बन गया। यहां तक कि बांग्लादेश को अगला एशियन टाइगर कहकर संबोधित किया जाने लगा। जटिल सवाल है कि आर्थिक मोर्चे पर इतना शानदार और बेहतरीन प्रदर्शन अंजाम देने के बावजूद शेख हसीना की हुकूमत के प्रति लोगों में इतना अधिक आक्रोश क्यों व्याप्त हो गया। संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक काउंसिल के मुताबिक तकरीबन तीन करोड़ बांग्लादेशियों को घनघोर गरीबी की दलदल से बाहर निकला गया। तकरीबन 18 करोड़ की आबादी वाले बांग्लादेश में लगभग दो करोड़ बेरोजगार नौजवान वस्तुतः शेख हसीना हुकूमत के लिए एक प्रबल चुनौती बनकर उभरे। इस्लामी कट्टरपंथियों और बेरोजगार नौजवानों ने एक साथ मिलकर बांग्लादेश की शेख हसीना हुकूमत पर कहर बरपा कर दिया। इस्लामी कट्टरपंथी तंजीम जमात-ए-इस्लामी ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौर में भी तकरीबन 30 लाख बंगालियों का वहशियाना नरसंहार करने वाली पाक फौज का धर्मान्ध समर्थन किया था। शेख हसीना ने अपने शासनकाल में जमात-ए-इस्लामी के उन तमाम सरगनाओं को सजा-ए-मौत दिलवाई, जिन्होंने कि बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में पाक फौज की बांग्लादेशियों के नरसंहार में सक्रिय इमदाद की थी। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के महानायक शेख मुजीब उर रहमान और उनके परिवार का 15 अगस्त 1975 को नृशंस कत्ल कर दिया गया।

साजिश में जमात-ए-इस्लामी का हाथ

कत्ल ओ गारद की साजिश में शामिल रहे फौजी हुक्मरानों के साथ इस्लामी कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी का भी सक्रिय किरदार रहा था। सौभाग्य से शेख हसीना और उनकी छोटी बहन शेख रेहाना इस वहशियाना कत्ल ओ गारद से बच गई थीं, क्योंकि वे बांग्लादेश से बाहर जर्मनी में अध्यनरत थीं। सन् 1981 में इंदिरा गांधी द्वारा शेख हसीना को भारत में राजनीतिक शरण प्रदान की गई और वह एक लंबे वक्त तक भारत में निवास करती रहीं। शेख हसीना ने आखिरकार बांग्लादेश में वापस जाकर अपने पिता शेख मुजीबुर रहमान द्वारा स्थापित अवामी लीग पार्टी के नेतृत्व को बहुत कामयाबी और कुशलता के साथ संभाल लिया। बांग्लादेश में हुकूमत में प्रधानमंत्री रही बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की लीडर खालिदा जिया को चुनाव में परास्त करके शेख हसीना ने 1996 में पहली दफा बांग्लादेश की सत्ता को संभाला था। सन 1971 के बाद बांग्लादेश की हुकूमत आवामी लीग, बांग्लादेश के मुख्तलिफ सैन्य जनरलों और बंगाल नेशनलिस्ट पार्टी के मध्य झूमती और झूलती रही है।

बांग्लादेश के सैन्य जनरलों को भी सत्ता की ललक

बांग्लादेश के सैन्य जनरलों को भी पाकिस्तान की तर्ज पर हुकूमत करने की ललक लगी रहती है। शेख मुजीब उर रहमान के कत्ल के बाद सेना के कमांडर इन चीफ जनरल जिया उर रहमान 1975 से 1981 तक बांग्लादेश में सत्तानशीं रहे। सन् 1981 में जनरल जिया उर रहमान का कत्ल कर दिया गया था। सैन्य तख्तापलट के बाद 1982 में जनरल मोहम्मद इरशाद ने बांग्लादेश पर सैन्य हुकूमत की, जो कि 1990 तक कायम बनी रही। 1990 में बांग्लादेश ने एक बार फिर से जम्हूरियत की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए थे। जनरल जिया उर रहमान के कत्ल के बाद उनकी बेगम खालिदा जिया ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी का गठन किया और जमात-ए-इस्लामी ने बांग्लादेश और अन्य इस्लामी पार्टियों के साथ मिलकर एक संयुक्त मोर्चा कायम किया। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की लीडर खालिदा जिया जमात-ए-इस्लामी के समर्थन से सन् 1991 में पहली दफा बांग्लादेश हुकूमत की प्रधानमंत्री बनी। 1996 में बांग्लादेश की कट्टरपंथी ताकतों को पहली दफा शिकस्त देते हुए शेख हसीना ने बांग्लादेश की हुकूमत संभाली, जोकि 2001 तक कायम रही। 2001 में खालिदा जिया की बीएनपी फिर हुकूमत में आई और हुकूमत 2006 तक कायम रही। 2006 से 2008 तक बांग्लादेश में अंतरिम सरकार स्थापित की गई। 2009 से 5 अगस्त 2024 तक शेख हसीना ने निरंतर 15 वर्ष तक बांग्लादेश पर शासन किया। 1971 में बांग्लादेश के निर्माण के तत्पश्चात इसका राजनीतिक इतिहास वस्तुतः धर्मनिरपेक्ष जनतांत्रिक शक्तियों और इस्लामी कट्टरपंथियों के मध्य जबरदस्त टकराव का इतिहास रहा है। इस तमाम दौर में बांग्लादेश में कभी धर्मनिरपेक्ष जनतांत्रिक शक्तियां फतेहयाब होती हैं और कभी कट्टरपंथी धर्मान्ध ताकतें सत्तानशीन होती रही हैं।

पूर्वी फ्रंट पर अब सुरक्षा भारत की नई चुनौती

शेख हसीना के संपूर्ण शासनकाल के दौर में बांग्लादेश और भारत के मध्य शानदार दोस्ती कायम रही। भारत के पूर्वोत्तर प्रदेशों में सक्रिय अलगाववादी आतंकवादियों को खालिदा जिया के शासनकाल में बांग्लादेश में बाकायदा शरण प्रदान की गई थी। शेख हसीना के कार्यकाल में सभी आतंकवादी गुटों का भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बांग्लादेश हुकूमत की मदद से संपूर्ण सफाया अंजाम दिया गया। खालिदा जिया के शासनकाल में बांग्लादेश में रहने वाले हिंदूओं पर बर्बर आक्रमण किए जाते रहे और उनको दरबदर किया जाता रहा। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में कुल आबादी का लगभग आठ फीसदी अर्थात तकरीबन एक करोड़ हिंदू निवास करते हैं। दुर्भाग्य से आजकल फिर से बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के कट्टरपंथियों की गिरफ्त में आ गया है और तकरीबन 45 जिलों में निवास करने वाले हिंदुओं पर जेहादी आतंकवादी निरंतर आक्रमण अंजाम दे रहे हैं। बांग्लादेश में घटित हुए सत्ता परिवर्तन पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में एक बयान देकर बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की सुरक्षा के प्रति चिंता अभिव्यक्त की। भारत के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय है कि पूर्वोत्तर में प्रायः निष्क्रिय हो चुके अलगाववादी आतंकवादी गुट फिर से बांग्लादेश के हुक्मरानों की शह पाकर पुनः सक्रिय हो सकते हैं। बांग्लादेश में सेना की कयादत में नई हुकूमत का सृजन हो चुका है। ग्रामीण बैंक के अधिष्ठाता और नोबेल प्राइज विजेता मोहम्मद यूनुस हुकूमत में मुख्य भूमिका में आ गए हैं। खालिदा जिया को जेल से रिहा कर दिया गया है। खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के संगीन इल्जाम के तहत 2017 में आजीवन कारावास की सजा अदालत द्वारा सुनाई गई थी। बांग्लादेश में हुकूमत की वास्तविक बागडोर तो सेना के हाथ में है। बांग्लादेश में कब नए चुनाव आयोजित कराए जाएंगे, यह कहना अभी बहुत मुश्किल है। बांग्लादेश के संविधान के मुताबिक, 90 दिनों में चुनाव कराए जाने चाहिए। भारत केवल यही उम्मीद कर सकता है कि बांग्लादेश में अंततः धर्मनिरपेक्ष शक्तियों को विजय हासिल होगी और कट्टरपंथी ताकतें परास्त हो जाएंगी।

कितनी बार अपने ही संस्थापक का अपमान

बांग्लादेश
आर.के. सिन्हा
वरिष्ठ स्तंभकार और पूर्व सांसद

शेख हसीना का इस्तीफा बांग्लादेश के लिए एक दुखद अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। उतनी ही दुखद वे तमाम छवियां हैं, जिन्हें आज सारी दुनिया टेलीविजन पर देख रही है। इनमें सैकड़ों लोग बांग्लादेश के संस्थापक और शेख हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान की मूरत पर चढ़कर उसे हथौड़े मारकर तोड़ रहे हैं। जिस बंगबंधु की कुर्बानियों के चलते बांग्लादेश का 1971 में स्वतंत्रता संग्राम के बाद जन्म हुआ था, उनकी तस्वीरों और मूरत को फाड़ा और तोड़ा जा रहा है। और पूरी दुनिया इसे देख रही है। मैं तो उन चन्द युद्ध संवाददाताओं में एक था जिसने बांग्लादेश के 'राष्ट्रपिता' कहे जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम के नेता शेख़ मुजीब के पराक्रम, चमत्कार और करिश्माई नेतृत्व को मुक्ति वाहिनी के संघर्ष से लेकर भारत-पाक के युद्ध के बाद बांग्लादेश की स्वतंत्रता तक नज़दीकी से देखा है।

फिर यह भी देखा है कि 1975 में किस तरह उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों (विदेश में रह रही हसीना बच गई थीं) की क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। अब उनकी बेटी और बांग्लादेश को प्रगति के रास्ते पर लेकर जाने वाली शेख हसीना को भी निर्वाचित प्रधानमंत्री पद छोड़ने के लिए भी मजबूर होना पड़ा। उन्हें देश छोड़ने के लिए मात्र 45 मिनट का अल्टीमेटम दिया गया था, जिसके बाद देश फिर से सेना के पूर्ण नियंत्रण में आ गया है। सेना प्रमुख, जनरल वाकर-उज-जमान, जो इस साल 23 जून से पद पर हैं, ने एक 'अंतरिम सरकार'का वादा किया है। लेकिन, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि आदेश कौन देगा। उन्होंने विपक्षी दलों से बात की है।

कट्टरपंथ आतंकवाद का केंद्र

उन्होंने शेख हसीना की राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया को रिहा कर दिया है। खालिदा जिया के प्रधानमंत्रित्व काल में बांग्लादेश इस्लामी आतंकवाद का केंद्र बन गया था। खालिदा जिया घनघोर भारत विरोधी रहीं हैं। जिया की रिहाई से भारत की विदेश नीति को तय करने वाले चिंतित जरूर होंगे। खालिदा जिया जब अपने देश की प्रधानमंत्री थीं तब वहां टाटा ग्रुप की इनवेस्टमेंट करने की योजना का कसकर विरोध हुआ था। टाटा ग्रुप को ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा बताने वाले भूल गए थे कि टाटा ग्रुप भारत से बाहर दर्जनों देशों में स्वच्छ, स्वस्थ और पारदर्शिता पूर्ण कारोबार करता है। वहां पर तो उस पर कभी कोई आरोप नहीं लगाता। शेख हसीना सरकार का तख्ता पलटने के साथ ही वहां जमाते इस्लामी और भारत विरोधी ताकतें हिन्दुओं और प्राचीन हिन्दू मंदिरों पर हमला करने लगी हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले शेख हसीना के दौर में कमोबेश खत्म हो गए थे। वहां पर अब तो धर्मनिरपेक्ष ताकतों के लिए स्पेस जीवन के सभी क्षेत्रों में घट रहा है। बांग्लादेश में कठमुल्ले कट्टर इस्लामिक हिन्दुओं की जान के पीछे पड़े हुए हैं। जबकि बांग्लादेश में सदियों से बसे हिन्दुओं ने बंग बंधु के नेतृत्व में बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था।

राजधानी दिल्ली में निर्वासित जीवन जी रही तस्लीमा नसरीन ने अपने उपन्यास 'लज्जा' में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की दर्दनाक स्थिति पर विस्तार से लिखा है । इसलिए ही उनकी जान के

भी दुश्मन हो गए थे कठमुल्ले। उसी विरोध के कारण तसलीमा को भी अंततः अपनी मातृभूमि बांग्लादेश को सदा के लिए छोड़ना पड़ा था। लज्जा के आने के बाद कट्टरपंथियों ने उनके खिलाफ फतवा जारी किया था। जिस कारण से वह अमेरिका चली गईं थीं। वह 2004 में कोलकाता आ गईं थीं। उन पर 2007 में हैदराबाद में भारत के कठमुल्लों ने हमला भी किया पर वे बाल-बाल बच गईं।

हिन्दुओं पर सर्वाधिक जुल्म

बांग्लादेश में जेसोर, देबीगंज, राजशाही, शांतिपुर, प्रोधनपारा और आलमनगर में हिन्दुओं पर सर्वाधिक जुल्मों-सितम होते रहे हैं। जब 1947 में भारत का बंटवारा हुआ था, उस समय पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में हिन्दू वहां की आबादी के 30 से 35 फीसदी के बीच थे। पर 2011 की जनगणना के बाद वहां हिन्दू देश की कुल आबादी का मात्र 8 फीसदी ही रह गए हैं। शेख हसीना के दौर से पहले बांग्लादेश में शायद ही ऐसा कोई दिन बीतता हो, जब किसी हिन्दू महिला के साथ कट्टरवादी बदतमीजी न करते हों। कोई महिला कट्टरवादियों का विरोध करती, तो उसे निर्ममतापूर्वक मौत के घाट उतार दिया जाता। बांग्लादेश में हिन्दू महिलाएं हमेशा ही कट्टरपंथियों के निशाने पर रही हैं। राह चलती किसी लड़की को सरेआम उठाकर कहा जाता है कि उसने इस्लाम कबूल कर लिया है और उसका जबरन निकाह किसी मुस्लिम से कर दिया जाता है। इसलिए दोनों देशों के हिन्दू भारत आना चाहते हैं। यही वजह है कि कुछ लोग सवाल उठाने लगे हैं कि क्या कुछ साल बाद पाकिस्तान और बांग्लादेश हिन्दू-विहीन हो जाएंगे? क्या बांग्लादेश में हिन्दुओं के उत्पीड़न की खबरें उन भारतीय सेकुलरवादियों तक नहीं पहुंचती हैं, जो हमास के किसी आतंकी को मारे जाने पर इजराइल को पानी पी-पीकर कोसते हैं?

फिर से आतंकवादियों का केंद्र

बहरहाल, एक बात तो माननी ही होगी कि शेख हसीना ने भारत के पूर्वोत्तर को सुरक्षित बनाने में बहुत योगदान दिया था। उन्होंने अपने देश के कठमुल्लों को कभी भारत के पूर्वोत्तर भागों में अपना खेल खेलने की इजाजत नहीं दी। क्या अब यह क्षेत्र फिर से आतंकवादियों का केंद्र बन जाएगा? शेख हसीना 2009 से सत्ता में थीं और दुनिया की सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली नेता रहीं। लेकिन, वे उन चेतावनियों को पढ़ने में विफल रहीं जो एक सामाजिक-आर्थिक और संभावित रूप से भावनात्मक मुद्दे पर विरोध प्रदर्शनों के साथ आई थीं। हाल के आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के स्वतंत्रता सेनानियों के लिए आरक्षित नौकरी कोटे को समाप्त करने की थी, जिसे उनके बच्चों और यहां तक कि पोते-पोतियों तक बढ़ा दिया गया था। नौकरी कोटा उन लोगों को नुकसान पहुंचा रहा था, जिन्हें इसका लाभ नहीं हुआ था और आर्थिक संकट के बीच शेख हसीना के विरोधियों के लिए यह काम आया। शेख हसीना ने पहले उन्हें 'रजाकार' (स्वतंत्रता संग्राम के पाकिस्तान समर्थक विरोधी) कहा, और फिर उन्हें 'आतंकवादी' कहा।

अब अमन की उम्मीद कम

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कोटे को न्यूनतम तक कम कर दिया था। इससे उम्मीद बनी थी कि अब बांग्लादेश फिर से अमन की तरफ लौट जाएगा। लेकिन, यह उम्मीद गलत साबित हुई। विरोध प्रदर्शनों के दौरान बल प्रयोग ने जनता के गुस्से को और बढ़ा दिया था। खैर, बांग्लादेश अब तो एक गहरे संकट में जा चुका है। अब इस बात की उम्मीद कम ही है कि वहां पर जिंदगी निकट भविष्य में पटरी पर लौट पाएगी। जो देश अपने संस्थापक का अपमान करता हो, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर निरंतर हमले

शोध
रिचर्ड बेंकिन
अनुवाद : शंकर शरण

बांग्लादेश (पूर्वी बंगाल) में हिन्दुओं का सामूहिक, पर धीमा सफाया तब से चल रहा है जब बराक ओबामा स्कूल में पढ़ते थे। ईरान में शाह का सेक्यूलर शासन था। भारत में इंदिरा गाँधी का शासन था। अमेरिका वियतनाम युद्ध लड़ रहा था। सोवियत यूनियन में लियोनिद ब्रेझनेव की सत्ता थी। कोई इंटरनेट या मोबाइल फोन नहीं था। सो, इतने लंबे समय से पूरी दुनिया बंगलादेश के हिन्दुओं का क्रमशः खत्मा होने दे रही है। कानूनी और गैर-कानूनी दोनों तरीकों से खात्मा हो रहा है। इस पर एक ऊँगली तक नहीं उठाई गई। उलटे बंगलादेश को एक गरीब, छोटा देश मानकर उसे तरह-तरह की सहायता दी जाती रही है।

बंगलादेश में हिन्दू संहार की प्रक्रिया पूरी तरह छिपी हुई कभी नहीं रही थी। जैसे कि हिटलरी नाजीवाद की गतिविधियाँ भी पूरी तरह छिपी नहीं थीं। बंगलादेश में उस से भी बड़ी भयावह ताकत सक्रिय है, जो बंगलादेश के हिन्दुओं के सफाए के बाद भारत, यूरोप, अमेरिका पर भी नजर गड़ाए हुए है। उन संगठनों, संस्थाओं, और मतवाद का अध्ययन-परख करने वाला इसे सहज जान सकता है। बंगलादेश के बड़े राजनीतिक दल, जमात-ए-इस्लामी, खलीफत मजलिस, आदि संगठनों की घोषणाओं में भी सारी बातें हैं। वे पूरी धरती पर कुरान व शरीयत का शासन कायम करने, दारुल-इस्लाम बनाने के घोषित दावे के साथ चल रहे हैं। उन दावों का उन की गतिविधियों से मिलान करते ही गंभीरता और अब तक की सफलता भी साफ झलकती है।बंगलादेश में इस्लामियों की क्षमता और अब तक के शिकारों की मात्रा देखते हुए यह हिटलरी नाजीवाद से कई गुना भयावह है। इसलिए और भी क्योंकि उन्हें रोकने, चिन्हित करने के बजाए 'सेक्यूलरिज्म', और 'मल्टीकल्चरिज्म' इस्लामी संगठनों को उलटे एक समर्थन की छाया देता है। इनके विचारों, कामों की जाँच-परख के बजाए उन्हें तह देने की नीति पूरे लोकतांत्रिक विश्व में है।

सबको अपने 'रिलीजन का पालन' करने की स्वतंत्रता की आड़ में इस्लामी राजनीतिक गतिविधियों से आँखें मूँद ली जाती हैं। इसके पीछे के अज्ञान, आरामपसंदगी, व कायरता का इस्लामी संगठन भरपूर दोहन कर रहे हैं। यदि यह प्रक्रिया नहीं रोकी गई, तो यह अंततः निस्संदेह वहीं पहुँचेगी जो तमाम इस्लाम जमातों का दावा है। यह प्रक्रिया कई गुणा विशाल, प्रभावी व 'अंडर द रडार' चल रही है। लोकतांत्रिक विश्व अपने ही बनाए भ्रामक शब्दजाल से उन्हें चाहे अनचाहे सहायता दे रहा है।

बंगलादेश में यातना-शिविर नहीं हैं, इससे वहाँ हिन्दुओं के लिए भयावहता कम नहीं हो जाती। बल्कि बढ़ जाती है, क्योंकि उस पर ध्यान ही नहीं जाता। बड़े-बड़े मानवाधिकार संगठन प्रायः बंगलादेश के हिन्दुओं के उत्पीड़न का उल्लेख तक नहीं करते! जबकि बंगलादेश में सरकार, मजहब, और आम मुस्लिम समाज, तीनों मिल कर हिन्दुओं का शनैः शनैः सफाया कर रहे हैं। कम से कम तीन कानूनी प्रावधान हिन्दुओं के विरुद्ध हैं। हिन्दू अपना धन बाहर नहीं भेज सकते; 'भेस्टेड प्रॉपर्टी एक्ट'; और इस्लाम का स्टेट रिलीजन होना। राजकीय धन, सहायता केवल

इस्लामी संस्थानों को मिलती है। हिन्दुओं पर अत्याचार करने वाले इस्लामियों, अपराधियों पर प्रायः कानूनी कार्रवाई नहीं होती। इस प्रकार, बंगलादेश क्षेत्र में 1951 ई. से निरंतर और बहुमुखी उत्पीड़न से हिन्दुओं की संख्या 33 % से घटकर अब 8 % रह गई है। वहाँ की हिन्दू आबादी कम हो रही है। यह लफ्फाजी नहीं, बल्कि ऐसा तथ्य है जिसे कितनी भी बार दुहराना कम होगा। तुलना के लिए ध्यान दें कि 1951 ई. में पूरे पाकिस्तान में हिन्दू आबादी 23 % थी, जो आज पाकिस्तान में 1 % से भी कम रह गई है। दोनों क्षेत्रों में एक ही प्रक्रिया से, एक विशेष समूह खत्म हुआ है। वो इसलिए क्योंकि भारत और पश्चिमी विश्व, दोनों ने इसे चुपचाप देखा। किसी ने कुछ नहीं किया।

फलतः अब तक बंगलादेश में 4 करोड़ 90 लाख हिन्दुओं का संहार या जबरन धर्मांतरण हो चुका है। बंगलादेश में कोई 'हिन्दू समस्या' करके कोई चीज नहीं रही, जैसे जर्मनी में 'यहूदी समस्या' करके चर्चा होती थी। बंगलादेश के नेता खुलकर 'हिन्दुओं से मुक्त बंगलादेश' जैसी घोषणाएं नहीं करते; न ही बंगलादेश सरकार हिन्दुओं के खात्मे की योजनाएं चलाती है। बंगलादेश में हिन्दू व्यक्ति सरकार, मीडिया, उद्योग आदि में बड़े पदों पर काम करते भी मिलते हैं। बंगलादेश में हिन्दू को इस्लाम में धर्मांतरित कराना, उनकी लड़कियों का अपहरण कर मुस्लिम युवक से निकाह कराना भी हिन्दू सफाए की एक तकनीक है।

वस्तुतः नाजीवाद की तुलना में जिहाद कई गुने अधिक मारक साबित होता है। गत चार दशकों में भारत की सीमा बिना किसी युद्ध के एक सौ कि.मी. पीछे आ चुकी है। बंगलादेश के मुस्लिमों द्वारा क्रमशः कब्जे द्वारा। कम से कम एक बार, 1971 ई. में बंगलादेश (पूर्वी पाकिस्तान) में बीस-पचीस लाख हिन्दुओं को मार डाला गया था। तब अंतर्राष्ट्रीय मीडिया और विदेशी राजदूतों ने स्पष्ट पाया था कि मुख्य निशाना मुख्यतः हिन्दू थे। पुलित्जर पुरस्कार विजेता, प्रसिद्ध पत्रकार सिडनी शॉनबर्ग ने 1971 ई. में पूर्वी पाकिस्तान (बंगलादेश) में न्यूयॉर्क टाइम्स के संवाददाता थे। उनके अनुसार, पाकिस्तानी फौज ने हिन्दुओं को चुन-चुन कर सामूहिक निशाना बनाया। हिन्दू घरों, दुकानों, आदि को पीले रंग से 'H' चिन्हित कर दिया जाता था। शॉनबर्ग को लोगों ने बताया कि फौजी गाड़ी आती थी और चिल्लाते हुए पूछती थी,'यहाँ कोई हिन्दू है'? जब उत्तर हाँ में मिलता तो उन्हें मार डाला जाता। उस समय के ऐसे विवरण और रिपोर्टें पढ़कर, तथा आज हो रही घटनाओं से मिलान कर कहना असंभव है कि वह प्रक्रिया खत्म हो गई है। ढाका में कुछ वर्ष पहले एक बेकरी पर आइसिस का हमला हू-ब-हू उसी तरह का संहार था जिसमें गैर-मुस्लिमों को अलग कर, पहचान कर मार डाला गया।

बंगलादेश में हिन्दू संहार के मामलों में पूरी प्रक्रिया तीन कर्तव्य बिन्दु रेखांकित करती है। पहला, शुरू से दिख रहे संकेत पहचानना; दूसरा, अपने सिवा दूसरे लोगों की हालत समझना; और तीसरा, उस पर कुछ करना। हिन्दू लोग नियमित रूप से मारे, रेप किए, और अपने पूर्वजों की भूमि से बेदखल किए जा रहे हैं। वह भी बांग्लादेश जैसे कमजोर देश में। यह कोई ईरान या चीन नहीं है, जिससे उलझने में पश्चिमी देशों को सोचना पड़े। पर उलटे 'इस्लामोफोबिया' की दलील आती है। जिसे महत्व देकर पीड़ितों के बजाए अभियुक्तों को नियमित मंच और प्रचार दिया जाता है। इस प्रकार, संहार का कारण कट्टरपंथ है। केवल 60 वर्ष में पाकिस्तान और बंगलादेश में हिन्दुओं की आबादी 23 % और 33% से गिर कर क्रमशः 1 % और 8 % (कश्मीर में लगभग 5 % से 0 %) हो जाने का तथ्य भी इस दलील का खोखलापन दिखाता है। यदि कोई देख कर भी अनदेखा करना न चाहे, तो क्या कहा जा सकता है।

(यह लेख शोध पुस्तक 'इस्लाम और कम्युनिज्मः तीन चेतावनियाँ' पर आधारित है। इसके लेखक बिल वार्नर, रिचर्ड बेंकिन, सोल्झिनित्सिन हैं। इसका संकलन व हिंदी अनुवाद शंकर शरण ने किया है।)

AMITY UNIVERSITY CHHATTISGARH

AMITY RAIPUR

RAISE YOUR LEVEL OF SUCCESS

TOP PLACEMENT COMPANIES AT A GLANCE

pwc, Nestlé, adani, airtel, Human Resocia, ICICI Bank, amazon, Tommy Hilfiger, Samsung, Flipkart, jaro education, IndusInd Bank, tcs, Prestige, Crompton, wakefit, Capgemini, ZS, Yamaha, Uno Minda, Axis Bank, Royal Enfield, HDFC Bank, accenture, Tech Mahindra, Renault, Network 18, Mirchi

- FOREIGN COUNTRY PLACEMENTS IN TOP CORPORATES
- COMPANIES VISITED 2024: **182**

UNIQUE PLACEMENT INITIATIVES BY CORPORATE RESOURCE CENTRE

Highest CTC (2024): **₹18.7 LPA**

Placement offered by: **Human Resocia**

Student Committee on Placements (SCOP) to facilitate campus placements

Unique 3-tier mentorship by a corporate leader, alumni & faculty for enhanced career guidance

Employability Skill Building Workshops (ESBW); ICT enabled PPM: Pre-Placement Mock sessions; Student Centric PMM: Profile Mapping Matrix

Behavioural science modules and language proficiency programs

Involvement of industry professionals as panelists in admission interviews

Career networking opportunities with 700,000+ well-heeled alumni

Triple C model - Corporate Counselling Club

2024 ADMISSIONS OPEN IN 55+ PROGRAMMES

- ARCHITECTURE
- BIOTECHNOLOGY
- COMMERCE
- COMPUTER Sc./ IT
- ECONOMICS
- ENGLISH LITERATURE
- ENGINEERING (Multiple specialisations offered)
- FASHION DESIGN
- HOSPITAL & HEALTHCARE MGMT.
- INTERIOR DESIGN
- LAW
- MANAGEMENT
- MEDIA & COMMUNICATION
- PHARMACY
- PSYCHOLOGY
- ROBOTICS & AUTOMATION
- URBAN PLANNING

Ph.D programmes also available

AN ECOSYSTEM DESIGNED FOR SUCCESS

- 225+ Distinguished faculty, scientists and staff
- Faculty have filed 73 patents, and published 1,020 books/research papers
- CEO Dinner Series, Industry Mentorship & Conversation Programs
- 50+ Hi-tech labs & learning studios
- 11 Start-ups incubated by campus incubator, including 9 by students
- For higher international education progression, students selected at prestigious universities globally
- Tie-ups for skills development with IBM, Oracle, Sun Microsystems...
- 6 Centres of Excellence for IPR, Robotic Process Automation (RPA), Ayurveda, Gender Studies, Tribal Development, Climate, Energy & Environment...
- Experiential learning through live projects, industrial visits etc.
- Market driven curricula designed in consultation with Industry Advisory Boards

AMITY MERIT SCHOLARSHIPS

UG		PG	
Scholarship	10+2	10+2	Grad.
100%	93%	93%	80%
50%	88%	88%	75%
25%	70%	-	-

MBA		
Scholarship	Percentile/ (CAT / MAT)	Score GMAT/ GRE
100%	90	650/161
50%	85	600/157
25%	75	450/149

LAST DATE TO APPLY

24th August 2024

AT

www.amity.edu/raipur

HELPLINE : 7303-396-666

AMITY UNIVERSITY CHHATTISGARH, MANTH (KHARORA), RAIPUR | **E:** admissions@rpr.amity.edu

अनंतनाग जिले के अहलान गडोले में मुठभेड़

कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में दो जवान शहीद, तीन घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अनंतनाग जिले में शनिवार को आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में दो जवान शहीद हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ आज दोपहर अनंतनाग जिले के अहलान गडोले में शुरू हुई। उन्होंने बताया कि आतंकियों ने एक गश्ती दल को निशाना बनाया. मुठभेड़ में तीन लोग घायल भी हुए हैं, इनमें एक सैनिक और दो आम नागरिक हैं।

कोकेरनाग सब डिविजन के जंगल में गश्ती दल आतंकवाद विरोधी अभियान चला रहा था. सेना की स्पेशल फोर्सेज और पैराट्रूपर्स भी विदेशी आतंकवादियों की तलाश के लिए चलाए जा रहे इस अभियान का हिस्सा हैं। भारतीय सेना की चिनार कोर ने एक एक्स पोस्ट में कहा, ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों की हताशा में अंधाधुंध और लापरवाही से गोलीबारी के कारण दो नागरिकों के घायल होने की सूचना है. उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई और बाहर निकाला गया है। ऑपरेशन जारी है।

कठुआ के आरोपियों के स्केच जारी

वहीं जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस ने 04 आतंकवादियों के स्केच जारी किए, जिन्हें आखिरी बार बानी, मल्हार और सियोजधार के ढोक्स इलाकों में देखा गया था। अब जिला पुलिस कठुआ आतंकियों की पहचान और उनका पता लगाने के लिए जनता से मदद मांग रही है। पुलिस ने आतंकियों के लिए 20 लाख रुपए का इनाम भी रखा है।
पुलिस की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, आतंकवादियों की मौजूदगी का इनपुट मिला था। सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर जिले के कोकरनाग इलाके के अहलान गडोले में घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया।

साल भर पहले भी हुई थी मुठभेड़

यह गोलीबारी पिछले एक साल में कोकेरनाग में दूसरी बड़ी मुठभेड़ है। सितंबर 2023 में कोकेरनाग के जंगल में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान अपनी जान गंवाने वालों में एक कमांडिंग ऑफिसर, एक मेजर और एक डीएसपी शामिल थे।

बताया जा रहा है कि अहलान गडोले के जंगलों में छिपे आतंकवादियों की तलाश में इस इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा गया है।

हर आतंकवादी पर 5 लाख रुपये का इनाम

: जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस ने 04 आतंकवादियों के स्केच जारी किए। अब जिला पुलिस कठुआ आतंकियों की पहचान और उनका पता लगाने पोस्टर जारी कर चस्पा किए हैं। प्रत्येक आतंकवादी को पकड़ने या उसकी पहचान करने के लिए कोई भी कार्रवाई योग्य जानकारी देने पर 5 लाख का इनाम दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, विश्वसनीय जानकारी प्रदान करने वाले व्यक्तियों को भी उचित पुरस्कार दिया जाएगा।

पुलिस ने एक्स पर लिखी पोस्ट

पुलिस ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि, 'कठुआ पुलिस ने 04 आतंकवादियों के स्केच जारी किए, जिन्हें आखिरी बार मल्हार, बानी और सियोजधार के ढोक में देखा गया था। कार्रवाई योग्य जानकारी के लिए प्रत्येक आतंकवादी पर 05 लाख का इनाम रखा गया है। आतंकवादियों की विश्वसनीय जानकारी देने वाले को भी उचित पुरस्कार दिया जाएगा। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

एससी, एसटी रिजर्वेशन में क्रीमी लेयर नहीं होगा लागू, 64 नए रेलवे स्टेशन बनेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मोदी कैबिनेट ने कई अहम फैसले लिए हैं। सरकार ने 64 नए रेलवे स्टेशनों के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत तीन करोड़ नए घरों बनाने के प्रोजेक्ट को भी अप्रूवल दे दिया गया है। रेल मंत्री अश्विवी वैष्णव ने सरकार के इन फैसलों की जानकारी दी। वैष्णव ने कहा कि इन परियोजनाओं से देश के अलग-अलग हिस्सों में विकास को बढ़ावा मिलेगा। आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इन सभी फैसलों का मकसद देश के विकास को गति देना और लोगों की जीवनशैली में सुधार करना है।

- मोदी कैबिनेट ढकी बैठक में लिए गए बड़े फैसले, तीन करोड़ नए घर बनेंगे

एससी, एसटी रिजर्वेशन में क्रीमी लेयर नहीं होगा लागू
मोदी सरकार ने नुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में क्रीमी लेयर लागू नहीं करने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को एससी, एसटी समुदाय के सांसदों से यह बात कही। यह सभी सांसद पीएम मोदी से मिलने पहुंचे थे। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने ने 1 अगस्त को अपने 20 साल पुराने फैसले को पलटते हुए कहा कि अब राज्य सरकारें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण में उप-कोटा बना सकेंगी। इसके बाद से ही इसे लेकर चिंता जाहिर की जा रही थी

14 जिलों को मिलेगी बेहतर रेल कनेक्टिविटी

कैबिनेट ने 8 नई रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिन पर लगभग 24,657 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इन परियोजनाओं के तहत 64 नए स्टेशन बनाए जाएंगे, जो 7 राज्यों के 14 जिलों को कवर करेंगे। यह परियोजना 2030-2031 तक पूरी होने की उम्मीद है। इन स्टेशनों के बनने से 510 गांवों और लगभग 40 लाख लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

3.60 लाख करोड़ से बनेंगे तीन करोड़ घर

मोदी कैबिनेट ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत तीन करोड़ नए घरों के निर्माण की मंजूरी दी है। इस योजना पर कुल 3.60 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे। इनमें से 2 करोड़ घर ग्रामीण क्षेत्रों में और 1 करोड़ घर शहरी क्षेत्रों में बनाए जाएंगे। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग के परिवारों को सस्ती कीमतों पर घर उपलब्ध कराना है।

1766 करोड़ क्लीन प्लांट प्रोग्राम को मंजूरी

कृषि क्षेत्र में सुधार और उत्पादकता बढ़ाने के लिए मोदी सरकार ने 1766 करोड़ रुपये की लागत से क्लीन प्लांट प्रोग्राम को मंजूरी दी है। इस प्रोग्राम के तहत नौ संस्थान मिलकर बागवानी उत्पादों के उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने का काम करेंगे। इस योजना का मुख्य उद्देश्य फसल की गुणवत्ता में सुधार लाना और निर्यात बढ़ाना है। एग्री प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट अब 50 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

एथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम का विस्तार

मोदी कैबिनेट ने एथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम के विस्तार को भी मंजूरी दी है। इस योजना के तहत 1969 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा को बढ़ाना है, जिससे तेल आयात पर निर्भरता कम हो सके। 10 साल पहले जहां एथेनॉल की मात्रा 1.5% थी, वहीं अब इसे बढ़ाकर 16% कर दिया गया है।

जैकेट के शेष

लोरमी के 7 .....

और सिंह है। इसकी चर्चा पूरे प्रदेश में है लेकिन जांच के नाम पर सिर्फ कागजी घोड़े दौड़ रहे हैं।
लोरमी ब्लाक के सारधा, लोरमी, सुकली, झाफल, फुलझर, विचारपुर, बोड़तरा गांव के लोगों के बने सभी दिव्यांग प्रमाण-पत्रों पर सवाल उठ रहे हैं। बात सामने आई है कि अकेले 53 लोग कृषि विभाग में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर पदस्थ हैं। वहीं तीन लोग कृषि शिक्षक के पद पर काबिज हैं। ध्यान रहे राज्य शासन की ओर से दिव्यांगों की विशेष भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। सबसे पहले ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पद के लिए भर्ती हुई। इसमें 50 ऐसे लोगों की नियुक्ति हुई है जिन्होंने श्रवण बाधित होने का विकलांगता प्रमाण पत्र पेश किया है। इसी तरह तीन कृषि शिक्षक के पद पद काम कर रहे हैं।
अधिकांश चयनित खास सरनेम के : 2016 और 2018 में हुई भर्ती की सूची का अवलोकन करने पर एक बात जो देखने में आ रही है कि अधिकांश चयनित उम्मीदवार राजपूत, सिंह और राठौर सरनेम के हैं। यह सभी बिलासपुर, मुंगेली और जांजगीर-चांपा जिले के निवासी हैं। अधिकांश फर्जी प्रमाण पत्र भी लोरमी और जांजगीर-चांपा जिले से बनाए गए हैं। छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ के मुताबिक अधिकांश प्रमाण पत्रों में बिलासपुर और मुंगेली में पदस्थ दो डाक्टरों के हस्ताक्षर से जारी हुए हैं। इनमें से एक डाक्टर बिलासपुर में स्वास्थ्य विभाग में महत्वपूर्ण पद पर पदस्थ हैं। संघ ने सभी विकलांग प्रमाण पत्रों की राज्य मेडिकल बोर्ड से जांच कराने की मांग की है।

2 से तीन लाख ....

कारण सरकारी नौकरी में वास्तविक दिव्यांग वंचित रह जाते हैं। छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ ने 200 लोगों के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन केवल 3 सरकारी कर्मचारियों का राज्य मेडिकल से परीक्षण हुआ है। जिसमें तीनों दिव्यांग फर्जी साबित हुए हैं। इस मामले में महासमुंद कृषि सहायक संचालक रिचा दुबे बर्खास्त हो चुकी हैं।

परिवार में सभी ....

पर नौकरी कर रहे हैं। वह इन कोचिंग सेंटर में अध्ययनरत छात्र छात्राओं का भी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाकर कृषि महाविद्यालयों में दिव्यांग सीट में प्रवेश दिलवाने की बात सामने आ रही है।

राशिफल

मेष – मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष – व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन – भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क – क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह – नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या – धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक – क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर – आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ – कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन – शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

सुप्रीम कोर्ट में ....

हमारे प्रधान न्यायाधीश ने कुछ मिनट पहले ही इस्तीफा दे दिया है। उनका त्यागपत्र कानून मंत्रालय को प्राप्त हो चुका है। नजरुल ने कहा कि त्यागपत्र राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को आवश्यक कदम उठाने के लिए बिना किसी देरी के भेजा जाएगा और उन्हें उम्मीद है कि यह प्रक्रिया बहुत जल्द पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा, हमें केवल प्रधान न्यायाधीश का त्यागपत्र मिला है। अन्य के (इस्तीफे) के बारे में कोई अद्यतन सूचना नहीं है। भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के समन्वयकों में से एक हसनत अब्दुल्ला ने सुबह 11 बजे प्रधान न्यायाधीश और अपीलीय डिवीजन के न्यायाधीशों के इस्तीफे की मांग करते हुए उन्हें इसके लिए दोपहर एक बजे तक का समय दिया था। इससे पहले, प्रधान न्यायाधीश हसन ने उच्चतम न्यायालय के दोनों डिविजन के सभी न्यायाधीशों के साथ पूर्ण न्यायालय की बैठक बुलाई थी। हालांकि, प्रदर्शनकारी छात्रों ने पूर्ण न्यायालय की बैठक बुलाने को 'न्यायिक तख्तापलट' के रूप में देखा और उच्च न्यायालय परिसर की घेराबंदी की घोषणा की। छात्रों के विरोध के मद्देनजर, प्रधान न्यायाधीश हसन ने बैठक स्थगित कर दी और बाद में कहा कि वह पद से इस्तीफा दे देंगे। सैकड़ों प्रदर्शनकारी छात्रों के एकत्र होने के कारण बांग्लादेशी सेना के जवानों को उच्चतम न्यायालय परिसर में तैनात किया गया। प्रधान न्यायाधीश ने उच्चतम न्यायालय परिसर में पत्रकारों को बताया कि उन्होंने बदलती परिस्थितियों के बीच देश भर में उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय और निचली अदालतों के न्यायाधीशों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस्तीफा देने का फैसला किया है।
उन्होंने कहा, इस्तीफे के लिए कुछ औपचारिकताएं हैं। उन्हें पूरा करके मैं आज शाम तक राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना इस्तीफा भेज दूंगा। यह पूछे जाने पर कि क्या उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायाधीश भी इस्तीफा देंगे, प्रधान न्यायाधीश ने कहा, यह उनका फैसला है। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत चली गई थीं। इसके बाद, 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली।

आईएएस अधिकारी सोमनाथन होंगे नए कैबिनेट सचिव, केंद्र सरकार ने जारी किए आदेश

नई दिल्ली। केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने शनिवार को एक आदेश जारी कर 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी टीवी सोमनाथन को नया कैबिनेट सचिव नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल 2 साल का होगा और वह 1982 बैच के अधिकारी राजीव गौबा की जगह लेंगे। उनका कार्यकाल 30 अगस्त, 2024 से शुरू होगा। कैबिनेट की नियुक्ति समिति के उनकी नियुक्ति को मंजूरी देने के बाद सरकार ने यह आदेश जारी किया है।

कौन है आईएएस अधिकारी सोमनाथन

1987 बैच के तमिलनाडु कैडर के आईएएस अधिकारी सोमनाथन ने तमिलनाडु सरकार में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

पेज एक के शेष

साहब... यह शहीदों की...

पैर। यह सब देखना दुखद है। वह भी तब जब देश कुछ दिन बाद ही स्वतंत्रता दिवस मनाने वाला है। यह हालात देखकर शहीद के परिजनों और ग्रामवासियों में निराशा और नाराजगी देखी जा रही है। साल में केवल दो बार राष्ट्रीय पर्व में शहीद स्मारकों पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि दे दी जाती है। आजादी का पर्व 15 अगस्त को 4 दिन बचे हैं लेकिन अभी तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ग्राम एर्राबोर जहां शहीद कई जवानों के स्मारक बनाए गए हैं वहां साफ-सफाई और रंगरोगन तक नहीं किया गया है। यहां रक्षा बंधन के दिन बहने आकर अपने शहीद भाईयों को याद कर राखी बांधती हैं। लेकिन शहीद स्मारकों को जस के तस हाल में छोड़ दिया गया है। कोण्टा नगर के बण्डा बेस कैंप में बने शहीद जवानों के स्मारक टूटे फूटे अपने हाल में हैं। वहीं ग्राम पंचायत एर्राबोर में उरपालमेटला मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों के स्मारकों का भी यही हाल है। इन दो राष्ट्रीय राजमार्ग के शहीद स्मारकों के अलावा अन्य कई गांव तथा अंदरूनी इलाकों में भी उन गांव के शहीदों की याद में परिजनों और ग्रामवासियों ने प्रतिमा स्थापित किए हैं लेकिन उनकी भी हालत रख-रखाव के अभाव में खस्ता होने लगी है।

नक्सली नेता पहुंचे...

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के स्वर्गीय पिता नंदकुमार बघेल के मानपुर निवासी सलाहकार इस समय संगीन मामलों में पुलिस के हिरासत में है। नक्सल विरोधी अभियान अंतर्गत पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव दीपक झा के निर्देशन एवं जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी पुलिस अधीक्षक वाय.पी. सिंह के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीतांबर पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डी.सी. पटेल के दिशानिर्देश में एसडीओपी मयंक तिवारी के द्वारा माओवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाही करने में सफलता हासिल की है। राजनांदगांव रेंज के आईजी दीपक झा, पुलिस कप्तान वायपी सिंह ने प्रेसवार्ता में बताया कि थाना मदनवाड़ा मानपुर अंतर्गत गिरफ्तार नक्सल सहयोगी सूरजू टेकाम के मामले के जांच के दौरान जानकारी मिली कि सुरजू टेकाम माओवादी संगठन के विचारधारा के प्रचार-प्रसार एवं शहरी नेटवर्क को आगे बढ़ाने के लिए लगातार शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर रहा था। भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी (माओवादी) संगठन द्वारा पर्दे के पीछे से प्रायोजित ऑपरेशन कगार, कार्पोरेटीकरण, सैनिकीकरण के विरोध में 23 मार्च 2024 को दिल्ली में कार्यक्रम था, जिसमें सम्मिलित होने के लिए सूरजू टेकाम, उसकी लड़की तथा बीजापुर जिले का निवासी नक्सली कैडर सोनाराम फरसा 22 मार्च को फ्लाइट से रायपुर से दिल्ली गए थे। दिल्ली जाने के लिए फ्लाइट की टिकट नक्सलियों के लेव्ही से प्राप्त रुपयों से सूरजू टेकाम उसकी बेटी एवं नक्सली सोनाराम फरसा के लिए बुक कराई गई थी। सोनाराम फरसा को माओवादियों के शीर्ष नेताओं ने सूरजू टेकाम से संपर्क करके दिल्ली जाने के लिए फ्लाइट टिकट एवं यात्रा खर्च के लिए नक्सलियों के लेव्ही से प्राप्त रुपए में से कुछ पैसे भेजने के साथ उसे भी साथ जाने के लिए कहा गया। तब सोनाराम फरसा ने ठेकेदार से प्राप्त नक्सलियों के लेव्ही रुपए को अपने खाते के माध्यम से सूरजू टेकाम के बताए बैंक खाते पर पैसे भेजा गया। सूरजू टेकाम ने उस अकाउंट से फ्लाइट टिकट बुक करने हेतु स्वर्गीय नंदकुमार बघेल के मानपुर मूल निवासी सलाहकार विवेक सिंह के अकाउंट में रुपए ट्रांसफर करवाते हुए दिल्ली हवाई यात्रा से आने जाने रहने खाने की व्यवस्था बनवाई गई।
इन पर ये आरोप : सूरजू राम टेकामः गिरफ्तार आरोपी सूरजू राम टेकाम ने नक्सलियों के लेवी से प्राप्त पैसे का उपयोग 23 मार्च 2024 को दिल्ली में एक नक्सली कार्यक्रम में शामिल होने के लिए फ्लाइट टिकट बुक करने में किया।
सोनाराम फरसा और विवेक सिंहः इन आरोपियों ने लेवी के पैसे को फ्लाइट टिकट बुकिंग और यात्रा खर्च के लिए ट्रांसफर किया। विवेक सिंह नक्सलियों के शहरी नेटवर्क को विभिन्न माध्यमों से सहयोग देने में शामिल था।

एनआईए कोर्ट बिलासपुर...

पहचान की जा सके। यह जांच नक्सलियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए की जा रही है। आगे की संलिप्तता की जानकारी प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सांसद संतोष ने कहा...

काम करते थे। वहीं विवेक सिंह जो उनका पीए और सलाहकार था, वह नक्सलियों के साथ पकड़ा गया है। इसमें टेरर फंडिंग भी हुई है, 7 लाख रुपए के आसपास का लेनदेन हुआ है।

मूर्खता की हद...

आते थे, कहां जाते थे? उन्होंने सर्वोदय से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की और अंतिम क्षणों में यही बात कर रहे थे कि बुद्ध की बात कहते थे बुद्ध के बिना पूरी दुनिया में शांति नहीं हो सकती। उस व्यक्ति के बारे में इस प्रकार ओछी बयान देना बताता है कि संतोष पांडेय की मानसिकता क्या है?

हिंडनबर्ग ने सेबी...

किया गया था। हिंडनबर्ग ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा, आईआईएफएल में एक प्रधान के हस्ताक्षर वाले फंड की घोषणा में कहा गया है कि निवेश का स्रोत 'वेतन' है। दंपति की कुल संपत्ति एक करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। रिपोर्ट में आगे आरोप लगाया गया है, "दस्तावेजों से पता चलता है कि हजारों मुख्यधारा के प्रतिष्ठित भारतीय म्यूचुअल फंड उत्पादों के होने के बावजूद, एक उद्योग जिसका अब वह विनियमन करने के लिए जिम्मेदार है, सेबी की चेयरपर्सन माधवी बुच और उनके पति के पास अल्प परिसंपत्तियों के साथ एक बहुस्तरीय ऑफशोर फंड संरचना में हिस्सेदारी थी। ऐसे फंड जो विदेशी बाजारों में निवेश करते हैं, उन्हें ऑफशोर फंड कहते हैं। इन्हें विदेशी या अंतरराष्ट्रीय फंड भी कहते हैं। हिंडनबर्ग ने कहा कि इनकी परिसंपत्तियां ज्ञात उच्च जोखिम वाले अधिकार क्षेत्र से होकर गुजरती थीं, जिसकी देखरेख घोटाले से कथित तौर पर जुड़ी एक कंपनी करती थी। यह वही इकाई है, जिसे अदाणी के निदेशक चलाते थे और जिसका विनोद अदाणी द्वारा कथित अदाणी नकदी हेरफेर घोटाले में महत्वपूर्ण रूप से उपयोग किया गया था। रिपोर्ट में उच्चतम न्यायाल के आदेश का हवाला भी दिया, जिसमें यह कहा गया था कि सेबी इस बात की जांच में खाली हाथ रहा कि अदाणी के कथित ऑफशोर शेयरधारकों को किसने वित्तपोषित किया।

दिल्ली के मॉडल टाउन में दो मंजिला मकान गिरा, कुछ लोग फंसे

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के मॉडल टाउन इलाके में दोपहर बाद हुई भारी बारिश के दौरान दो मंजिला एक मकान ढह गया। मलबे में कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका के मद्देनजर बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना अपराह्न करीब दो बजकर 45 मिनट पर महेंद्रू एन्क्लेव में हुई, जहां पुराने मकान की मरम्मत का काम जारी था। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान के लिए दमकल की तीन गाड़ियों को सेवा में लगाया गया है। मलबे से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इजराइल ने गाजा के स्कूल में दागे राकेट, 100 से ज्यादा की मौत, कहा- 'उड़ा दिया हमास का अड्डा'

काबुल । गाजा में शनिवार सुबह इजराइल ने एक स्कूल पर हवाई हमला किया। इस हमले में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। गाजा की सिविल डिफेंस एजेंसी के प्रवक्ता महमूद बासल ने बताया कि तीन इजराइली रॉकेटों ने स्कूल को निशाना बनाया। इस स्कूल में विस्थापित फिलिस्तीनी शरण ले रहे थे। घटना के बाद इलाके में राहत कार्य जारी हैं। इमारत में लगी आग को बुझाने की कोशिश की जा रही है। वहीं, गाजा की सरकार ने इसे एक भयानक नरसंहार बताया है।

इजरायली सेना ने बताया 'हमास का अड्डा'

इजरायली सेना ने कहा कि हमने गाजा सिटी के अल-सहबा क्षेत्र में स्थित अल-तबाईन स्कूल को निशाना बनाया, क्योंकि इस स्कूल में हमास आतंकवादी कमांड सेंटर संचालित हो रहे थे। इजरायली सेना ने दावा किया कि यह हमला सटीकता के साथ किया गया, ताकि कम से कम नागरिकों को नुकसान पहुंचे।

गाजा में जारी हैं इजरायल के हमले

आज ही इजरायल ने उत्तरी गाजा के जबालिया में एक घर पर बमबारी की है, जिसमें कम से कम 6 लोग मारे गए हैं और 15 घायल हो गए हैं। मध्य गाजा में डेर अल-बलाह के पूर्व में अल-मजरा स्कूल के पास एक तंबू पर इजरायली सेना द्वारा की गई बमबारी में 3 बच्चों सहित 4 की मौत हो गई है। मध्य गाजा में नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक घर पर इजरायली हमले में भी 4 लोग मारे गए हैं।

इजराइल अफसरों ने पानी की आपूर्ति रोकी

गाजा में इजरायली हमले के बाद राहत कार्यों को करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, स्कूल में फंसे महिलाओं और बच्चों को बचाने में कठिनाइयां हो रही हैं, क्योंकि इजराइली अफसरों ने इलाके में पानी की आपूर्ति रोक दी है।

GURU GHASIDAS VISHWAVIDYALAYA गुरू घासीदास विश्वविद्यालय
(A Central University established by the Central Universities Act, 2009, No. 25 of 2009) KONI, BILASPUR - 495009 (C.G.) INDIA, कोनी बिलासपुर 495009 (छ.ग.) भारत
Tel. - +91-7752-260017, 260435, 260209, Fax - +91-7752-260154, 260148, website -www.ggu.ac.in

क्रमांक 185/भर्ती/ प्रशा/ 2024 **Walk-In-Interview** बिलासपुर, दिनांक 09 .08 .2024

इच्छुक एवं अर्ह उम्मीदवारों को निम्नानुसार पदों पर वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से नियुक्ति हेतु आमंत्रित किया जाता है: **1. शैक्षणिक सत्र 2024- 25 (प्रथमतः छः माह हेतु) पूणर्तः अस्थाई शिक्षक 2. सुरक्षा कार्यों हेतु (प्रथमतः छः माह हेतु जिसे अधिकतम 03 वर्ष की अवधि तक बढ़ाया जा सकता है)**। अभ्यर्थी नियुक्ति हेतु आवेदन के साथ शैक्षणिक अभिलेख एवं कार्य अनुभव के समस्त अर्हतादायी दस्तावेजों (अंकसूची, प्रमाण पत्र, उपाधि, अनुभव प्रमाण पत्र आदि) की छायाप्रति एवं मूल दस्तावेजों के साथ विश्वविद्यालय वेबपटल पर दिये गये समय सारणी अनुसार रजत जयंती सभागार में आमंत्रित किया जाता है। विश्वविद्यालय के पास किसी पद को भरने अथवा न भरने अथवा पदों/ नियुक्तियों की संख्या / प्रकृति में परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
शैक्षणिक अर्हता, साक्षात्कार तिथि, पद संख्या (आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय) एवं सामान्य अनुदेशों की अधिक एवं अद्यतन जानकारी के लिये विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.new.ggu.ac.in का नियमित अवलोकन करें।

कुलसचिव

शब्द पहेली - 5599

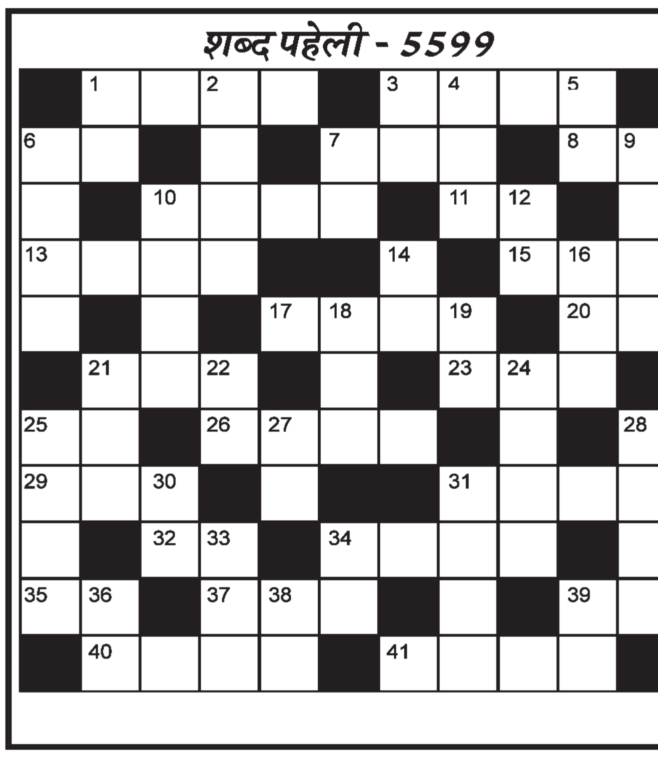

बाएँ से दाए
1. जाति, समाज, बुंधता-4
3. स्वयंवर माला, जीत-4
6. चूहे का घर-2
7. स्थिर, टिका हुआ-3
8. पार्थिव देह, लाश-2
10. सुवासित करना-4
11. थोड़ा, कम-2
13. मोटा आटा, दानेदार-4
15. गौरव, अभिमान-3
17. विष्णु, नारायण-4
20. वाहन, गाड़ी, जहाज-2
21. होशियार, दक्ष-3
23. उचित, सही-3
25. जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26. करिश्मा, करतब-4
29. भर्त्सना, धिक्कार-3
31. गुलाम, परतंत्र-4
32. बेल, लतिका-2
34. आश्चर्य-4
35. नांद, टप-2
37. मग्नता-3
39. मछली-2
40. कुशलपूर्वक, सुरक्षित-4
41. मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे
1. विधेयक, देयक-2
2. विजयादशमी-4
3. जीत, विजय-2
4. जुड़वा-3
5. शव, मृत शरीर-2
6. बंधु, सजातीय, भाई-4
7. एक आंख वाला-2
9. मौजूदा, आधुनिक-4
10. मदमस्त-4
12. धुन, लय, सुर-2
14. इच्छा, कामना-2
16. सुर साधना-3
18. भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19. छुट्टी, अवकाश-2
21. अच्छे कुल का-3
22. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. यम, मृत्यु का देवता-4
25. अपमिश्रण, खोट-4
27. निशा, रात्रि-2
28. कहासुनी, कलह-4
30. तल्ला, पैंदा-2
31. गुलामी, पराश्रित-4
33. शिक्षा(उर्दू-3)
34. अदा करना, चुकाना-2
36. एक सवारी गाड़ी-2
38. झुका हुआ-2
39. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 5598 का हल

प	ब	न	कु	मा	र	■	म	क	ब	रा
ला	न	■	त	■	स	ली	का	■	स	त
य	■	प	र	वा	ना	■	न	न	■	दि
न	का	र	ना	■	■	क	■	म	हा	न
वा	■	ख	■	स	ह	ल	ज	■	ज	■
दी	वा	ना	प	न	■	प	र	ब	री	श
■	जि	■	र	स	ले	ना	■	न	■	री
ग	ब	न	■	नी	■	■	अ	वा	न्त	र
ज	■	शा	न	■	आ	ब	नू	स	■	र
रा	ज	■	ज	टा	यु	■	रू	■	क	क्ष
ज	ल	च	र	■	ध	र्मो	प	दे	श	क

सूडोकु नवताल - 5610

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5609 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

लीला देवी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी
बी एस सी नर्सिंग [60 Seats]
डिप्लोमा इन फार्मेसी [60 Seats]
महाविद्यालय परिसर : ग्रेटर रायपुर, मोतीपुर, जामगांव रोड, जिला -दुर्ग
9131880895, 8319870997
6, इंटीग्रेशनल एरिया, मुखर्जी हॉस्टल के पीछे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर
83700 77700, 7024125200

फिल्म कंगुवा का ट्रेलर कल होगा रिलीज...

नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार सूर्या और बॉलीवुड के विलेन बॉबी देओल की मचअवेटेड फिल्म कंगुवा के ट्रेलर का बड़ा अपडेट सामने आया है। शिवा द्वारा डायरेक्टेड, 'कंगुवा' का मच अवेटेड ट्रेलर 12 अगस्त को रिलीज़ किया जाएगा। फिल्म को 10 अक्टूबर को रिलीज करने की तैयारी है। कंगुवा' इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्म है। 350 करोड़ से ज़्यादा के अनुमानित बजट के साथ यह 'पुष्पा', 'सिंघम' और कई दूसरी बड़ी फिल्मों से भी बड़ी है। फिल्म की शूटिंग अलग-अलग कॉन्टिनेंट्स के 7 अलग देशों में की गई है। मेकर्स के दिमाग में फिल्म के लिए एक अपनी तरह का लुक है।

लाइफ Style

प्रीति
नर्वस भी हूं और खुश भी

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने बताया कि वे बेहद खुश हैं और साथ ही बहुत नर्वस भी हैं। मां के रूप में उनकी दिनचर्या काफी व्यस्त हो चली है। लेकिन, इन सभी के बीच वे काफी खुश हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आप सोच रहे होगे कि आखिर ऐसा क्या हुआ है? दरअसल, प्रीति जिंटा के नन्हे-मुन्नों ने स्कूल जाना शुरू कर दिया है। बच्चों के जीवन की यह नई शुरुआत देख अभिनेत्री बेहद खुश हैं। प्रीति जिंटा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने अपने दोनों बच्चों-जय और जिया की तस्वीरें पोस्ट की हैं। रंग-बिरंगी ड्रेस में दोनों स्कूल में एक्टिविटी करते दिख रहे हैं। इसके साथ प्रीति जिंटा ने एक नोट लिखा है, जो काफी इमोशनल है। अभिनेत्री ने लिखा है, 'मेरे नन्हे-मुन्नों के स्कूल जाने की शुरुआत को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं और नर्वस भी हूं। यकीन नहीं होता कि ये समय आ गया है। मां के रूप में मेरा शेड्यूल बहुत व्यस्त है'।

प्रीति जिंटा ने आगे लिखा है, 'मेरे लिए यह एक खट्टा-मीठा पल है। मैं अपनी ही दुनिया में खुश हूं, लेकिन हमारे आस-पास की दुनिया में बहुत अशांति और दुख है। हम केवल यही उम्मीद और प्रार्थना कर सकते हैं कि हमारे आस-पास और अधिक प्यार, सहिष्णुता और शांति हो, ताकि हम सभी खुशी-खुशी साथ रह सकें और अपने बच्चों के लिए एक बेहतर और सुरक्षित दुनिया छोड़ सकें'।

हॉलीवुड मसाला

'मोआना-2' का ट्रेलर जारी

लॉस एंजिलिस। वर्ष 2016 में फिल्म आई थी 'मोआना'। अब इसका सीक्वल 'मोआना 2' आ रहा है। शनिवार को इस अमेरिकी एनिमेटिड म्यूजिकल फंतासी एडवेंचर फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया। यह फिल्म का दूसरा ट्रेलर है। इससे पहले मई में भी एक ट्रेलर जारी किया जा चुका है। फिल्म इसी साल नवंबर में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। 'मोआना 2' का निर्देशन डेविड डेरिक जूनियर, जेसन हैंड और डाना लेडौक्स मिलर ने किया है।

'डेयरडेविलः बॉर्न अगेन' की पहली झलक आई सामने...

लॉस एंजिलिस। डी23 2024 के दुनिया भर के प्रशंसक, मार्वल स्टूडियोज की फिल्म 'डेयरडेविलः बॉर्न अगेन' के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शुक्रवार रात मार्वल स्टूडियोज की डी23 प्रस्तुति के दौरान, चार्ली कॉक्स और विंसेट डी'ऑनफ्रियो ने अपनी आगामी डिज्नी सीरीज, डेयरडेविलः बॉर्न अगेन की नई झलक दिखाई। कॉक्स नेवकील मैट मरडॉक उर्फ मैन विदाउट फियर के रूप में वापसी की है, जबकि डी'ओनोफ्रियो ने फिश उर्फ किंगपिन की अपनी भूमिका दोहराई है। स्टेज पर उनके साथ जॉन बर्नथल भी नजर आए, जो फ्रैंक कैसल/द पनिशर के रूप में वापस आए। इसके अलाना डेबोरा एन वोल थे, जो करेन पेज के रूप में वापस आए और एल्डेन हेनसन, जो फॉगी नेल्सन के रूप में दोबारा नजर आएंगे।

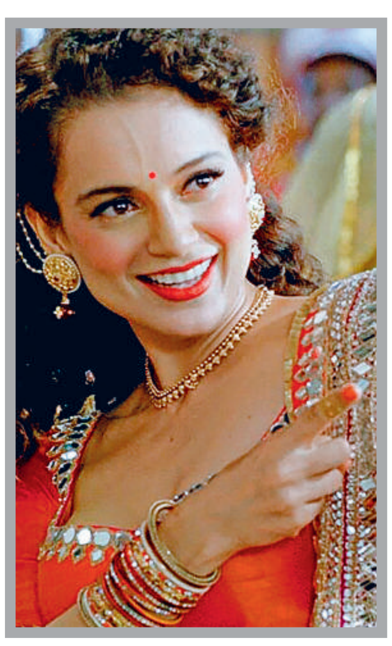

'तनु वेड्स मनु' के बाद आए थे बदलाव

मुंबई। फिल्म निर्माता आनंद एल राय की बेहतरीन फिल्मों की लिस्ट में 'तनु वेड्स मनु'और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' आती हैं। इन दोनों ही फिल्मों के लिए उन्हें काफी सराहना और प्यार मिला। आनंद एल राय इंडस्ट्री में प्यार जैसे विषय पर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। दोनों ही फिल्मों में कंगना रणौत मुख्य भूमिका में हैं। कहा जाता है कि 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स'के दौरान निर्माता और कंगना के बीच कुछ मतभेद आ गए थे। हाल ही में उन्होंने स्वीकार किया कि पहली फिल्म के बाद दोनों ही व्यक्तिगत तौर पर बदल गए। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि अगर इसका तीसरा भाग बनेगा तो वह कंगना के साथ ही इस करेंगे। निर्देशक ने अपने और कंगना के बारे में बात करते हुए कहा कि तनु वेड्स मनु और 'रांझणा' की सफलता के बाद वह भी बदल गए।

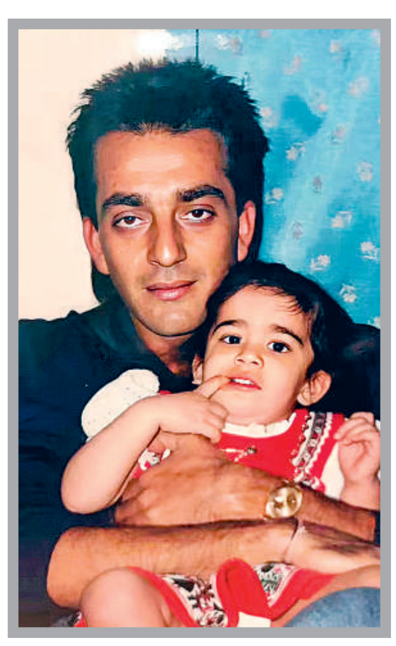

शेयर की त्रिशला के बचपन की फोटो

नई दिल्ली। संजय दत्त की बड़ी बेटी त्रिशला दत्त का 10 अगस्त को 36वां बर्थडे सेलिब्रेट किया गया। फिल्मी दुनिया से दूर इस स्टारकिड ने दूसरा करियर चुना। हालांकि, सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। इसी बीच संजय दत्त ने अपनी लाडली को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक फोटो शेयर की है, जो कि त्रिशला दत्त के बचपन की है। इस फोटो को फैंस और सेलेब्स का प्यार मिल रहा है। वहीं, खुद त्रिशला ने भी इस फोटो पर रिएक्शन दिया है। संजय दत्त ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, मेरी राजकुमारी, तुम्हारे इस खास दिन पर मुझे याद आता है कि तुम्हारा पिता बनकर मैं कितना धन्य हूं। तुम्हारा प्यार मेरी दुनिया को ऐसे रोशन करती है, जिसे मैं बयां नहीं कर सकता। जन्मदिन की शुभकामनाएं। त्रिशला दत्त हमेशा तुम पर गर्व है।

टीवी मसाला

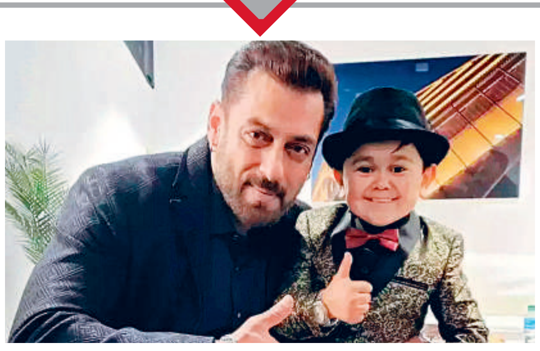

सल्लू के साथ बिग बॉस 18 को होस्ट करेंगे अब्दू रोजिक

नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 3 के बाद दर्शकों को बिग बॉस 18 का बेसब्री से इंतजार है। शो को लेकर चर्चा तेज हो गई है। शो के प्रतिभागियों से जुड़े कई नाम सामने आ चुके हैं। सलमान खान के शो से जुड़ी अब एक नई खबर सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि सलमान के साथ मिलकर अब्दू रोजिक बिग बॉस 18 की सह-मेजबानी करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शो के निर्माताओं ने आगामी सीजन में कई विशेष सेगमेंट की मेजबानी करने के लिए अब्दू रोजिक को चुना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब्दू ने कहा, 'मैं बिग बॉस 18 में इस नई भूमिका में वापस आकर उत्साहित हूं। बिग बॉस 16 में मेरी एक खूबसूरत यात्रा थी। मैं अपनी भाषा और गायन कौशल पर बहुत मेहनत कर रहा हूं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकूं। मैं दर्शकों को यह दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि हमारे पास क्या अलग है।' अब्दू रोजिक ने वादा किया कि वह बिग बॉस 18 में मनोरंजन की एक नई खुराक जोड़ने जा रहे हैं।

कपिल से तुलना पर जाकिर ने ली चुटकी

नई दिल्ली। स्टैंड-अप कॉमेडियन जाकिर खान कॉमेडी शो 'आपका अपना जाकिर' की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं। शो का प्रीमियर 10 अगस्त को सोनी टीवी पर प्रसारित हुआ। इसके एपिसोड सोनी लिव और ओटीटीप्ले प्रीमियम पर भी स्ट्रीम होंगे। शो के प्रमोशन के दौरान जाकिर से हाल ही में कॉमेडियन कपिल शर्मा से तुलना के बारे में पूछा गया। बता दें, खान का शो कपिल के 'द कपिल शर्मा शो' के टाइम स्लॉट पर ही प्रसारित होगा। तुलना पर दिया गया जाकिर का बयान लोगों को खासा ध्यान आकर्षित कर रहा है। टीवी9 के साथ एक इंटरव्यू में, जाकिर खान ने साथी कॉमेडियन कपिल शर्मा के साथ किसी भी तरह की तुलना को खारिज कर दिया, जिनका 'द कपिल शर्मा शो' उसी चैनल पर प्रसारित होता था। इस पर जाकिर ने कहा, 'मुझे तुलना से दिक्कत है। वह बहुत बड़े कलाकार हैं, मैं उनसे कैसे मुकाबला कर सकता हूं?' खान ने कहा कि जब कपिल के शो बेहद सफल हो गए, तो उन्हें दिल्ली में छोटे-मोटे कॉमेडियन के रूप में बैठे-बैठे फायदा हुआ।

'खेल खेल में' पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, हटाए गए अपशब्द...

नई दिल्ली। अक्षय कुमार, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, अम्मी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल और आदित्य सील की फिल्म 'खेल खेल में' सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म को लेकर नई-नई जानकारियां लगातार सामने आ रही हैं। फिल्म ने अपनी सेंसर औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। हालांकि, फिल्म के दो दृश्यों को सेंसर बोर्ड ने एडिट किया है। फिल्म 'खेल खेल में' स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने फिल्म को हरी झंडी दिखा दी है। सीबीएफसी ने फिल्म को यूए सर्टिफिकेट दिया है। इसके साथ ही फिल्म की अवधि का भी खुलासा हुआ है। सेंसर बोर्ड ने 8 अगस्त को ही यूए सर्टिफिकेट के साथ फिल्म को हरी झंडी दिखा दी थी, जिसकी जानकारी निर्माताओं ने दी थी। इसका रनटाइम 134.07 मिनट है यानी 2 घंटे, 14 मिनट और 7 सेकंड है। अब यह पता चला है कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म से दो दृश्यों को हटाने या उसे म्यूट करने के लिए कहा है। वे दो दृश्य है फिल्म में बोले गए दो अपशब्द।

मुमताज शांति थीं बॉलीवुड की पहली जुबली गर्ल सिनेमाघर में 76 हफ्ते तक लगी रही थी फिल्म...

नई दिल्ली। बॉलीवुड के जुबली स्टार की बात करें, तो जो नाम जुबान पर सबसे पहले आता है, वो नाम है राजेंद्र कुमार का। उनकी फिल्मों के लिए कहा जाता था कि वो जो भी करते थे, वो सिल्वर जुबली जरूर मनाती थी। सिर्फ हीरो ही नहीं हिंदी फिल्म के इतिहास में एक एक्ट्रेस भी ऐसी रही हैं, जो जुबली गर्ल के नाम से जानी गईं। उनकी फिल्मों ने जो इतिहास रचा उसे बॉक्स ऑफिस पर तोड़ने में बॉलीवुड को पूरे अस्सी साल तक इंतजार करना पड़ा। इस एक्ट्रेस का नाम था मुमताज शांति, जिन्होंने अपने फिल्मी करियर में एक से बढ़कर एक फिल्म में काम किया।

खूबसूरती और एक्टिंग का कोई नहीं था मुकाबला

ये बात बंटवारे के दौर से भी पहले की है, जब हिंदी फिल्मों में एक एक्ट्रेस हुआ करती थीं मुमताज शांति। उन्हें जुबली गर्ल का नाम दिया गया था। बात चालीस के दशक के आसपास की होगी, जब मुमताज शांति की खूबसूरती और एक्टिंग का कोई मुकाबला नहीं था। मुमताज शांति ने पंजाबी फिल्मों से इंड्स्ट्री में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म थी सोहनी कुमारन। उनकी दूसरी पंजाबी फिल्म थी मंगती, जो 1942 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने डायमंड जुबली मनाई थी। इसके बाद मुमताज शांति का नाम पंजाबी फिल्मों की सुपरस्टार के तौर पर लिया जाने लगा था। पंजाबी फिल्मों में नाम कमाने के बाद मुमताज शांति ने हिंदी फिल्मों का रुख किया।

शोले ने तोड़ा रिकॉर्ड : मुमताज शांति की पहली हिंदी फिल्म थी बसंत। ये फिल्म भी जुबली हिट रही थी। इस फिल्म में मधुबाला भी नजर आईं थीं। ये फिल्म करीब 76 हफ्ते तक थियेटर्स में रही थी। साल 1943 में वो अशोक कुमार के साथ किस्मत फिल्म में नजर आईं। इस फिल्म को देश की पहली ब्लॉकबस्टर मूवी माना जाता है, जिसने उस दौर में एक करोड़ रुपए की कमाई की थी। ये फिल्म लगातार तीन साल सिनेमा हॉल में लगी रही। अस्सी साल बाद ये रिकॉर्ड फिल्म शोले ने तोड़ा था।

प्रशंसकों से नाराज हुए कार्तिक : नई दिल्ली। अभिनेता कार्तिक आर्यन फिलहाल 'चंदू चैंपियन' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। शुक्रवार 9 अगस्त को इसे प्राइम वीडियो पर रिलीज कर दिया गया। शनिवार को अभिनेता ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। इसमें वे प्रशंसकों से शिकायत करते नजर आ रहे हैं।

2012 में आई 'अग्निपथ' में किया था ड्रग सप्लायर रौफ लाला का रोल

शादी के स्टेज पर हुई थी ऋषि कपूर की कास्टिंग

नई दिल्ली। कम लोग जानते हैं कि फिल्म अग्निपथ के लिए ऋषि कपूर की कास्टिंग डायरेक्टर की शादी के स्टेज पर हुई थी। निर्देशक की पत्नी इस फिल्म में एसोसिएट डायरेक्टर थीं और ऋषि को देखते ही पति को कोहनी मारने लगीं। ऋतिक रोशन और संजय दत्त की फिल्म 'अग्निपथ' ब्लॉकबस्टर हिट थी। साल 2012 में आई इस फिल्म में ऋषि कपूर ने रौफ लाला नाम के एक ड्रग सप्लायर का रोल किया था जो लड़कियां बेचने जैसे कई और भी घिनौने धंधों में शामिल रहता है। इस किरदार को ऋषि कपूर ने इतनी खूबसूरती से किया कि फिल्म की रिलीज के बाद उन्हें खूब तारीफें मिलीं। ऋषि कपूर इस किरदार में पूरी तरह उतर गए थे और कांचा के बाद अगर किसी किरदार की चर्चा थी, तो रौफ लाला की थी।

डायरेक्टर ने सुनाया था यह किस्सा

बावजूद इसके कि फिल्म के मेन विलेन संजय दत्त थे, रौफ लाला फिल्म से लाइमलाइट ले उड़े थे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फिल्म में रौफ लाला के किरदार के लिए ऋषि कपूर की कास्टिंग किसी स्टूडियो में नहीं, बल्कि इस फिल्म के डायरेक्टर करण मल्होत्रा की शादी के स्टेज पर हुई थी। एक इंटरव्यू में करण ने बताया, 'सच कहूं तो ऋषि कपूर मेरी चॉइज नहीं थी, कि रौफ लाला के तौर पर शूट करेंगे। यह मेरी वाइफ एकता पाठक मल्होत्रा की चॉइज थी जो कि इस फिल्म में असोसिएट डायरेक्टर भी थीं।'

लिफाफा देने आए थे ऋषि कपूर

करण मल्होत्रा ने इसी इंटरव्यू में बताया, 'हम लोग अपनी शादी की स्टेज पर खड़े थे और ऋषि कपूर जी लाइन में खड़े थे। लिफाफा देने आए थे। तब एकता ने उन्हें देखा और मुझे कोहनी मारने लगी कि रौफ लाला... रौफ लाला.. रौफ लाला। उनकी कास्टिंग असल में इस तरह हुई थी। मैंने ऋषि कपूर जी की तरफ देखा और एकता से कहा कि ठीक है, इस बारे में थोड़ी देर के बार बात करते हैं।' बता दें कि करण मल्होत्रा ने स्वदेश, जोधा अकबर, माय नेम इज खान, ब्रदर्स, और शमशेरा जैसी फिल्में बनाई हैं।

अग्निपथ का बजट और बॉक्स ऑफिस कलेक्शन : फिल्म 'अग्निपथ' की बात करें तो ऋतिक रोशन, प्रियंका चोपड़ा, कटरीना कैफ और ऋतिक रोशन जैसे सितारों से सजी यह फिल्म सिर्फ 60 करोड़ रुपये की लागत में बनी थी और इसने 155 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था। सिर्फ भारत से इस फिल्म ने 120 करोड़ रुपये कमा लिए थे। यह फिल्म आप ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। इसके अलावा यह अमेजन प्राइम वीडियो और एप्पल टीवी पर भी देख सकते हैं।

तरकश

संजय के. दीक्षित

जी उठा सीआईडी

एक जमाने में सीआईडी पुलिस का बड़ा क्रेज होता था। पुलिस मुख्यालय का सबसे महत्वपूर्ण विभाग। पीएचक्यू के सबसे तेज-तर्रार आईपीएस अधिकारी को इसकी कमान सौंपी जाती थी। जिस तरह इस समय पीएचक्यू में इंटेलिजेंस चीफ का रुतबा होता है, सीआईडी चीफ का जलवा उससे ज्यादा ही होता था। कठिन और हाईप्रोफाइल मामलों की जांच सीआईडी को सौंपी जाती थी। बिल्कुल सीबीआई की तरह। मगर दुर्भाग्य की बात यह कि छत्तीसगढ़ में सीआईडी को खतम कर दिया गया। अब ये डेटा हब बनकर रह गया है। विधानसभा के प्रश्नों का जवाब तैयार करना सीआईडी का प्रमुख काम रह गया है। छत्तीसगढ़ पुलिस के जिलों से लेकर रेंज तक के सारे डेटा आजकल सीआईडी संभाल रहा। प्रमोटी आईपीएस इस समय सीआईडी के आईजी हैं। इससे आगे कुछ कहने की जरूरत नहीं। मगर बात सीआईडी के जी उठने की...तो छत्तीसगढ़ के सीआईडी के लिए आज बड़ा दिन है। बिलासपुर के चर्चित डॉ0 पूजा चौरसिया केस में हाई कोर्ट ने आठ हफ्ते में सीआईडी जांच कर रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। राज्य बनने के करीब ढाई दशक में मुझे याद नहीं कि हत्या जैसे किसी मामले की जांच सीआईडी को किसी सरकार ने सौंपी होगी। जो काम सरकारों ने नहीं किया, वह हाई कोर्ट ने कर दिया। चलिये, उम्मीद करते हैं कि सीआईडी का अब कुछ होगा। वैसे भी बड़े अपराधों की जांच के लिए स्टेट लेवल की एक एजेंसी होनी ही चाहिए। मगर इसके लिए सरकार को सीबीआई या एनआईए रिटर्न आईपीएस को ढूंढना पड़ेगा।

कलेक्टर और क्राइम

बात राज्य बनने के थोड़े ही पहले की है। शायद 1999 की बारिश का महीना होगा। बिलासपुर जिले के बिल्हा के एक पहुंचविहीन गांव में एक छात्रा की हत्या हो गई थी। पहुंच विहीन इसलिए याद कि करीब दो किलोमीटर तक कठिन रास्तों पर पैदल चलकर गांव जाना पड़ा था। वहां पता चला गांव के प्रभावशाली परिवार के युवक ने कालेज जा रही छात्रा की रास्ते में गला दबाकर शव को नाले में फेंक दिया था। आरोपी का परिवार दबंग था, सो उसके खिलाफ मुंह खोलने की किसी की हिम्मत नहीं पड़ रही थी। मैंने बिल्हा थाना फोन लगाया तो खैनी मूंह में दबाए मुंशीजी बोले, कैसे हुआ, कुछ पता नहीं चल रहा, क्या कर सकते हैं...गीता में लिखा है, जो आया है, वह जाएगा ही। जिस अखबार में उस समय मैं काम करता था, उसमें अगले दिन आठ कॉलम में यह खबर प्रकाशित हुई। खबर छपते ही सुबह-सुबह तत्कालीन एसपी शैलेंद्र श्रीवास्तव का लैंडलाइन पर फोन आया। लैंडलाइन ही उस समय संचार का साधन था। एसपी साब बोले, क्या छाप दिए हो...कलेक्टर साब पूछ रहे हैं। फिर उन्होंने मुझसे घटना का ब्रीफ लिया और दोपहर बाद आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कलेक्टर थे शैलेंद्र सिंह। राज्य बनने के बाद दोनों शैलेंद्र मध्यप्रदेश चले गए। बहरहाल, अबके कलेक्टर क्राइम की तरफ झांकते नहीं...कोई घटना हुई तो जाने एसपी साब। बलौदा बाजार में अगर कलेक्टर ने इनिशियेटिव लिया होता, तो कलेक्ट्रेट जलाने की घटना नहीं हुई होती।

कलेक्टर कमजोर क्यों-1

कलेक्टर के चेम्बर और कार में पहले वायरलेस सेट लगा होता था। जिले में क्राइम के सारे अपडेट कंट्रोल रुम से सीधे कलेक्टर को मिलते रहते थे। कलेक्टर के पावर को बताने के लिए शैलेंद्र सिंह को यहां एक बार और उद्धृत करना जरूरी होगा। बिलासपुर में यूथ कांग्रेस के एक प्रेसिडेंट का बड़ा जलजला था। यूनिर्वसिटी में आए दिन उठापटक चलती रहती थी। शैलेंद्र सिंह एक दिन गाड़ी से लंच के लिए निकले, रास्ते में वायरलेस पर संदेश आया, यूनिर्वसिटी में यूथ कांग्रेस ने तोड़फोड़ कर दिया है। कलेक्टर को पता था कि पुलिस की यूथ कांग्रेसी पर कुछ ज्यादा मेहरबानी है, ऐसे में कोई कार्रवाई होगी नहीं। कलेक्टर ने अपनी गाड़ी यूनिर्वसिटी की तरफ मोड़ दी। उन्होंने एसपी को भी सूचित कर दिया। पीछे-पीछे एसपी भी भागते हुए यूनिर्वसिटी पहुंचे। उसके बाद रुलिंग पार्टी के जिला अध्यक्ष और उसके साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। कहने का मतलब यह है कि कलेक्टरों की भी ड्यूटी होती है कि वह क्राईम पर नजर रखें। चीफ सिकरेट्री और डीजीपी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कलेक्टर-एसपी मिलकर काम करें और अपने दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें। राज्य बनने के 24 साल बाद भी आखिर यह सुनने में क्यों आता है कि पुराने मध्यप्रदेश में सिस्टम रन कर रहा है और छत्तीसगढ़ में? सिस्टम शीर्षासन कर रहा है। कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में साल में एक बार कह देने से नहीं होगा कि दोनों मिलकर काम करें। उसका फॉलोअप भी लेना चाहिए। वरना, छत्तीसगढ़ को बिहार, यूपी के रास्ते पर जाने से कोई रोक नहीं पाएगा।

कलेक्टर कमजोर क्यों-2

छत्तीसगढ़ में कलेक्टर-एसपी में तालमेल का बड़ा अभाव है। कई जिलों में आलम यह है कि हफ्ता निकल जाता है, दोनों में बातें नहीं होती। सरकार के निर्देशों के बाद भी एसपी कलेक्टर की टीएल मीटिंग में नहीं जाते। कलेक्टर भी चाहते हैं...एसपी से दूर ही रहे। दरअसल, उसकी एक बड़ी वजह करप्शन हैं। खासतौर से डीएमएफ ने कलेक्टर सिस्टम को पंगु बना दिया। डीएमएफ से हर साल करोड़ों रुपए बरस रहे हैं। और कलेक्टर इसके मालिक हैं, वही चेक काटते हैं। इसमें 20 से 30 परसेंट ही जमीन पर काम होता है। 70 परसेंट से ज्यादा का कलेक्टर साब लोग खेला कर डालते हैं। ऐसे में उन्हें चोर की दाढ़ी में तिनका की तरह डर सताता रहता है....एसपी कहीं उसे ट्रेप न कर लें। लिहाजा, वे क्राइम की तरफ देखना नहीं चाहते...एसपी साब कहीं नाराज हो गए तो।

सम्मान से विदाई की तैयारी

छत्तीसगढ़ के डीजीपी अशोक जुनेजा को भारत सरकार ने छह महीने का एक्सटेंशन दे दिया है। सर्विस पूरी होने के बाद भारत सरकार से एक्सटेंशन मिलने का यह पहला केस है। बहरहाल, 5 अगस्त 2022 को डीजीपी जुनेजा को दो साल की पूर्णकालिक नियुक्ति मिली थी, सो 4 अगस्त को उनका टेन्योर कंप्लीट हो रहा था। उस दिन रविवार था। अब जुनेजा जैसे डीजीपी छुटटी के दिन विदा होते तो अच्छा नहीं लगता। सो, सरकार में सेपरेट नोटशीट चलाई गई। इसमें रविवार का हवाला देते हुए उनके रिटायरमेंट को एक दिन बढ़ाया गया ताकि उन्हें सम्मान पूर्वक ग्रेंड फेयरवेल दिया जा सकें। मगर दिल्ली से ऐसी चकरी घुमी कि रिटायरमेंट डेट बढ़ाने का कोई मतलब नहीं हुआ। अचानक जब दिल्ली से एक लाईन का संदेश आया कि अशोक जुनेजा के छह महीने का एक्सटेंशन का प्रापोजल भेजिए...छत्तीसगढ़ के लोग हतप्रभ रह गए। हतप्रभ इसलिए कि उसी दिन सुबह गृह विभाग ने दो नामों को पेनल यूपीएससी को भेजा गया था और अरूणदेव गौतम को प्रभारी डीजीपी बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी थी। दरअसल, नक्सल मोर्चे पर मिली अभूतपूर्व कामयाबी के बाद दिल्ली में जुनेजा का खासा औरा कायम हो गया है। जुनेजा दो बार सेंट्रल डेपुटेशन कर चुके हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स के वे सिक्यूरिटी इंचार्ज थे और तत्कालीन कैबिनेट सिकरेट्री अजीत सेठ चेयरमैन। वे सीधे कैबिनेट सिकरेट्री को रिपोर्ट करते थे। तात्पर्य यह है कि दिल्ली की ब्यूरोक्रेसी में उनके अच्छे रिश्ते हैं। इसका उन्हें लाभ मिला।

कमिश्नर मटेरियल

छत्तीसगढ़ सरकार ने महादेव कांवरे को रायपुर का कमिश्नर बनाया है। वे पहले भी कमिश्नर रह चुके हैं। बहरहाल, छत्तीसगढ़ में कुछ आईएएस अधिकारी कमिश्नर के लिए पेटेंट हो गए हैं। इनमें पहला नाम है जी चुरेंद्र। चुरेंद बिलासपुर छोड़कर छत्तीसगढ़ के चारों संभाग के कमिश्नर रह चुके हैं। सरगुजा में वे कमिश्नर की दूसरी पारी खेल रहे हैं। उनके बाद नाम आता है दसेक दिन पहले रिटायर हुए संजय अलंग का। संजय का नया रिकार्ड बनाया, डबल कमिश्नर का। पहले बिलासपुर कमिश्नर रहते उनके पास सरगुजा का भी चार्ज रहा। और अभी रायपुर के साथ ही बिलासपुर संभाग भी उनके पास था। दिलीप वासनीकर भी बस्तर, रायपुर और दुर्ग के कमिश्नर रहे। इससे पहिले महादेव कांवरे भी दुर्ग के कमिश्नर रह चुके हैं। इस कड़ी में अब नीलम एक्का का नाम जुड़ गया है।

नीलम का कद बढ़ा या घटा?

नीलम एक्का को बिलासपुर संभाग का कमिश्नर बनाया गया है। पहली बात, आप नीलम के नाम पर मत जाईयेगा, नीलम अच्छी छबि के पुरूष अधिकारी हैं। छत्तीसगढ़ के प्रमोटी आईएएस में सबसे सीनियर। 2005 बैच में दो अधिकारी हैं। टीपी वर्मा और नीलम एक्का। नीलम इससे पहले राजस्व सिकरेट्री रह चुके हैं। इस हैसियत से वे पूरे स्टेट के राजस्व मामले की सुनवाई करते थे। अब संभाग के आयुक्त बन गए हैं। इस तरह की कुर्सी तोड़ने वाली पोस्टिंग उनके स्वभाव में नहीं। हालांकि, ये क्लियर नहीं कि वे कमिश्नर की पोस्टिंग से वाकई खुश नहीं हैं मगर ब्यूरोक्रेसी में कहा तो ऐसा ही जा रहा है।

छोटी लिस्ट

छत्तीसगढ़ में आईएएस, आईपीएस ट्रांसफर की एक लिस्ट आने की चर्चा बड़ी तेज है। चार-पांच दिन से लोग डेट के भी दावे कर रहे...9-10 जुलाई तक आदेश निकल जाएगा। खैर चर्चाओं में कुछ दम तो नजर आ रहा। एक छोटी लिस्ट आ सकती है। इनमें दो-एक आईएएस और लगभग इतने ही आईपीएस होंगे। मगर डेट का अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। क्योंकि, ट्रांसफर का इतना हल्ला हो गया है कि हो सकता है डेट आगे टल जाए।

अंत में दो सवाल आपसे

1. ओबीसी कल्याण आयोग के अध्यक्ष के लिए रिटायर आईएएस आरएस विश्वकर्मा को ढूंढ कर क्यों निकाला गया?
2. आठ महीना गुजर जाने के बाद भी छत्तीसगढ़ सरकार के कई मंत्रियों का लाइन और लेंग्थ क्यों नहीं सुधर रहा?

नक्सलियों का शहरी नेटवर्क हिरासत में ठेकेदारों से वसूली की करोड़ों रुपए लेव्ही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मोहला

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में नक्सलियों के खिलाफ पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। शनिवार को पुलिस ने बस्तर के बीजापुर तथा मानपुर से ताल्लुक रखने वाले नक्सलियों के शहरी नेटवर्क के 5 आरोपियों को हिरासत में लेकर खुलासा किया। माओवादी संगठन के लिए एक करोड़ रुपए से भी ज्यादा का तेंदूपत्ता ठेकेदार व अन्य लोगों से लेव्ही वसूल कर नक्सलियों को बीहड़ जंगल में सूटकेस पहुंचाई गई थी, इन्हीं पैसों से वर्तमान में जेल में बंद नक्सली नेता सुरजू टेकाम, उसकी बेटी और एक नक्सली के लिए मार्च माह में रायपुर से दिल्ली के लिए फ्लाइट टिकट बुक किया गया था। इसके साथ ही आरोपियों द्वारा नक्सलियों के घातक प्लान को अंजाम देने सामान की सप्लाई किया जाता रहा है।

आज सुबह 11 बजे राजनांदगांव रेंज के आईजी दीपक झा, पुलिस कप्तान वायपी सिंह, एएसपी मयंक गुर्जर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस सनसनीखेज मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि जेल में बंद नक्सल मामले के एनआईए आरोपी तथाकथित आदिवासी नेता सुरजू टेकाम माओवादी संगठन के प्रचार-प्रसार के लिए और अपने नेटवर्क को आगे बढ़ाने के लिए लगातार शहरी क्षेत्र में भ्रमण कर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी माओवादी संगठन द्वारा पर्दे के पीछे से प्रायोजित ऑपरेशन कगार, कापोरिटीकरण, सैनिकीकरण के विरोध में 23 मार्च 2024 को दिल्ली में कार्यक्रम आयोजित था।

ऐसे की वसूली

नक्सलियों द्वारा भैरमगढ़ बीजापुर क्षेत्र में तेंदूपत्ता व अन्य ठेकेदारों को जानमाल का नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर बीजापुर जिले के निवासी माओवादी संगठन के शहरी नेटवर्क सोनाराम फरसा, विजय जुरी, रामलाल करमा और राजेंद्र कड़की के माध्यम से लेव्ही वसूली की जा रही थी। इन चारों को वर्ष 2022 में एक करोड़ रुपए के वसूली का टारगेट नक्सलियों द्वारा दिया गया था। तेंदूपत्ता ठेकेदारों से इनके बैंक खाते में 60 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ। इसके अलावा नगद रुपयों को निकालकर वे लोग जंगल में नक्सलियों तक पहुंचाया।

1 लाख का इनामी डीएकेएमएस अध्यक्ष मिडियाम समेत चार नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। डीआरजी व बासागुड़ा थाना के जवानों ने मल्लेपल्ली बण्डागुड़ा के जंगल से 1 लाख के ईनामी डीएकेएमएस अध्यक्ष सहित 4 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। उन पर पुलिस पार्टी पर फायरिंग की घटना में शामिल होने का आरोप है। जिले में चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के दौरान थाना बासागुड़ा व डीआरजी के जवानों की संयुक्त पार्टी सर्चिंग कार्यवाही के लिए निकली थी। इस दौरान मल्लेपल्ली बण्डागुड़ा के जंगलों से एक लाख रुपये के ईनामी डीएकेएमएस अध्यक्ष मिडियाम लच्छू पिता मिड्डा उम्र 50 निवासी बंडागुडा मल्लेपल्ली, मिलिशिया सदस्य उईका लक्कू पिता मासा उम्र 45 निवासी बंडा गुडा मल्लेपल्ली, पार्टी सदस्य संतीश मिडियाम उर्फ महेश उर्फ प्रशांत उर्फ सोमा पिता मिड्डा मिडियाम उम्र 35 निवासी बण्डागुडा मल्लेपल्ली व पार्टी सदस्य मिडियाम कमला शर्मिला उर्फ सोमे उईके पति महेश मिडियाम उम्र 30 निवासी बण्डागुडा मल्लेपल्ली को पकड़ा हैं।

पिकनिक मनाने गया युवक डूबा, अब तक नहीं मिला शव

खैरागढ़। जिम से निकलकर घरवालों को बिना बताए पिकनिक मनाने गए 18 साल के युवक की पानी में डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सिविल लाइन निवासी अजय आर्या का 18 साल का बेटा पीयूष आर्या सिविल लाइन स्थित जिम से निकलकर अपने चार दोस्तों अभय, अंशुमन, सुजल और श्रेयांश के साथ चंगुर्दा से कुछ आगे कुकरापाठ के पास पिकनिक मनाने गया था। जिसकी जानकारी उसने घरवालों को भी नहीं दी थी। दोपहर दो बजे के आसपास नदी में उतरकर वह आगे बढ़ता रहा। उसके दोस्तों ने भी उसे आगे बढ़ने से मना किया, लेकिन पीयूष अपनी धुन में चलते-चलते घुटने से कमर तक, उसके बाद अचानक गहराई ज्यादा होने के कारण डूबने लगा। उसके चिल्लाने के बाद भी कोई आगे नहीं बढ़ पाया, क्योंकि उसके साथ गए किसी दोस्त को तैरना नहीं आता था। पीयूष को बचाने के लिए चारों के पास चिल्लाने के सिवा कोई और मौका नहीं था। स्थिति यह हो गई थी कि चारों की आंखों के सामने पीयूष गहरे पानी मे समा गया।

ग्रामीण की पीट-पीट कर हत्या, 10 लोग हिरासत में

कसडोल। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कटवाझार में युवक को लाठी डंडे से पीट-पीट कर हत्या कर दिए जाने का सनसनी खेज मामला सामने आया है। इस घटना में शामिल करीब 10 संदिग्ध आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार कसडोल थाना अंतर्गत वन क्षेत्र का गांव कटवाझार में शुक्रवार-शनिवार की रात करीब आठ बजे ग्रामीण जय नारायण पिता पुरषोत्तम ठाकुर 42 वर्ष की गांव के ही करीब 10 लोगों ने लाठी डंडे एवं पत्थर से पीट-पीट कर हत्या कर दी।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

आवश्यकता

आवश्यकता है- दवाई डिपो (C&F) में मेहनती युवक/ महिला 10वीं पास, एक वर्ष अनुभवी अथवा, नये भी संपर्क कर सकते हैं. **मनोज जी खत्री टावर औषधि वाटिका मेडिकल काम्पलेक्स डूमरतराई रायपुर मों नंबर - 7049024000. 8959884849.** (RO-6452)

आवश्यकता है- ट्रांसपोर्ट व्यवसाय में कार्य किये हुए स्मार्ट लड़के की आवश्यकता है। 2-3 साल अनुभवी को प्राथमिकता। **संपर्क:- क्लासिक स्पार्कलर्स** BSNL**आफिस के सामने जय गोपाल सोसायटी फाफाडीह चौक रायपुर 9329425583.** (RO-230)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- हेल्थ सेक्टर में करियर बनाएं, 8/10/12 वी फेल लड़के / लड़कियां ना हो निराश मेडिहब्स होम हेल्थ केयर से जुड़ कर कमाएं 8000 से 25000 प्रतिमाह + रहना फ्री रजिस्ट्रेशन हेतु **संपर्क करें ऑफिस रायपुर : 7772011223.** (RO-3919)

घरेलु कार्य/ड्रायवर

आवश्यकता है- वी.आई.पी चौक लाभांडी रायपुर में सभी घरेलू कार्य, ,एंव शाकाहारी खाना बनाने हेतु महिला एंव पुरुष (ड्रायवर या गार्ड) चाहिए। रहने की जगह दी जायेगी, ग्रामीणों को प्राथमिकता। पान, गुटका, तंबाखू या किसी भी तरह का नशा न करने वाले पति- पत्नी (बच्चे साथ में ना रहते हो) संपर्क करें-: 9300593000. (RO-1222)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Healthcare

हेपाटाईटिस,एच.आई.वी. हर्पिस रोग एवं यौन समस्या

हेपाटाइटिस, हर्पिस, एवं एच.आई.वी. रोग अत्यंत घातक एवं खतरनाक वायरस हैं इसे किसी के कहने पर सुनी सुनाई अन्दाज से दवा खाकर समय की बर्बादी एवं जीवन से खिलवाड़ मत कीजिए, क्या आप गोली दवा ईलाज करके इस भ्रम में हैं कि रोग मुक्त हो गये अतः खून की जाँच कराएं तो पता चलेगा कि आप जड़ से रोग मुक्त हुए या नहीं । समझ में न आये तो स्वयं आकर मिले। स्त्री-पुरुष के गुप्तांग (योनि एवं इन्द्रिय) मे दाने छाले फून्सी, लाल होना फटना, जलन व दर्द योनि में खुजली एवं सफेद लाल व बदबूदार पानी, बुखार जैसा लगते रहना मुँह में छाले, शरीर में पानी भरे फफोले दर्द एवं जलन, गुप्तांग से पीप (पस) जाना शरीर में खुजली होते हो तो यह हर्पिस रोग होने की संभावना है। **यौन समस्या** : इन्द्रीय का शिथिल होना वीर्य का पतलापन या नहीं बनना मधुमेय जन्य नपुंसकता, नसों की सिकुड़न, इरेक्टाइल डीसफंक्शन, लिंग का लकवा (पेनाइल पैरालाइस) शीघ्र पतन, स्वप्न दोष, उत्तेजना की कमी, हस्तमैथुनजन्य नपुंसकता, मूत्र मार्ग से सफेदी जाना, यूरेथा स्ट्रेक्चर अर्थात (पेशाब में रुकावट बूंद बूंद या नहीं उतरना) जलन ऐसे होते हो तो ध्यान रहें उपरोक्त बीमारियों का स्थाई ईलाज केवल आयुर्वेद के रस रसायन में ही है।

बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी. के. अग्रवाल (बीएएमएस, आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल फार्मा साईटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग.।
मोबा.: 9425555659, 9617789223, 9303948500, 9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईंटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

मैनेजर/सेल्समैन

आवश्यकता है- पंडरी स्थित मेंस क्लॉथिंग शोरूम में काम करने हेतु मेल स्टोर मैनेजर, सेल्समेन एंव हेल्पर्स की आवश्यकता है। **संपर्क करें:- 9039709007.** (RO-7359)

ड्रायवर

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवरों की आवश्यकता है, जिनको संपूर्ण छत्तीसगढ़ की जानकारी हो, वैद्य लाइसेंस के साथ संपर्क करें वेतन 15000/- तक, रहने की सुविधा **उपलब्ध- देव ट्रेवल कार रेंटल सर्विस, मोतीबाग, रायपुर. मोबाइल - 8959910211.** (RO-1621)

आवश्यकता है- पुणे/ मुम्बई लाईन में कैन्टर (12 टन) चलाने हेतु कुशल डायवरों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन, भत्ता एवं अन्य सुविधायें परिवार वालो को ही प्राथमिकता। **संपर्क:- क्लासिक स्पार्कलर्स,** BSNL **आफिस के सामने जय गोपाल सोसायटी फाफाडीह चौक रायपुर 9329425583.** (RO-231)

आवश्यकता है- विज्ञापन की गाड़ी (टाटा एस) ई- रिक्शा चलाने हेतु ड्राइवरों की एवं मेहनती लड़कों की **संपर्क मां एड एजेंसी रायपुरा चौक। मोबाइल 7974351591.** (RO-3721)

फोटोशॉप वर्क

आवश्यकता है- फ्लैक्स दुकान में कार्य करने हेतु कोरल-ड्रा एवं फोटोशॉप के जानकार/ अनुभवीं ही **संपर्क करें- सत्या फ्लैक्स, बुद्धविहार के सामने, जी.ई. रोड, चरौदा, भिलाई, 9098701502, 9329665817.** (RO-7455)

हरिभूमि क्लासीफाईड

सिक्योरीटीगार्ड

आवश्यकता है- विकास कुम्रा सिक्योरिटी एजेंसी भूतपूर्व सैनिकों की आवश्यकता है सिक्योरिटी गार्ड गनमैन के लिए DGR रेट पर सरायपाली लखौली और अन्य स्थानों पर **संपर्क 6280606010.** (RO-A)

आवश्यकता है- "होटल" जेलरोड, तेलीबांधा हेतु सुपरवाइजर 8, सुरक्षा गार्ड 45, लेडी गार्ड 8, ड्राइवर 8, कंप्यूटर ऑपरेटर 10, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर (आवास एक टाइम भोजन फ्री गार्ड हेतु) वेतन 11000/- से 15000/- **संपर्क:-** ALERT SGS PRIVATE LIMITED **434 चतुर्थतल प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर मोबाइल नंबर:- 7746000016, 7747000019.** (RO-2915)

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित कलेक्शन एजेंसी को आवश्यकता है : टेलीकॉलर- 10 पद। ग्रेजुएट ,कम्प्यूटर की जानकारी अनिवार्य. वेतन 12000 + , अनुभवी को प्राथमिकता। **संपर्क : आरडीए कॉम्प्लेक्स शॉप नंबर 15 फर्स्ट फ्लोर न्यू राजेंद्रनगर, रायपुर. : 7611107557, 7611107533.** (RO-540)

प्रचार-प्रसार

आवश्यकता है- दुर्ग भिलाई- आयुर्वैदिक कंपनी का प्रचार प्रसार ऐवम Telly Calling के लिए 5 युवक-युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यतानुसार- **62682-79954.** (आरो नं -844)

डिलीवरी कार्य

आवश्यकता है- जीएमएस कोरियर ऑफिस पंडरी रायपुर मे फिल्ड में कोरियर डिलिवरी एवं ऑफिस में कम्प्यूटर, कस्टमर विजिट कार्यहेतु लड़के लड़कियों और टाटाएस ड्राइवर चाहिए।बायोडाटा वाटशप करें। **9399676408.** (RO-199)

हाऊसकीपिंग

आवश्यकता है- सिविल लाइन रायपुर बंगले मे रसोइया महाराज,रसोइया सहायक एवं हाऊसकीपिग (पुरुष/महिला) की। बंगले में कार्य किए हुए व्यक्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। रहने की सुविधा। **संपर्क करें:- 9109117063, 6232936927.** (RO-261)

साफ सफाई कार्य

आवश्यकता है- तेलीबांधा ऑफिस रायपुर में काम करने साफ सफाई झाड़ू पोछा बाथरूम चाय बनाने आदि के लिए लड़की या महिला की आवश्यकता है **संपर्क करें 62600-77826.** (आरो न.-556)

कम्प्यूटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- मेडिकल सीएंडएफ (दवाई के होलसेल डिपो) में बिलिंग कार्य हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर (युवक / युवती) की आवश्यकता है। अनुभवी ही मिले : **नरेंद्र फार्मा डंगनिया 9425542077, 9669426111.** (RO-301)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार **संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.** (RO-2922)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- शहर से बाहर रहकर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के 10वीं 12वीं, स्नातक अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 10000 से 20000 कमीशन, बोनस रहना खाना फ्री **सम्पर्क करें- 7987711297, 7000361880.** (RO-35080)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000+ कमीशन+बोनस ट्रेनिंग के बाद कमाए 15,000 से ज्यादा **गोल चौक DDU नगर रायपुर +91 7417779219.** (RO-A)

आवश्यकता है- इंदौर (एमपी) में ऑफिस कार्य हेतु (18 से 28वर्ष) 10वी, 12वी, स्नातक लड़कों की आवश्यकता है वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस+ रहना फ्री कोई शुल्क नहीं लगेगा। **सम्पर्क करें- 9575712101, 7389318055.** (RO-1423)

केयर/टेकर

आवश्यकता है- चंदखुरी रायपुर स्थित कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर/ केयर टेकर/ कुत्तों की देखभाल, खाना खिलाने का काम है. वेतन 9000 रूपये, खाने रहने की सुविधा. नशेड़ी **संपर्क न करें.- मो. 9981116210.** (RO-7500)

लेबर

आवश्यकता है- तुरंत आवश्यकता है राजनांदगांव के पास फार्म में ही रह कर काम करने के लिए परमानेंट लेबरों की। परिवार वालों (पति-पत्नि) को प्राथमिकता। **संपर्क करें- 89599-04541.** (आरो नं - 6360)

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- दुर्ग एवं भिलाई ऑफिस में टेलीकॉलिंग कार्य करने हेतु युवतियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है। योग्यता 5वीं से स्नातक । वेतन- 4000 + कमीशन । **संपर्क - मो. - 9131259311, 9685734144.** (आरो न.-554)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

अन्य

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर सरकारी नौकरी, कम्पनी द्वारा भारतीय वनविभाग द्वारा निकली सीधी पक्की भर्ती परमानेंट बेसेस पर, सीट (8050) पद - फॉरेस्टगार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी, सैलरी - (28600 -35600), (10वी- 12वी पास) लड़के लड़कियां आवेदन के लिए आधारकार्ड,पासपोर्ट साइज फोटो, मार्कसीट,व्हाट्सएप / **कॉल करें -8167235106.** (RO-409)

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के, लड़कियों , गृहणियां कमाए (18000- 55000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ SMS/ WhatsApp/ **करें - 07903284986.** (RO-385)

आवश्यकता है- जिलानुसार फॉरेस्ट कम्पनी डिपार्टमेंट को 1150/- लड़के लड़कियों की योग्यता (8वी - ग्रेजुएट), सैलरी (32500- 64500) रहना +खाना फ्री पद वनरक्षक , फील्डऑफिसर , ड्राइवर, गनमैन इच्छुक व्यक्ति / रिटायर्डफौजी अपना फोटो , आधारकार्ड , मार्कशीट , **व्हाट्सएप करें - 9120184952.** (RO-389)

आवश्यकता है- (स्वयं का रोजगार) (अपना रोजगार) आयुवेदिक कंपनी में शिक्षित/बेरोजगार लड़कें- लड़कियाँ हाउसवाइफ पार्टटाइम/फुलटाइम घर बैठे दवाई पैकिंग करके 30,500/- से 45,500/- महीना कमाएं रोजगार बढ़ाए (जरूरतमंद लोग कॉल/ WHATSAPP करें) NOC -2150/- +91 **6267324667.** (RO-1329)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000- 50,000 प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट **संपर्क:-** APS **इंटरप्राईजेस, रायपुर- 7477221345, 9977676447, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़- 7869755871.** (RO-2894)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - सेजबहार हाउसिंग के पास कॉलोनी में 3500 वर्गफीट प्लाट 29लाख में, बोरियाखुर्द साई विहार में 1700 वर्गफीट 23लाख में, 600 वर्गफीट 7लाख, डोमा में 2000 वर्गफीट आदिवासी प्लाट 9लाख में **संपर्क:- 8964000029.** (RO-2921)

जमीन

जमीन बेचना है- बोरीगारका उतई जिला दुर्ग मे गर्व कॉलेज से एक किलोमीटर पहले मकान बनाने योग्य 2200 वर्गफुट जमीन बेचना है मेनरोड से मात्र 50 मीटर अंदर गर्व इंजिनियरिंग कॉलेज के पहले 650 रूपये स्क्वायरफ़ीट मे तुरंत बेचना है जमीन 40x55 है **संपर्क - 7024635415, 8717890000.** (आरो न.-557)

बेचना है - बिलासपुर गोल बाजार कमर्शियल क्षेत्र स्थित शाप 453 वर्गफीट तीन मंजिला एवं 540 वर्गफीट दो मंजिला अलग अलग एवं एक साथ बेचना है। **सम्पर्क करें- नरेंद्र अग्रवाल 9826138787.** (RO-35077)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

हमारे देश भारत को आजाद हुए 77 वर्ष पूरे हो रहे हैं। हम स्वाधीनता दिवस का उत्सव पूरे उत्साह और उमंग के साथ जरूर मनाएं। लेकिन इस अवसर पर कुछ सवालों के जवाब खोजना भी जरूरी है। जैसे- क्या आजादी के पहले देखे गए हमारे सपने पूरे हो सके हैं? एक आम भारतीय इस सपने को पूरा करने में किस तरह की भूमिका निभा सकता है? वैश्विक शक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत आज भी जाति और धर्म को लेकर उपजे मतभेद और विद्वेष का सामना कर रहा है। इसकी क्या वजहें हैं और इस समस्या का क्या समाधान हो सकता है? देश को सशक्त राष्ट्र और मजबूत लोकतंत्र बनने के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा क्या है, इसे कैसे दूर किया जा सकता है? इन सवालों पर अलग-अलग क्षेत्र की नामचीन हस्तियों ने **सरस्वती रमेश** से साझा किए अपने विचार।

हम मिलकर पूरा करें सशक्त-विकसित भारत का सपना

{ अभिमत }

विकसित राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर हो रहा भारत

अश्विनी कुमार सिवाच
मेजर जनरल (रिटायर्ड)
फॉर्मर हेड ऑफ टेरिटोरियल आर्मी

वर्ष 1947 में देश जब आजाद हुआ, उस समय हमारी आर्थिक स्थिति काफी खराब थी। लेकिन इन 77 वर्षों में भारत ने तेजी से विकास किया। आज भारत विश्व की पांचवीं बड़ी इकोनॉमी है, आने वाले समय में हम तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनने जा रहे हैं। आज के समय में हम दुनिया की चौथी मिलेट्री पावर भी हैं। देखा जाए तो भारत के साथ आजाद हुए अन्य देशों के मुकाबले, हमारे देश ने अच्छी तरक्की की है और आजादी के सौ साल पूरे होने तक विकसित भारत का लक्ष्य भी पूरा कर लेंगे।

आने वाले समय में भारत दुनिया का मार्गदर्शक बनकर उभरेगा। लेकिन एक सच यह भी है कि हम जाति-धर्म के नाम पर आपस में बंटकर देश को कमजोर भी करते रहते हैं। हम ना भूलें कि धर्म हमें बांटने के लिए नहीं एकजुट करने के लिए होना चाहिए। जिस तरह सेना में हर जाति, हर धर्म के लोग पूरी निष्ठा से अपना काम करते हैं। उनसे हर देशवासी को सीखने की जरूरत है। कुछ राजनेता अपने राजनीतिक लाभ के लिए लोगों को बांटते हैं। उनकी बयानबाजियों से भ्रमित होने की जरूरत नहीं है। हमारा देश एक सेक्युलर देश है और इसका सबसे बड़ा प्रमाण है, यहां रहने वाले विभिन्न धर्मों के लोग। जमीन पर हम एकजुट हैं और हमें बांटने के लिए यदि कोई राजनीति करता है तो वह दुर्भाग्यपूर्ण है। आजादी के बाद से हमारे लोकतांत्रिक ढांचे में भी काफी सुधार हुआ है, जबकि हमारे पड़ोसी देशों में लोकतंत्र की दशा से हम सब परिचित हैं। यह लोकतंत्र के कारण ही है कि भारत ने हर क्षेत्र में विकास किया है। हमारे देश के युवा जागरूक और सक्रिय हैं, जो भारत को सही दिशा देने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

अब सवाल आता है, वर्तमान समय में देश के सामने मौजूद सबसे बड़ी चुनौती की तो भारत के विकास में सबसे बड़ी बाधा बेरोजगारी की समस्या है। हमारे युवाओं को इस तरह ट्रेंड नहीं किया जा रहा है कि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें। उनकी बेसिक शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि उन्हें रोजगार मिल सके या वो अपना रोजगार कर सकें। दूसरी बाधा जनसंख्या विस्फोट की है। हमारे पास संसाधन सीमित हैं, इसलिए हमें अपनी पॉपुलेशन पर जल्द से जल्द नियंत्रण करना चाहिए और यह शिक्षा के प्रचार-प्रसार से ही संभव हो पाएगा। हमें शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाना होगा और महिलाओं को भी सशक्त बनाना होगा। जब तक महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत नहीं होंगी, विकास अधूरा ही रहेगा।

भारत के सशक्तिकरण की राह में अगली चुनौती अमीरों और गरीबों के बीच की लगातार बढ़ती खाई है। इस खाई को कम करने की दिशा में काम किया जाना चाहिए। इसके लिए पिछड़े आदिवासी लोगों के विकास के लिए समुचित प्रयास की जरूरत है। इसके अलावा क्लाइमेट चेंज के दुष्प्रभावों से बचने के लिए भी हमें सतर्क रहना होगा। बहरहाल, तमाम विरोधाभासों के बावजूद मुझे पूरी आशा और भरोसा भी है कि 2047 तक हमारा भारत विकसित देशों की श्रेणी में आ खड़ा होगा। *

धर्म-जाति की सोच से ऊपर उठकर ही देश बनेगा सशक्त

प्रकाश सिंह
फॉर्मर डीजी-बीएसएफ

आजादी से पहले देखे गए सारे सपने पूरे हो गए, यह कहना तो मुश्किल है। हमारी भौतिक प्रगति तो हुई है, जीवन स्तर में सुधार हुआ है, इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हो गया है, भारत की अर्थ व्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन हमारे मूल्यों में बहुत ह्रास हुआ है। सामाजिक ताना-बाना कमजोर हुआ है। परिवार टूटते जा रहे हैं। अपराध बढ़ रहा है। रिश्तों में पवित्रता खत्म होती जा रही है। भ्रष्टाचार लोगों के खून में घुस गया है। आजादी से पहले हमने ऐसे भारत का स्वप्न तो नहीं देखा था। ये गर्व की बात है कि आज हम चांद और मंगल तक पहुंच रहे हैं। हमारी इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही है। मगर सामाजिक मूल्य खत्म होते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि आज हमारी राजनीति रसातल में गिरती जा रही है।

राजनीति में कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी के खिलाफ अनाप-शनाप कुछ भी बोल सकते हैं। गाली-गलौज दे सकते हैं। आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के राजनीति में घुसने पर कोई रोक नहीं है। यह हमारे देश की अजीब विडंबना है और इसे रोकने के लिए कोई उपाय नहीं किया जा रहा है। राजनीति की गंदगी पूरे समाज को प्रभावित कर रही है। यदि एमपी, एमएलए गलत काम कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं, ऐसा आम आदमी सोचता है। शिक्षा का स्तर भी बहुत निम्न है। अंग्रेजों ने हिंदू और मुसलमानों को आपस में लड़ाकर राज किया, लेकिन आज हमारे नेता सिर्फ वोट की खातिर धर्म को ही नहीं जाति-जाति को भी लड़ा रहे हैं।

कुछ पार्टी के लोग तो इस तरह बात करते हैं कि जैसे उनके लिए राष्ट्रहित कोई मायने ही नहीं रखता सिर्फ वर्ग विशेष के वोट को अपने पक्ष में करने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। हमें तो ऐसी सोसायटी बनाने का स्वप्न देखना चाहिए, जहां ना कोई जाति की चर्चा हो ना वर्ग की। सब समान रहें। भारत के नागरिक बनकर रहें, तभी देश प्रगति करेगा, विकसित बनेगा।

अलगाववाद की प्रवृत्ति देश की एकता और अखंडता के सामने सबसे बड़ी बाधा है। कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में अलगाववाद की समस्या अभी खत्म नहीं हुई है। अलगाववादियों के खिलाफ सरकार को सख्ती बरतने की जरूरत है। कुछ पार्टियां राजनैतिक बदले या अहम की पूर्ति के लिए अलगाववाद को बढ़ावा दे रही हैं। पहले राजनीति में आइडियोलॉजी होती थी। अब कोई आइडियोलॉजी नहीं है, सिर्फ सीट बढ़ाना एकमात्र लक्ष्य है। यह सोच और परिदृश्य बदलना चाहिए।

यह सही है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है लेकिन इसमें कई गंभीर कमियां हैं। जैसे हमने अपनी डेमोक्रेसी में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों के प्रवेश पर कोई रोक नहीं लगाई है। जिस पार्लियामेंट और विधानसभाओं में अपराधी पृष्ठभूमि के लोग बैठे हों, उससे हम क्या उम्मीद कर सकते हैं? हमारी कानून व्यवस्था भी लचर है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए यह जरूरी है कि जघन्य अपराधियों को चुनाव लड़ने से रोका जाए। देश को बचाना, सशक्त बनाना है तो कड़े फैसले लेने होंगे। *

धर्म-जाति के नाम पर बंटकर देश मजबूत नहीं हो सकता

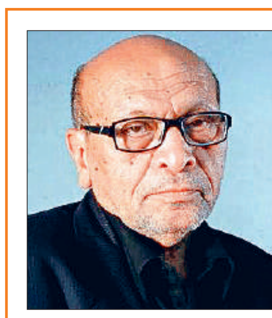

असगर वजाहत
साहित्यकार

मेरा मानना है कि आजादी से पहले देखे गए सपने, मध्य वर्ग के तो कुछ हद तक पूरे हुए हैं। आज मध्य वर्ग की आर्थिक स्थिति सुधरी है। उसके पास सुख-सुविधाएं बढ़ी हैं। लेकिन जो निम्न मध्य वर्ग है या निम्न और वंचित-शोषित वर्ग है, उनका सपना चकनाचूर हुआ है। आजादी से पहले उनकी जो स्थिति थी, उसमें और भी गिरावट आई है, क्योंकि उनकी आमदनी बढ़ी नहीं और महंगाई बढ़ती रही। यही कारण है कि शहरों में झुग्गी, झोपड़ियां बहुत बढ़ गई हैं। तो कह सकते हैं कि उच्च वर्ग मध्यम वर्ग और शासक वर्ग के तो सपने पूरे हुए हैं लेकिन निम्न वर्ग के नहीं। आदिवासियों के भी नहीं।

इस सपने को पूरा करने के लिए आम जनता की भूमिका अहम है। जनता ने ही देश को आजादी दिलाई थी। जनता को ऐसी सरकारों को सपोर्ट करना चाहिए, जो उनके विकास की बात करे। चिंता की बात यह भी है कि शोषित वर्ग के लोगों में इतनी जागरूकता नहीं आ पाई है कि वे अपना भला-बुरा समझकर सही सरकारों को चुनें। हमें याद रखना होगा कि सामाजिक और आंतरिक रूप से विभाजित रहकर आर्थिक महाशक्ति बनने की बात बेमानी है। कई रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि पिछले एक-डेढ़ दशक में भारत की जीडीपी बहुत बढ़ गई है। लेकिन आज भी एक बड़ा तबका गरीबी रेखा के नीचे है।

हमारा देश विश्वशक्ति तभी बन सकता है, जब यहां धर्म के नाम पर पाखंड के लिए कोई जगह नहीं होगी। जाति के नाम पर विभाजन नहीं होगा। कोई अशिक्षित नहीं होगा। इसके साथ ही देश के अंदर एकता, शांति और सौहार्द होना चाहिए। बिना शांति के कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता है। देश में यदि विभाजनकारी शक्तियां हैं तो वे प्रगति के खिलाफ हैं। विभाजनकारी शक्तियों का एजेंडा देश को बांटना होता है। देश को मजबूत और विकसित बनाने के लिए इनसे बचना होगा। इनसे बचने के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। धर्मांधता का जवाब, जातिगत विद्वेष का जवाब शिक्षा ही है। लेकिन दुखद यह है कि शिक्षा का बजट अपेक्षानुरूप बढ़ने के बजाय कम हो रहा है। मुनाफा कमाने वाले स्कूल और कोचिंग सेंटर खोले जा रहे हैं। शिक्षा के स्तर पर कम और मुनाफे पर अधिक ध्यान रहता है। क्या इस तरह देश, विश्वशक्ति बन पाएगा?

इसमें कोई शक नहीं कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें गहरी हैं। जहां तक उन्हें मजबूत करने का सवाल है तो इसका जवाब भी शिक्षा है। हमें लोगों को जागरूक और शिक्षित करने की जरूरत है क्योंकि लोगों को धर्म, जाति के नाम पर बांटकर तो लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। लोग यदि पैसे लेकर वोट देंगे तो वह लोकतंत्र नहीं धन तंत्र हो जाता है।

मुझे लगता है कि आज के दौर में अधिकतर राजनीतिक दल और नेता लोकतंत्र को मजबूत करने से ज्यादा अपने वोट बैंक को मजबूत करने पर ध्यान देते हैं। जब तक वोट बैंक बनाने वाली राजनीति को खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक लोकतंत्र सशक्त नहीं हो पाएगा। हम सभी नागरिकों को स्वयं आगे बढ़कर इस दिशा में कुछ करना होगा। आम जनता चाहे तो बहुत कुछ कर सकती है, स्थितियां बदल सकती हैं, देश सशक्त बन सकता है। *

भारत का लोकतंत्र स्थायी था, स्थायी है और स्थायी रहेगा

ऋतु सारस्वत
समाजशास्त्री

हम सभी भारतवासियों का स्वप्न, भारत के 'विराट स्वरूप' को साकार होते हुए देखना है। यद्यपि यक्ष प्रश्न यह है कि यह स्वप्न, जिन अथक प्रयासों पर निर्भर करता है क्या वह निष्ठा और कर्तव्यशीलता हम सबके भीतर व्याप्त है? अगर हम अपने मन को टटोलेंगे और ईमानदारी से उत्तर दें तो पाएंगे कि हम कहीं ना कहीं उस प्रयास में अपना संपूर्ण नहीं देते। इस स्वप्न को पूरा करने के लिए जिस निष्ठा से कार्य करना चाहिए, उसमें कहीं ना कहीं भटकाव है। यह कई वजहों से है। जाति व्यवस्था उनमें से एक है। दुर्भाग्य यह है कि जाति का मूल स्वरूप 'वर्ण व्यवस्था' रहा है, जो कि अपने विकृत रूप में जातिगत व्यवस्था में परिवर्तित हो गया। भारतीय समाज की जब हम संकल्पना करते हैं तो जाति प्रभुत्व का ऐसा मूल बिंदु दिखता है, जिसे अपने निजी और तुच्छ स्वार्थ के लिए समाज का कोई भी वर्ग नहीं छोड़ना चाहता।

अचरजकारी तथ्य यह है कि हर कोई जाति के प्रति अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है लेकिन उसे त्यागने को कोई भी तत्पर दिखाई नहीं देता। इसका मूल कारण प्रभुत्व का वह समीकरण है, जो जाति के आधार पर ही पोषित होता है। यह जाति व्यवस्था खत्म ना होने के पीछे का कारण है सत्ता की चाह। भारत में प्रभुत्व की चाह की पूर्ति, जाति के धरातल पर ही खड़े होकर प्राप्त हो सकती है। जाति ही एक ऐसा विषय है, जहां व्यक्ति धृतराष्ट्र की तरह अपनी आंखों पर पट्टी बांध लेता है और इस बात पर विचार नहीं करता कि वह जिसे अपने प्रतिनिधि के रूप में चुन रहा है, वह उस पद की काबिलियत रखता है कि नहीं। चुनौतियों के समाधान के लिए उसके भीतर प्रतिभा है या नहीं। प्रतिनिधि के चुनाव का आधार मात्र 'जाति' ही होना भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का दुर्भाग्य है। पंचायती स्तर से लेकर लोकसभा चुनावों तक हर जगह इस प्रवृत्ति को देखा जा सकता है। लगता है आने वाले 50-60 सालों तक इसमें कोई बदलाव नहीं होगा।

हालांकि शिक्षित युवा वर्ग को जाति व्यवस्था और राजनीति में रुचि कम होती जा रही है। उन्हें आभास है कि देश की दिशा और दशा बदलने के लिए धर्म और जाति से भी अधिक महत्वपूर्ण, नेतृत्वशील पदों पर बैठे लोगों की स्वच्छ छवि है। मेरा मानना है कि जाति और धर्म के छद्म स्वरूप, देश की अखंडता में सबसे बड़े बाधक हैं। क्योंकि धर्म और जाति के आधार पर जो विभाजन है, वह स्नेहिल संबंधों को भी अलग करता है। हालांकि यह संभव नहीं परंतु अगर राजनीतिक दल जातिगत और धर्म के नाम पर जोड़े गए प्रलोभनों को हटा दें तो यह भारत की समरसता और अखंडता के लिए बहुत बड़ा कदम होगा। लेकिन कोई भी राजनीतिक दल ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि यही मुद्दा है जो उनके वोट बैंक का आधार बनता है।

इतना कुछ होते हुए भी भारत में लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत हैं और इसका सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि एक आम व्यक्ति अपनी काबिलियत के आधार पर किसी भी पद तक पहुंच सकता है। भारत की राजनीति के 77 वर्ष के इतिहास को अगर पलट कर देखा जाए तो ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे, जिन्होंने अपनी जिजीविषा के बल पर राजनीति में अपना वर्चस्व स्थापित किया है। पीढ़ी दर पीढ़ी सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया भारत में सुदृढ़ता से बनी हुई है। भविष्य भी ऐसे गर्वमय क्षणों का साक्षी बनेगा। भारत का लोकतंत्र स्थायी था, स्थायी है और स्थायी रहेगा। इसके भविष्य को किसी भी तरह संशयात्मक दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता है।

जहां तक सवाल सशक्त राष्ट्र निर्माण में लोगों की भूमिका की है तो दो तरह से यह भूमिका निभाई जा सकती है। एक तो यह कि आपको जो कार्य या जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे आप ईमानदारी से करें। दूसरा आप ऐसे व्यक्ति का चुनाव करें, जो निज स्वार्थ को त्याग कर राष्ट्र को उन्नति के पथ पर ले जाने के लिए कटिबद्ध हो। *

{ कविता }
प्रो. शरद नारायण खरे

राष्ट्र-वंदन

भारत मां के अभिनंदन में, आओ हम
जयगान करें।
नित्य चुनौती का उत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।
हमने रच डाली नव गाथा,
लेकर खड्ग हाथ अपने
नहीं हटाए बढ़े हुए पग,
पूर्ण किए सारे सपने
माटी को निज माथ लगाकर, आओ
मंगलगान करें।
नित्य चुनौती का प्रत्युत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।
शत्रु नहीं बच पाया हमसे,
पूत हमारे वीर सभी
सेनानी हम हैं मतवाले,
हाथ गहें शमशीर सभी
वक्त करे यदि मांग तो हंस-हंस, हम निज का
बलिदान करें।
नित्य चुनौती का उत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।
सीमाओं पर डटे हुए हम,
तीन रंग का मान रखें
जन-गण-मन की लाज निभाते,
कायम निज की शान रखें
त्याग करें और रखें एकता,
मिल-जुलकर सहगान करें।
नित्य चुनौती का उत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।
बिस्मिल, भगत सिंह हम ही हैं,
हम ही तो आजाद हैं
हम ही तो हैं नेहरू-गांधी,
हम हरदम आबाद हैं
संविधान में रखें आस्था, मिल-जुलकर
उत्थान करें।
नित्य चुनौती का उत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।
लहर-लहर लहराए तिरंगा,
जिसमें सबकी जान है
जिसमें आन हमारी बसती,
और भरा अरमान है
जो भी आए राहों में हम, उसका तो
अवसान करें।
नित्य चुनौती का उत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।

{ छोटी कहानी / **यशोधरा भटनागर** }

मातृभूमि की रक्षा में उसका शरीर गोलियों से ऐसा छलनी हुआ कि वह निढाल होकर गिर पड़ा, धरती रक्तरंजित हो उठी। यही लगा मां ने अपने लाल को आंचल में समेट लिया। देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले एक फौजी की कहानी।

आंचल

दनादन गोली बारी... शत्रु सेना पर वह अकेला भारी पड़ रहा था। शत्रु का काल बन उसकी गन, दनादन गोलियां बरसा रही थीं। तभी दूसरी ओर से गोलियां उसकी ओर लक्ष्य करती हुई बरसने लगीं। एक गोली उसकी बाईं भुजा में समा गई, दूसरी दाहिनी जांघ में और तीसरी दाहिने कंधे में। समूची देह लहू से नहा गई लेकिन वह न थमा, उसके हाथ गन के ट्रिगर पर मजबूती से जमे रहे। 'भारत माता की जय!', 'वंदे मातरम!' मातृभूमि के जयकारे उसके मस्तिष्क में कहीं नेपथ्य से गुंजित होते अनुभव करते-करते वह विजयी मुस्कान लिए वहीं निढाल हो गया।

सहसा उसे शुष्क अधरों पर कुछ गीलापन अनुभव हुआ। शायद आकाश की आंखें भी भीग गई हैं। अधखुले नेत्र, माटी से लिपटा वह। बम के धमाकों, गोलियों की आवाजों, युद्ध की लपटों में से मां का चेहरा झांका। एक ओजपूर्ण छवि, आत्मविश्वास से लबरेज, कर्त्तव्यपरायण फौजी पिता की देशभक्त पुत्री, शहीद वीर सिंह की भगिनी... उसकी मां!

जीजाबाई सी उसकी मां ने बचपन से ही वीरों की गाथाएं सुना कर, देशभक्ति के बीज उसके मन-मानस में सहज ही रोपित कर दिए। अभी उसकी मसें भीगी भी न थीं कि उसने अपने जीवन का लक्ष्य तय कर मां के सामने अपने मन की बात रखी तो मां ने उसके निर्णय का न केवल सम्मान किया बल्कि उसे मानसिक रूप से और मजबूत बनाने में कोई कसर न छोड़ी। अपने पिता और भाई के रणभूमि के किस्से मां इतने उत्साह से सुनाती कि वह जोश से भर जाता। फिर एक दिन अपने कलेजे के टुकड़े को उसके लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सैन्य अकादमी भेजते हुए भी मां के चेहरे पर कोई शिकन न थी। हां, उसके एकेडमी जाने के एक दिन पहले मठरी-लड्डू, शकरपारे से भरे डिब्बे तैयार कर रख दिए और उसकी पसंद के मटर-पनीर, केसरिया भात, दही बड़े और कितने ही व्यंजनों से थाली सजा, अपने हाथ से खूब प्यार से खाना खिलाया। वह कुछ चिढ़ा भी 'यह क्या मां! मैं बड़ा हो गया हूं।'

'हम्म' के अतिरिक्त वह कुछ न बोलीं। शायद वह अपनी ममता को तुष्ट कर रही थीं। अगले दिन उसे मुस्कराते हुए विदा कर उन्होंने एकदम से अपना मुंह फेर लिया। शायद फौजी की बेटी और वीर की बहन न खुद कमजोर पड़ना चाहती थी, न ही बेटे को कमजोर होने देना चाहती थी।

लेफ्टिनेंट बन जब वह मां के सामने खड़ा हुआ तो उसका चेहरा गर्व से दिपदिपा उठा, गर्दन कुछ और तन गई।

सूरज की रोशनी मद्धिम हो चली थी। धीरे-धीरे चहुंओर तम का प्रसार हो गया। एक शांति! ठंडी हवा धीरे से सहला गई! 'मां..! मां..!'

रक्तालंकृत वसुंधरा ने उसे अपने अंक में समेट लिया। वही ममतापगा आंचल... वही खुशबू... वही अहसास! मां समान... आंखें फिर मुंद गईं... सदा के लिए। *

{ पुस्तक चर्चा / **विज्ञान भूषण** }

काशी के स्वतंत्रता सेनानी

बनारस, वाराणसी या काशी की मुख्य पहचान धार्मिक और प्राचीन सांस्कृतिक नगरी के रूप में है, यह तो हम सभी जानते ही हैं। लेकिन ब्रिटिश शासन से भारत के स्वाधीनता संघर्ष में भी काशी के रणबांकुरों की अद्वितीय भूमिका रही थी, इस बारे में कम ही लोग जानते हैं। इस ऐतिहासिक तथ्य को प्रमाणों के साथ अनावृत्त करने का शोधपरक प्रयास संस्कृत की प्रोफेसर रचना शर्मा ने अपनी पुस्तक 'आजादी के रणबांकुरे और काशी' में किया है। इस किताब में लेखिका ने ना केवल काशी के उन स्थलों का विस्तार से वर्णन किया है, जहां स्वतंत्रता सेनानियों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। साथ ही काशी के उन सेनानियों के बारे में भी विस्तार से बताया है, जो यहां की धरती पर शहीद हुए या जिन्हें आजीवन कारावास की सजा हुई या जिन्होंने ब्रिटिश शासन से लोहा लिया। यह किताब ऐतिहासिक महत्व की है, जिसके जरिए काशी की पावन धरा पर जन्में देशभक्तों के बारे में जाना जा सकता है। *

पुस्तक: आजादी के रणबांकुरे और काशी, **लेखिका:** प्रो. रचना शर्मा, **मूल्य:** 249 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

- डिफेंस, पीएसयू व इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस करने वाली स्कीम
- कई इक्विटी फंड्स ने भी पिछले 1 साल में शानदार रिटर्न दिया
- एसआईपी में 84% से 120% तक का मल्टीबैगर रिटर्न दिया
- जून तिमाही में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 94,151 करोड़ निवेश हुए

मल्टीबैगर इक्विटी फंड्स का कमाल

एक साल में 120% तक रिटर्न दिया!

अमीर बनने का सपना हर कोई संजोय हुए है। हर कोई चाहता है कि व आर्थिक रूप से आजाद रहे। मसलन उसके हर खर्चे चुटकी बजाते ही पूरे हो जाएं। उसे किसी से मांगना न पड़े। ऐसी स्थिति बनाने के लिए जरूरी है आपका निवेश के प्रति समय रहते सचेत हो जाना। तभी आप पैसों के तरफ से मजबूत रहेंगे और अच्छा खासा पैसा जमा भी कर लेंगे। इसके लिए बस आपको लक्ष्य तय कर निवेश करना है

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अमीर बनने का सपना हर कोई संजोय हुए है। हर कोई चाहता है कि व आर्थिक रूप से आजाद रहे। मसलन उसके हर खर्चे चुटकी बजाते ही पूरे हो जाएं। उसे किसी से मांगना न पड़े। ऐसी स्थिति बनाने के लिए जरूरी है आपका निवेश के प्रति समय रहते सचेत हो जाना। तभी आप पैसों के तरफ से मजबूत रहेंगे और अच्छा खासा पैसा जमा भी कर लेंगे। इसके लिए बस आपको लक्ष्य तय कर निवेश करना है। देश के आम निवेशकों के बीच म्यूचुअल फंड स्कीम्स की लोकप्रियता साल दर साल तेजी से बढ़ रही है। कई इक्विटी फंड ऐसे हैं, जिन्होंने पिछले 1 साल में सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को 84% से 120% तक का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक जून तिमाही के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में 94,151 करोड़ रुपये निवेश किए गए, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 5 गुना से भी ज्यादा है। अप्रैल-जून 2023 के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कुल निवेश 18,358 करोड़ रुपये रहा था। इक्विटी फंड्स में निवेश के प्रति आम निवेशकों के रुझान में इस जबरदस्त तेजी की वजह है पिछले एक साल में मिला शानदार रिटर्न। यहां हम कुछ ऐसे ही इक्विटी फंड्स की बात करेंगे, जिन्होंने पिछले एक साल में इतने जबरदस्त रिटर्न दिए हैं कि इन्हें मल्टीबैगर स्कीम कहना गलत नहीं होगा।

सात मल्टीबैगर म्यूचुअल फंड स्कीम

मिसाल के तौर पर, देश में कम से कम 7 इक्विटी फंड ऐसे हैं, जिन्होंने पिछले 1 साल में सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को 84% से 120% तक का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इन सात में से छह स्कीम्स ने पिछले एक साल में एसआईपी के जरिये किए गए निवेश पर 90 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। वही कई स्कीम्स ऐसी भी है जो एक साल से लगातार बेहतर रिटर्न निवेशकों को दे रही हैं। इसलिए भी निवेशक एसआईपी में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि लंबी अवधि का निवेश हमेशा से ही फायदेमंद रहा है। चाहे वह किसी भी स्कीम में क्यों न हों।

1. एचडीएफसी डिफेंस फंड

- पिछले 1 साल में रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 111.36%
- पिछले 1 साल में रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 108.73%
- 1 साल में एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 120.11%
- 1 अगस्त को एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3,883.88 करोड़ रुपये

2023 में जून तिमाही में कुल निवेश 18,358 करोड़ रुपये रहा था

2. बंधन इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड

- पिछले 1 साल में रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 83.70%
- पिछले 1 साल में रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 81.51%
- 1 साल में एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 102.27%
- 1 अगस्त को एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1,934.06 करोड़ रुपये

3. एलआईसी एफएफ इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड

- पिछले 1 साल में रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 85.75%
- पिछले 1 साल में रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 83.77%
- 1 साल में एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 101.9%
- 1 अगस्त को एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 623.63 करोड़ रुपये

4. इनवेस्को इंडिया पीएसयू इक्विटी फंड

- पिछले 1 साल में रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 90.18%
- पिछले 1 साल में रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 87.74%
- 1 साल में एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 99.4%
- 1 अगस्त को एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1,662.59 करोड़ रुपये

5. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पीएसयू इक्विटी फंड

- पिछले 1 साल में रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 87.49%
- पिछले 1 साल में रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 84.96%
- 1 साल में एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 92.57%
- 1 अगस्त को एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 2,719.94 करोड़ रुपये

6. एसबीआई पीएसयू फंड

- पिछले 1 साल में रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 89.67%
- पिछले 1 साल में रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 87.53%
- 1 साल में एसआईपी पर एन्युलाइज्ड रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 91.1%
- 1 अगस्त को एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 4,623.18 करोड़ रुपये

3 साल में पैसे डबल, 5 साल में 5 गुना और 10 साल में 10 गुना

मनी मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस समय बाजार में कई म्यूचुअल फंड स्कीम हैं, जो अपने लॉन्च के बाद से ही साल दर साल निवेशकों के लिए रिटर्न मशीन साबित हुई हैं। इन्होंने साल दर साल निवेशकों को लगातार मुनाफा दिया है। इन स्कीमों ने 3 साल में पैसे डबल कर दिए, वहीं, 5 साल में 5 गुना और 10 साल में 10 गुना तक मुनाफा दिया है। ये म्युचुअल फंड स्कीम लगातार रिटर्न चार्ट पर अव्वल हैं। अगर आप निवेश के लिए किसी बेहतरीन स्कीम खोजने में सफल हो जाते हैं तो आपका पैसा साल दर साल तेजी से बढ़ता जाता है। वैसे बाजार में ऐसी कई म्यूचुअल फंड स्कीम हैं, जो अपने लॉन्च के बाद से ही साल दर साल निवेशकों के लिए रिटर्न मशीन साबित हुई हैं। इसी में एक है स्मॉलकैप फंड कैटेगरी की स्कीम निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड इस फंड के लॉन्च हुए 11 साल हो चुके हैं और तब से लेकर अबतक इसने 28 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। इस फंड की खासियत यह है कि इसने निवेशकों के पैसों को साल दर साल डबल, ट्रिपल या 10 गुना तक बढ़ा दिया है।

फंड के 3 साल का प्रदर्शन

- लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 33.37%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 137.78%
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 2,37,782 रुपये
- एसआईपी निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 43.1%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 83%
- 5000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 3,28,173 रुपये

फंड के 5 साल का प्रदर्शन

- लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 39.45%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 428.24%
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 5,28,239 रुपये
- एसआईपी निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 44%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 189.43%
- 5000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 8,68,286 रुपये

फंड के 10 साल का प्रदर्शन

- लम्प सम निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 26.46%
- लम्प सम निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 948.29%
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 10,48,294 रुपये
- एसआईपी निवेश पर एनुअलाइज्ड रिटर्न : 28.56%
- एसआईपी निवेश पर एबसॉल्यूट रिटर्न : 356.34%
- 5000 रुपये एसआईपी की वैल्यू : 27,38,033 रुपये

लॉन्च के बाद से ही हाई रिटर्न

- लॉन्च डेट : 1 जनवरी, 2013
- लॉन्च के बाद से रिटर्न : 28.38% सालाना
- बेंचमार्क : निफ्टी स्मॉलकैप 250 टीआई
- कुल एसेट्स : 56,469 करोड़ रुपये (30 जून, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (30 जून, 2024)
- मिनिमम इन्वेस्टमेंट : 5,000 रुपये
- मिनिमम एडिशनल इन्वेस्टमेंट : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

क्या कहते हैं आंकड़े

आंकड़ों से साफ है कि ये स्मॉलकैप कैटेगरी में आने वाला म्युचुअल फंड अपने लॉन्च के बाद से ही रिटर्न मशीन साबित हुआ है। इस स्कीम में 100 रुपये मंथली एसआईपी भी कर सकते हैं। वहीं, लम्प सम के लिए कम से कम 5000 रुपये जरूरी हैं। 30 जून 2024 तक स्कीम का कुल एसेट्स 56469 करोड़ रुपये था, वहीं एक्सपेंस रेश्यो में 1 फीसदी से कम 0.64 फीसदी है।

कहां लगाती है आपके पैसे

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड निवेशकों के पैसों को फाइनेंशियल, इंडस्ट्रियल, टेक्नोलॉजी और कंज्यूमर सेक्टर में प्रमुखता से निवेश करती है। इसके पोर्टफोलियो में एचडीएफसी बैंक, ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स, किर्लोस्कर ब्रदर्स, अपार इंडस्ट्रीज, तेजस नेटवर्क, भेल, एमसीएक्स, एलांटस बेक इंडिया, एसबीआई, डिक्सन टेक्नोलॉजीजसे शेयर शामिल हैं।

सबसे अच्छा और सबसे खराब साल

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड के लिए सबसे अच्छा साल 23 मार्च 2020 से 23 मार्च 2021 के बीच रहा है और इस दौरान फंड ने 135.72 फीसदी रिटर्न दिया। वहीं सबसे खराब साल 25 मार्च 2019 से 24 मार्च 2020 रहा और इस दौरान इसने निगेटिव में -35.65 फीसदी रिटर्न दिया है।

10 साल में सब पर भारी ये म्यूचुअल फंड

1. **क्वांट स्मॉल कैप :** क्वांट स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 29 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद 1.25 करोड़ रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।
2. **निप्पोन इंडिया स्मॉल कैप फंड :** निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 28.4 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद 1.20 करोड़ रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।
3 **एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड :** एचएसबीसी स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 24.30 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद करीब 1 करोड़ रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।
4. **एसबीआई स्मॉल कैप फंड :** एसबीआई स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 24 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद करीब 94 लाख रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।

एमएफ एसआईपी ने बनाया रिकॉर्ड सेक्टोरल व थीमैटिक फंड रहे हिट

- इक्विटी फंड में इनफ्लो 9 प्रतिशत तक घटा
- जुलाई 2024 में एसआईपी के जरिए निवेश ने रिकॉर्ड बनाया
- रिटेल निवेशकों का एमएफ में भरोसा कायम
- सेक्टोरल या थीमैटिक फंड्स में 18,386 करोड़ का नेट इनफ्लो

जानकारी
बिजनेस डेस्क

जुलाई 2024 में भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की तस्वीर काफी दिलचस्प रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक जुलाई 2024 के दौरान देश में सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए होने वाले निवेश ने नया रिकॉर्ड बनाया, सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स भी हिट रहे, लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंड में कुल इनफ्लो घट गया। यह जानकारी एएमएफआई द्वारा 9 अगस्त को जारी आंकड़ों में दी गई है। एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड का कुल इनफ्लो 9% गिरकर 37,113 करोड़ रुपये रहा। यह गिरावट जून की तुलना में काफी अधिक है, जब इनफ्लो 17% बढ़कर 40,608 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। इस गिरावट का मुख्य कारण लार्ज-कैप और मिड-कैप फंड्स में निवेश की कमी रही है, लेकिन कुल इक्विटी फंड इनफ्लो में गिरावट के बावजूद, म्यूचुअल फंड्स में एसआईपी के जरिए होने वाले निवेश में लगातार वृद्धि जारी रही। जुलाई में मंथली एसआईपी का इनफ्लो एक नया रिकॉर्ड बनाते हुए 23,332 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो जून के 21,262 करोड़ रुपये की तुलना में काफी अधिक है। एसआईपी इनफ्लो में यह बढ़ोतरी बताती है कि रिटेल निवेशकों का म्यूचुअल फंड में भरोसा लगातार बना हुआ है।

ये फंड्स हिट रहे

जुलाई में इक्विटी म्यूचुअल फंड में इनफ्लो का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमैटिक फंड्स में आया है। इस कैटेगरी में 18,386 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो देखा गया। इसकी बड़ी वजह इस कैटेगरी में लॉन्च हुए नौ न्यू फंड ऑफर्स (एनएफओ) के कारण हुआ। इन एनएफओ ने महीने के दौरान कुल 12,974 करोड़ रुपये जुटाए। हालांकि लार्ज-कैप फंड्स में इनफ्लो 31% गिरकर 670 करोड़ रुपये पर आ गया, जबकि मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड्स में भी नए निवेश की गति धीमी रही। इसके बावजूद, स्मॉल-कैप फंड्स ने 2,109 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो और मिड-कैप फंड्स ने 1,644 करोड़ रुपये का नया निवेश प्राप्त किया।

कैप फंड्स का इनफ्लो 50% बढ़ा

मल्टी-कैप फंड्स, जो लार्ज-कैप, मिड-कैप, और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में निवेश करते हैं, ने जुलाई में 50% की वृद्धि के साथ 7,084 करोड़ रुपये का इनफ्लो देखा। डिविडेंड यील्ड फंड्स, जो लार्ज-कैप ओरिएंटेड होते हैं, ने भी जून के 520 करोड़ रुपये की तुलना में जुलाई में 630 करोड़ रुपये का उच्च इनफ्लो दर्ज किया।

डेट फंड्स में 1.19 लाख करोड़ का नेट इनफ्लो

फिक्स्ड-इनकम श्रेणी में, डेट म्यूचुअल फंड्स ने जुलाई में 1,19,588 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो देखा, जबकि जून में 1,07,358 करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो हुआ था. लिक्विड फंड श्रेणी, जिसने जून में 80,354 करोड़ रुपये का बड़ा नेट आउटफ्लो देखा था, जुलाई में 70,061 करोड़ रुपये का सबसे अधिक इनफ्लो प्राप्त किया। इस बदलाव का कारण यह है कि कॉरपोरेट्स और कारोबारियों ने अपने अतिरिक्त शॉर्ट-टर्म फंड्स को इन फंड्स में फिर से इनवेस्ट किया। दूसरी डेट फंड कैटेगरीज में भी कम अवधि वाली निवेश प्रोफाइल के साथ नेट इनफ्लो देखा गया, जो ब्याज दर कटौती के बारे में अनिश्चितता के बीच सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर झुकाव को दर्शाता है. हाइब्रिड श्रेणी ने, जिसके जरिए कमोडिटीज, इक्विटी और डेट समेत अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश किया जाता है, जुलाई में 17,436 करोड़ रुपये का मजबूत नेट इनफ्लो देखा।

इंडस्ट्री का एयूएम 64.97 लाख करोड़ हुआ

कुल मिलाकर, ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड्स ने जुलाई में 1,89,141 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज किया, जिससे म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का नेट एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 64.97 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह इंडस्ट्री के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसने पहली बार जून में 60 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार किया था। इक्विटी फंड इनफ्लो में उतार-चढ़ाव के बावजूद, स्टॉक मार्केट ने जुलाई में अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें बीएसई सेंसेक्स में 3.43% और एनएसई निफ्टी में 3.92% की बढ़त देखी गई. दरअसल रिटेल निवेशक अब समझने लगे हैं कि लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के दौरान अस्थिरता का सामना करना ही पड़ता है।

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

समय से पहले रिटायर होने का प्लान तो जल्द शुरू करें निवेश, अपनी पहली नौकरी से करनी होगी फाइनेंशियल प्लानिंग

वित्तीय स्थिति का करें आकलन

अर्ली रिटायरमेंट के लिए सबसे पहला कदम अपनी मौजूदा वित्तीय हालत को समझना जरूरी है। इसमें आपकी बचत, निवेश, और देनदारियों का आकलन शामिल है। अपने सभी एसेट्स और कर्जों की एक लिस्ट बनाएं, ताकि आपके पास कितनी संपत्ति है उसकी तस्वीर साफ हो सके। ऐसा कर लेने से आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आपको अपने रिटायरमेंट लक्ष्य तक पहुंचने के लिए और कितनी बचत और निवेश करने की जरूरत है। जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट कॉर्पस की गणना करना बहुत जरूरी है। यह वह राशि है, जिसकी आपको रिटायरमेंट के बाद अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यकता होगी। ऐसे में महंगाई दर, मेडिकल जैसे तमाम खर्चों को ध्यान में रखना जरूरी है। रिटायरमेंट कॉर्पस को लेकर एक बड़ा ही प्रचलित नियम है, जिसके बारे लोगों को जानना चाहिए। वह यह है कि अर्ली रिटायरमेंट का फैसला लेते वक्त आपके पास मौजूदा सालाना खर्चों से 25-30 गुना फंड रिटायरमेंट कॉर्पस के रूप में होनी चाहिए इसके लिए प्लानिंग पहली नौकरी से कर के चलना होगा।

नौकरी के दौरान करें निवेश

यह तभी संभव है जब आपके पास अच्छी सैलरी वाली नौकरी हो। अगर नहीं है तो सैलरी बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। उसके लिए बेहतर सैलरी वाली नौकरी की तलाश करनी होगी। नौकरी नहीं मिल पा रही है तो अतिरिक्त इनकम के लिए पार्ट-टाइम या फ्रीलांसिंग करनी होगी। इस अतिरिक्त इनकम से आप अधिक से अधिक पैसों को निवेश कर सकेंगे। जितना ज्यादा आप निवेश करेंगे, आपको उतनी ही जल्दी रिटायर होने में मदद मिलेगी और रिटायरमेंट पर पेंशन भी अधिक बन सकेगी।

कुछ हद तक रिस्क लें

पैसे निवेश करते समय आपको कुछ हद तक रिस्क भी लेना पड़ सकता है। किसी एक स्कीम में पैसे लगाने की बजाय कई निवेश विकल्पों में पैसे लगाएं। मिसाल के लिए आप कुछ पैसे पीपीएफ, एफडी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्प में लगा सकते हैं। एनपीएस में भी पैसे लगा सकते हैं। हालांकि यह एक मार्केट लिंक्ड स्कीम है। बाजार में निवेश करने की वजह से इसमें थोड़ा मार्केट रिस्क भी रहता है हालांकि इसमें हायर रिटर्न की संभावना होती है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सिंघानिया स्किन केयर — सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट। 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre — रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर। मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com, त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल — छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified) — कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर), कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल। सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)। फोन: 0771-4044551, समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मनोरोग, नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ। मो. 9977247553। नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर। समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक। सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर) — उपलब्ध विशेषताएं: लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी, जनरल मेडीसीन, ऑर्थोपेडिक्स, जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी, ऑंकोलॉजी (सर्जिकल), गायनेकोलॉजी। जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)। फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037। लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध। OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre — Diabetic Clinic। डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता। Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304। 17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। * आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव * — बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) — आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर — मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध — राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर — मो. 9039050422 — मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ। सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी। गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर। मो. 7999450384, 7042974029। समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)। स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

भारतीय हॉकी टीम का भव्य स्वागत हवाई अड्डे पर उमड़ा प्रशंसकों का हुजूम

हॉकी के लिए यह बड़ी उपलब्धि : हरमनप्रीत

कांस्य पदक के मैच में दोनों गोल और कुल 10 गोल करने वाले हरमनप्रीत ने मीडिया से कहा, 'हमें पूरा सहयोग मिला और हमारी सारी जरूरतें पूरी की गई। हम धन्यवाद देना चाहते हैं। हॉकी के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। इस प्यार से हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है। हम हर बार पदक जीतकर लौटने की कोशिश करेंगे। यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि भारतीय प्रशंसक हमारे स्वागत के लिए यहां आए। टीम ने ओलंपिक की तैयारी में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी और यह देखकर खुशी हुई कि हमारी मेहनत रंग लाई और हमारी जीत का जश्न पूरा देश मना रहा है।'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्यों का शनिवार की सुबह पेरिस से यहां पहुंचने पर सैकड़ों की संख्या में हवाई अड्डे पर मौजूद खेलप्रेमियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय टीम गुरुवार को स्पेन को कांस्य पदक के मुकाबले में 2-1 को हराकर हॉकी में 13वां ओलंपिक पदक जीतकर लौटी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह और टीम का फूलों की मालाओं और ढोल ताशे के साथ इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर स्वागत किया गया।

हॉकी के दिग्गज हैं श्रीजेश, आने वाली पीढ़ी होगी प्रेरित

पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों ने हाल में संन्यास लेने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश को दिग्गज खिलाड़ी करार देते हुए शनिवार को यहां कहा कि वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। भारतीय फारवर्ड ललित उपाध्याय ने यहां एक सम्मान समारोह के दौरान कहां, श्रीजेश बहुत अच्छे इंसान हैं। वह हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी हैं और भारत उन्हें मजबूत दीवार कहता है। मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि उन्होंने अपनी सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेली और देश के लिए अपना योगदान दिया।

यह जीत आपकी दृढ़ता, टीम वर्क, जज्बे का प्रमाण

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम को शनिवार को यहां सम्मानित करते हुए उनकी दृढ़ता और अदम्य जज्बे की सराहना की। मांडविया ने कहा, 'आपने भारत को बहुत गौरव दिलाया है और लाखों युवा खिलाड़ियों को अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। पूरे देश को आपकी उपलब्धि पर गर्व है। यह जीत आपकी दृढ़ता, टीम वर्क और अदम्य जज्बे का प्रमाण है। आपने भारत को बहुत गौरव दिलाया है और लाखों युवा एथलीटों को अपने सपने पूरे करने के लिए प्रेरित किया है।'

ओलंपिक : पदक तालिका

क्र.	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	चीन	34	27	23	84
2	अमेरिका	33	41	39	113
3	ऑस्ट्रेलिया	18	16	14	48
4	जापान	16	8	13	37
5	फ्रांस	15	20	22	57
69	भारत	00	01	05	06

खबर संक्षेप

शीर्ष वरीय गाफ नेशनल बैंक ओपन से बाहर

टोरंटो। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गाफ 14वीं वरीयता प्राप्त डायना स्नाइडेर से 6-4, 6-1 से हारकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस से बाहर हो गई। स्नाइडेर का सामना अब छठी वरीयता प्राप्त लियुडमिला सैमसोनोवा से होगा जिन्होंने एलिसे मर्टेंस को 6-2, 6-4 से मात दी थी। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कैटी बूल्टर को 6-3, 6-3 से हराया। गत चैंपियन जेसिका पेगुला ने क्वालीफायर एशलिन क्रूगर को 6-2, 6-4 से मात दी। अब उनका सामना पेटोन स्टीयर्न्स से होगा जो विक्टोरिया अजारेंका के जांघ में चोट के कारण कोर्ट छोड़ने के बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई।

त्रिपुरा की तरफ से खेलेंगे मनदीप

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज मनदीप सिंह ने शनिवार को घोषणा की कि पंजाब की टीम से 14 साल तक खेलने के बाद वह अगले घरेलू सत्र में त्रिपुरा की तरफ से खेलेंगे।

मनदीप ने भारत की तरफ से 2016 में जिंबॉब्वे के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। मनदीप ने इंस्टाग्राम पर अपने फैसले की घोषणा करते हुए लिखा, 'पंजाब के साथ जूनियर स्तर से लेकर सीनियर स्तर तक मेरी यात्रा शानदार रही। मैं भाग्यशाली था कि मेरे कप्तान रहते हुए टीम ने 2023-24 के सत्र में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती।'

महाराज ने झटके तीन विकेट, वेस्टइंडीज अभी 212 रन पीछे

पोर्ट ऑफ स्पेन। केशव महाराज के तीन विकेट की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर कर बारिश से प्रभावित पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना पलड़ा भारी रखा। वेस्टइंडीज ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 145 रन बनाए हैं और वह अभी दक्षिण अफ्रीका से 212 रन पीछे है।

ओलंपिक : मुकाबला बराबर रहा, आखिरी अंक बनाने वाला विजेता

आखिरी अंक गंवाने से रीतिका को क्वार्टर फाइनल में मिली हार

एजेंसी ▶▶| पेरिस

भारतीय पहलवान रीतिका हुड्डा को पेरिस ओलंपिक महिला कुश्ती के 76 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान की एइपेरी मेतेट के खिलाफ बराबरी के बाद आखिरी अंक गंवाने के कारण हार का सामना करना पड़ा। अपना पहला ओलंपिक खेल रही 21 साल की रीतिका ने शीर्ष वरीयता प्राप्त पहलवान को कड़ी टक्कर दी और शुरुआती पीरियड में एक अंक की बढ़त बनाने में सफल रही।

दूसरे पीरियड में रीतिका ने कड़ी टक्कर देने के बावजूद 'पैसिविटी (अति रक्षात्मक रवैया) ' के कारण एक अंक गंवाया जो इस मैच का आखिरी अंक साबित हुआ। नियमों के अनुसार मुकाबला बराबर रहने पर आखिरी अंक बनाने वाले खिलाड़ी को विजेता घोषित किया जाता है।

किर्गिस्तान की पहलवान अगर फाइनल में पहुंचती है तो रीतिका के पास रेपेचेज से कांस्य पदक हासिल करने का मौका होगा। इस भारवर्ग में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली देश की पहली पहलवान रीतिका ने इससे पहले तकनीकी श्रेष्ठता से जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में हंगरी की बर्नाडेट नैगी को 12-2 से तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। रीतिका पहले पीरियड में 4-0 से आगे थी लेकिन उन्होंने दूसरे पीरियड में शानदार प्रदर्शन कर आठवीं वरीयता प्राप्त पहलवान को ज्यादा मौके नहीं दिए।

अब 13 को फैसला

विनेश फोगाट के सिल्वर मेडल पर फैसला टला

पेरिस। खेल पंचाट (कैस) का तदर्थ प्रभाग ओलंपिक महिला 50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल मुकाबले से पहले अयोग्य करार दी गईं भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की अपील पर विचार करने पर अभी कुछ और समय लेगा और इस मामले पर फैसला अब 13 अगस्त को सुनाया जाएगा। मामले की सुनवाई शुक्रवार को समाप्त हुई जिसमें कैस ने विनेश की अपील स्वीकार कर ली थी। विनेश ने फाइनल मुकाबले की सुबह 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराये जाने के खिलाफ अपील की थी। इस अपील पर फैसला पहले रविवार शाम सुनाया जाना था। भारतीय ओलंपिक संघ ने पहले कहा था कि फैसला

रविवार को आएगा, लेकिन फिर उसने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि परिणाम 13 अगस्त को ही पता चलेगा। आईओए के बयान में कहा गया, 'सीएएस के तदर्थ प्रभाग ने विनेश फोगाट बनाम यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति मामले में एकमात्र मध्यस्थ माननीय डॉ. एनाबेले बेनेट को 13 अगस्त 2024 को शाम छह बजे तक फैसला देने का समय दिया है।

पेरिस ओलंपिक का आज समापन

पेरिस ओलंपिक का समापन समारोह 11 अगस्त को है। विनेश की जगह फाइनल में क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमान लोपेज उतरीं, जो सेमीफाइनल में उनसे हार गई थीं। भारतीय पहलवान ने अपनी अपील में लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक दिये जाने की मांग की है क्योंकि मंगलवार को अपने मुकाबलों के दौरान उनका वजन निर्धारित सीमा के अंदर था।

बोलीं- मैं जन्म से महिला हूं...

लैंगिक जांच में फेल होने वाली खेलीफ ने जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

विश्व चैंपियनशिप में पिछले साल लैंगिक जांच में फेल होने वाली इमाने खेलीफ पेरिस ओलंपिक में धमाल मचा रही हैं। अल्जीरिया की यह मुक्केबाज पूरे टूर्नामेंट के दौरान विवादों में रही है।

अब उन्होंने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा कि वह एक महिला के रूप में पैदा हुई हैं और इसी तरह जी रही हैं। खेलीफ ने शुक्रवार को चीन की यांग लियू को मुकाबले में 5-0 से हराया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अब अल्जीरिया की महिला बॉक्सर ने लैंगिक विवाद पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह महिला हैं और महिला की तरह ही अपना जीवन गुजार रही हैं। मुकाबले के बाद मीडिया से बात करते हुए इमाने खेलीफ ने कहा, मैं किसी भी महिला की तरह एक महिला ही हूं। मैं एक महिला के रूप में पैदा हुई हूं और मैंने एक महिला के रूप में जीवन जिया है, लेकिन मेरी सफलता के कुछ लोग दुश्मन हैं और वे लोग मेरी सफलता को पचा नहीं सकते।

विश्व चैंपियनशिप में हो गई थी अयोग्य

दरअसल, विश्व चैंपियनशिप 2023 के दौरान इमाने को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वहीं, ओलंपिक में उनकी भागीदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे थे। पहले मैच में उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी एंजिला कैरिनी की नाक पर जोरदार पंच जड़ा था, जिसके 46 सेकंड बाद ही वह मुकाबले से हट गई थीं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने अल्जीरिया की इमाने और ताइवान की लिन यू-टिंग पर बयान जारी करते हुए बताया था कि दोनों खेलने के लिए योग्यता रखती हैं।

भाला फेंक को लोकप्रिय बनाएंगे चोपड़ा और नदीम

पेरिस। भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम मैदान पर अपनी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और मैदान के बाहर पक्की दोस्ती से भारत और पाकिस्तान के युवाओं को प्रेरित करने और इस खेल से जोड़ने के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए तैयार हैं। नदीम ने पेरिस ओलंपिक की पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो से ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि अपने खिताब का बचाव कर रहे चोपड़ा ने 89.45 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से रजत पदक जीता। चोपड़ा से जब पूछा गया कि क्या दोनों की सफलता से भारत और पाकिस्तान दोनों में एथलेटिक्स लोकप्रिय होगी तो उन्होंने कहा, 'यह पहले से ही बहुत बढ़ चुकी है। हम पहले से ही भारत में अधिक प्रतिभाशाली भाला फेंक एथलीट देख रहे हैं। पाकिस्तान में भी यही हो रहा है। जब हम एशियाई खेलों में गए। अरशद घुटने की चोट के कारण प्रतिस्पर्धा नहीं कर सके तो उनकी जगह खेलने आए यासिर सुल्तान ने बहुत अच्छे थ्रो फेंके।

सौना के पांच सत्र, ट्रेडमिल पर दौड़ा और लगातार किया अभ्यास

अमन ने दस घंटे में घटाया 4.6 किलो वजन

एजेंसी ▶▶| पेरिस

कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है और पेरिस ओलंपिक में भारत को कुश्ती का कांस्य पदक दिलाने वाले अमन सेहरावत को 4.6 किलो वजन खोना पड़ा। सेमीफाइनल में जापान के रेइ हिगुची से हारने के बाद अमन का वजन 61.5 किलो आया था। अब कांस्य पदक के प्लेआफ के लिए मैट पर उतरने से पहले उनके सामने वजन कम करने की चुनौती थी। ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाले भारत के सबसे युवा खिलाड़ी अमन ने दस घंटे के भीतर 4.6 किलो वजन कम किया क्योंकि उन्हें 57 किलोवर्ग के मुकाबले में उतरना था। दूसरे दिन सुबह वजन किया गया तो कोच जगमंदर सिंह और वीरेंदर दहिया ने राहत की सांस ली क्योंकि अमन का वजन निर्धारित सीमा के भीतर आया। कुछ दिन पहले ही विनेश फोगाट सौ ग्राम वजन अधिक पाए जाने के कारण फाइनल से अयोग्य करार दी गई थी।

एक घंटा गर्म पानी से स्नान

अमन ने 'मिशन ' की शुरुआत डेढ़ घंटे अपने दो सीनियर कोचों के साथ मैट पर अभ्यास करने के साथ की। इसके बाद एक घंटा गर्म पानी से स्नान किया। चूंकि पसीने से भी वजन कम होता है तो आधा घंटे के ब्रेक के बाद पांच पांच मिनट के पांच 'सौना बाथ' सत्र हुए। आखिरी सत्र के बाद अमन का वजन 900 ग्राम अधिक था तो उनकी मालिश की गई और कोचों ने उसे हल्की जॉगिंग करने के लिए कहा। इसके बाद 15 मिनट दौड़ लगाई। सुबह 4.30 तक उसका वजन 56.9 किलो आ गया। इस दौरान उसे गर्म पानी के साथ नींबू और शहद और थोड़ी कॉफी दी गई। अमन उसके बाद सो ही नहीं सका।

यूरोप में इस्लाम का राज, एलियन की खोज और दुनिया का अंत, बाबा वेंगा की डरावनी भविष्यवाणियां

न्यूयार्क। इंसानों को भविष्य को जानने में काफी दिलचस्पी रहती है कि आखिर आगे क्या होने वाला है? भविष्यवाणी करने वाले लोग दुनियाभर में मशहुर होते हैं। दो ऐसे भविष्यवक्ता हैं, जिनकी भविष्यवाणियों पर पूरी दुनिया यकीन करती है। भविष्यवक्ताओं में फ्रांस के भविष्यवक्ता नास्त्रेदम का नाम सबसे पहले आता है। वह 500 साल पहले दुनिया में आए और कई बेहद महत्वपूर्ण भविष्यवाणियां कीं। इनके बाद बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों पर लोग सबसे ज्यादा यकीन करते हैं। बुल्गारिया में साल 1911 में बाबा वेंगा का जन्म हुआ था और साल 1996 में 86 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। बाबा वेंगा की आंखों की रोशनी सिर्फ 12 साल की उम्र में ही चली गई थी। उन्होंने दुनिया को लेकर कई भविष्यवाणियां की थीं, जो सच साबित हुई हैं।

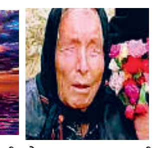

2025 में यूरोप में छिड़ेगा बड़ा संघर्ष

बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की है कि दुनिया का अंत 2025 में शुरू हो जाएगा। उनकी एक भविष्यवाणी के मुताबिक, साल 2025 में यूरोप में एक बड़ा संघर्ष छिड़ेगा, जिससे महाद्वीप की आबादी में भारी कमी होगी। बाबा वेंगा की भविष्यवाणी के मुताबिक, साल 2028 में नए ऊर्जा स्रोत की खोज में मानव शुक्र ग्रह पर पहुंच सकता है। बाबा वेंगा ने कहा कि 2033 तक ध्रुवीय बर्फ पिघलने में तेजी आएगी और समुद्र के स्तर में भारी वृद्धि होगी। बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की है कि 2043 में यूरोप में मुस्लिम शासन होगा। बाबा वेंगा की भविष्यवाणी के मुताबिक, भू-राजनीतिक बदलाव भी होगा।

2130 तक एलियन से हो जाएगा संपर्क : वर्तमान समय में पृथ्वी पर कहीं दिन होता है, तो उसी समय कहीं रात होती है। बाबा वेंगा की भविष्यवाणी के मुताबिक, साल 2100 तक धरती का दूसरा हिस्सा कृत्रिम सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित होगा।

खूनी हो या बादी बवासीर से आज़ादी
एेंग्रो अर्श कल्याण कैप्सूल
20 सालों से भरोसेमंद औषधि
सभी मेडिकल स्टोर्स पर उपलब्ध
HELPLINE NO. 8899 500 500

राइनोप्लास्टी
नाक को सही (रिशेपिंग) करना
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.जी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060

24x7 Helpline: 85568 09999
Dr. Juneja's ACCUMASS
वज़न बढ़ाए आत्मविश्वास जगाए
एक्यूमॉस आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स

सुयश हॉस्पिटल (NABH से मान्यता प्राप्त)
डायलिसीस
◆ सीआरएफ एवं एआरएफ के मरीजों की अत्याधुनिक फ्रेसिनियस की डायलिसीस मशीन द्वारा
◆ हिमोडायलिसीस
◆ पेरीटोनियल डायलिसीस
◆ सीएपीडी
◆ बच्चों की किडनी की बीमारियों का ईलाज
24 Hours Helpline 9926386660
कोटा–गुढ़ियारी रोड, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर

मित्तल हॉस्पिटल कैंसर विभाग
भिलाई : सुर्या टी.आई. मॉल के पास फोनः 0788 - 2294443, 90392 38971, 77228 80844
रायपुर : होली क्रॉस स्कूल के पास, अवंति बाई चौक, पंडरी फोनः 91313 99570, 93430 79151
आयुष्मान कार्ड से इलाज की सुविधा
हमारे अनुभवी कैंसर विशेषज्ञ
डॉ. सुमन मित्तल MBBS, MD, DM कीमोथेरेपी विशेषज्ञ
डॉ. स्नेहा बोथरा जैन MBBS, MD, DNB कीमोथेरेपी विशेषज्ञ
डॉ. अरविन्द कुमार MBBS, MD, DNB कीमोथेरेपी विशेषज्ञ
डॉ. पुनीत सेठ MBBS, MD रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट
डॉ. जसवंत जैन MBBS, MS, MCH कैंसर सर्जन
डॉ. नवीन वर्मा MBBS, MS, MCH कैंसर सर्जन
डॉ. अंबर गर्ग MD, DNB हेमेटोलॉजिस्ट एवं BMT विशेषज्ञ
डॉ. निहार गुप्ता MBBS, MD, Fellow in रक्त रोग विशेषज्ञ

संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल
पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त
छत्तीसगढ़ का एक अत्याधुनिक सम्पूर्ण कैंसर हॉस्पिटल
रोबोटिक सर्जरी
कैंसर सर्जरी
आयोडीन थेरेपी
आई.एच.सी. एवं फ्रोजन
बोन मैरो ट्रांसप्लांट
रैपिड आर्क रेडियोथेरेपी
पेट स्कैन व गामा कैमरा
कीमो व इम्यूनोथेरेपी
संपर्क करें : दावड़ा कॉलोनी, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ. ग.) 7389904010, 738995010, +91 7714081010, 4061010

स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।
बैद्यनाथ असली आयुर्वेद
अर्जुनामृत
अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी - बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
• बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
• अर्जुनामृत के साथ शुद्ध शिलाजीत युक्त प्रभाकर वटी का सेवन विशेष लाभदायक है।
वैद्यकीय सलाह : 8448444935 www.baidyanath.co

कब्ज का काल
कब्ज नाल
आप ने बहुत से कब्जीयत की दवा ली परंतु बात नहीं बनी स्नेह कब्जनाल चूर्ण के पहले खुराक से पेट खुश तो आप भी खुश पेट के संपूर्ण रोगों के लिए आर्शीवाद यह नये-पुराने चिपके हुए मल को शोधन कर आँतों को साफ रखता है। बवासीर को ठीक करता है।
पेशाब से जाने वाले चिपचिपे पदार्थ को तुरंत रोकता है।
सभी मेडिकल व जनरल स्टोर में उपलब्ध एक बार अवश्य प्रयोग करें
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें Mob.: 93032-42200

करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल
अरबिंदो नेत्रालय के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर
कैंसर का इलाज संभव है
मुँह एवं गले का कैंसर
बच्चेदानी का कैंसर
स्तन कैंसर
रक्त सम्बन्धी विकार
पेट, लिवर, गुदा द्वार का कैंसर
+ उपलब्ध सुविधाएं +
कीमोथेरेपी
सर्जरी
रेडिएशन
इम्यूनोथेरेपी
आयुष्मान भारत योजना से अनुबंधित
अधिक जानकारी एवं सहायता हेतु संपर्क करें: 0771 4280003, 6232143778

एस.एम.सी. सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
छत्तीसगढ़ के अनुभवी पेट एवं लीवर रोग विशेषज्ञ
डॉ संजय अग्रवाल (M.D., D.M. Gastroenterology)
पूर्व पेट रोग विशेषज्ञ सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली
पूर्व पेट रोग विशेषज्ञ बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
हमारी सुविधाएं
एंडोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी, इआरसीपी, सोनोग्राफी, ब्लड टेस्ट
पेट सम्बन्धी बीमारियों का इलाज
• गैस • खट्टी डकार • फैटी लीवर • खाना निगलने में परेशानी • पेट फूलना • लीवर सिरोसिस • पैंक्रियाटाइटिस • उल्टी में खून आना • लीवर ट्रांसप्लांट
RAILWAY, CSEB, ESIC एवं आयुष्मान भारत से मान्यता प्राप्त
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें:- 9238175001/9238175002
www.smchospital.in
INFRONT OF BSNL OFFICE, VIDHAN SABHA ROAD, NEAR ASHOK RATAN, SHANKAR NAGAR, RAIPUR (C.G.)

BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर के साथ रहिये कैंसर से एक कदम आगे
NABH व NABL से मान्यता प्राप्त कैंसर अस्पताल
• सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी • अत्याधुनिक ट्रू-बीम लिनक
• पैट, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी एवं ब्रैकीथेरेपी द्वारा रेडिएशन थेरेपी
• रक्त-सम्बन्धी सभी बीमारियों एवं बोन मेरो ट्रांसप्लांट • कीमोथेरेपी, टारगेट थेरेपी, इम्युनोथेरेपी
• आधुनिक रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी एवं ब्लड सेंटर
70 से अधिक सफल बोन मेरो ट्रांसप्लांट
मध्य भारत का अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल
बीएमसी कैंसर डेकेयर- 1st फ्लोर, गंगा डायग्नोस्टिक्स, कलर्स मॉल के पास, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.)
हॉस्पिटल - सेक्टर 36, नया रायपुर, छ.ग. 8282823333/4444
छत्तीसगढ़ शासन, डॉ. खूबचंद बघेल योजना, आयुष्मान भारत, BSKY C.G.H.S. एवं सभी प्रमुख PSUs-Coal India (SECL), SAIL, SECR, CRPF ESIC, ECHS, NTPC, NMDC व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित

78th Independence Day Celebration
BADE OFFER BADI BACHAT
शक्कर 1 KG शुभम मूल्य ₹42
HMT पोस्टमैन राइस 1 KG शुभम मूल्य ₹54
तुअर दाल राजभोग 1 KG MRP ₹190 शुभम मूल्य ₹161
आशीर्वाद शुद्ध चक्की आटा 5KG MRP ₹263 शुभम मूल्य ₹218
सूजी 1 KG ₹35 मैदा 1 KG ₹35 बेसन 1 KG ₹87
अनिक घी 1 L+₹80 केटरन फ्री MRP ₹670 शुभम मूल्य ₹581
एबिस सोयाबीन आयल 1 ली शुभम मूल्य ₹101
फॉर्च्यून सनफ्लॉवर आयल 1 L शुभम मूल्य ₹111
किसान फ्रेश टोमेटो केचप 1.1 KG MRP ₹150 शुभम मूल्य ₹89
वाघ बकरी नवचेतन टी 1kg MRP ₹220 शुभम मूल्य ₹160
पतंजलि दूध बिस्कुट 800 GM MRP ₹125 शुभम मूल्य ₹78
मैगी मसाला नूडल्स 560 GM MRP ₹112 शुभम मूल्य ₹87
स्टेफ्री सिक्योर XL 40 पैड्स + सिक्योर नाइट्स 6 पैड्स फ्री MRP ₹275 शुभम मूल्य ₹229
मैमीपोको पैंट बेबी डायपर (M-52/L-46/XL-38) MRP ₹599 शुभम मूल्य ₹380
रामबंधु आचार आम/ मिक्स्ड 1kg BUY 1 GET 1 FREE MRP ₹270
आकाश नमकीन तीखा / गार्लिक 900gm/800gm BUY 1 GET 1 FREE MRP ₹280
मधुर रसगुल्ला 1kg BUY 1 GET 1 FREE MRP ₹220
यूनिबिक चोको चिप कुकीज 500gm BUY 1 GET 1 FREE MRP ₹200
हिमालय प्यूरीफाइंग नीम फेस वॉश, 200ML BUY 1 GET 1 FREE MRP ₹325
JOY हनी एंड आलमंड्स एडवांस नॉरिशिंग बॉडी लोशन 300ML BUY 1 GET 1 FREE MRP ₹290
टाइड रोज़ & जैस्मिन/ लेमन & मिंट 4+1 किलो MRP ₹659 शुभम मूल्य ₹479
कोलगेट मैक्स फ्रेश जेल 300gm MRP ₹265 शुभम मूल्य ₹139
पीयर्स प्योर एंड जेंटल ब्यूटी बाथिंग बार 125 GM*3 MRP ₹228 शुभम मूल्य ₹149
फेना डिटर्जेंट 5kg + 2kg MRP ₹440 शुभम मूल्य ₹345
विम लेमन बार 4*200GM MRP ₹86 शुभम मूल्य ₹69
बजाज आलमंड ड्रॉप्स हेयर ऑयल 650ml+100ml फ्री MRP ₹455 शुभम मूल्य ₹295
*नियम एवं शर्तें लागू, ऑफर स्टॉक रहने तक
5% EXTRA CASHBACK SBI card
#Min. Trxn.:₹3,000; Max. Cashback:₹250 per card account. Validity:06 Aug - 04 Sep 2024. T&C Apply
शुभम के मार्ट
शॉपिंग करो खुलके, पैसे बचाओ जमके !
हर दिन MRP पर कम से कम 9% और उससे अधिक डिस्काउंट
रायपुर स्टोर: संतोषी नगर | पंडरी | पुरानी बस्ती | श्रीनगर | कोटा | सरोना | कमलविहार | देवेन्द्र नगर
सराईपाली | जुनवानी, भिलाई | पलारी | राजनांदगांव | भाटापारा | धमतरी | जैजैपुर | अकलतरा
अंजोरा | नवापारा राजिम | बालोद | खैरागढ़ | कवर्धा | उतई | शिवरीनारायण | सिमगा
अतिशीघ्र शुभारंभ बेमेतरा
नियम एवं शर्तें लागू: सभी ऑफर सूचना के बिना बदलाव के अधीन हैं | ऑफर स्टॉक रहने तक | दिखाये गए उत्पादों के ग्राफिक्स केवल सांकेतिक मात्र है | ऑफर स्थान के अनुसार भिन्न हो सकते हैं | सभी मदभेद केवल रायपुर अदालत के अधिकार क्षेत्र के अधीन हैं | सभी क्रेडिट, डेबिट, सोडेक्सो एवं यूपीआई से भुगतान स्वीकार किये जाते हैं |
कस्टमर केयर हेल्पलाइन नंबर : 91091 99110

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com